हिन्दी साप्ताहिक

भारत निविदा लाईन समाचार पत्र

क्राइम की हर खबर....

■ वर्ष : 18 ■ अंक: 47 ■ नई दिल्ली 29 अगस्त से 04 सितम्बर 2025 ■ पृष्ठ : 08 ■ मूल्य : 02 रुपए

शाहिद ने पूरी की अपकमिंग फिल्म की शूटिंग

भारत और सिंगापुर ने संबंधों को मजबूत बनाने और उनका दायरा बढ़ाने के लिए तैयार किया रोड मैप : मोदी

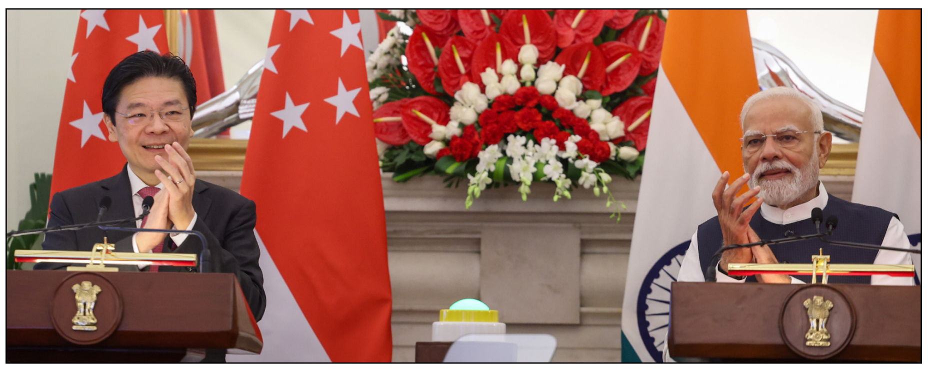

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को सिंगापुर के अपने समकक्ष लॉरेंस वोंग के साथ द्विपक्षीय बैठक के बाद साझा प्रेस वार्ता की। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा, 'आतंकवाद को लेकर हमारी चिंताएं समान हैं। हमारा मानना है कि सभी मानवतावादी देशों का कर्तव्य है कि वे एकजुटता से आतंकवाद का मुकाबला करें। मैं पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत के लोगों के प्रति व्यक्त की गई संवेदनाओं और आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई में उनके समर्थन के लिए प्रधानमंत्री वांग और सिंगापुर सरकार का आभार व्यक्त करता हूं।'

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'हरित और डिजिटल शिपिंग कॉरिडोर के लिए हुए समझौते से समुद्री क्षेत्र में हरित ईंधन आपूर्ति श्रृंखला और डिजिटल बंदरगाह निकासी को बढ़ावा मिलेगा। भारत अपने बंदरगाह बुनियादी ढांचे के विकास पर तेजी से काम कर रहा है। इसमें सिंगापुर का अनुभव बेहद उपयोगी है। आज हमने सिंगापुर की कंपनी पीएसए इंटरनेशनल की ओर से विकसित भारत-मुंबई कंटेनर टर्मिनल के दूसरे चरण का उद्घाटन किया। इससे हमारी कंटेनर हैंडलिंग क्षमता में और वृद्धि होगी। सिंगापुर हमारी एक्ट ईस्ट नीति का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। हम हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग और शांति एवं स्थिरता के संयुक्त दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए आसियान के साथ मिलकर काम करना जारी रखेंगे।'

प्रधानमंत्री ने कहा, 'हमारे संबंध कूटनीति से कहीं आगे तक जाते हैं। यह एक उद्देश्यपूर्ण साझेदारी है, जो साझा मूल्यों पर आधारित है, आपसी हितों से निर्देशित है। यह शांति, प्रगति और समृद्धि के लिए एक साझा दृष्टिकोण से प्रेरित है।' इससे पहले साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस में पीएम मोदी ने कहा, 'आज दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्र में सिंगापुर हमारा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। सिंगापुर से भारत में बड़े पैमाने पर निवेश हुआ है। हमारे रक्षा संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं। लोगों के बीच संबंध गहरे और जीवंत हैं। आज हमने अपनी साझेदारी के भविष्य के लिए एक विस्तृत रोडमैप तैयार किया है। हमारा सहयोग केवल पारंपरिक क्षेत्रों तक ही सीमित नहीं रहेगा। बदलते समय के साथ उन्नत विनिर्माण, हरित नौवहन, कौशल विकास, नागरिक, परमाणु और शहरी जल प्रबंधन जैसे क्षेत्र भी हमारे सहयोग का केंद्र बिंदु बनेंगे।'

प्रधानमंत्री ने कहा, '...सिंगापुर के प्रधानमंत्री बनने के बाद लॉरेंस वोंग की पहली भारत यात्रा पर मैं उनका स्वागत करता हूं। यह यात्रा और भी खास है क्योंकि हम भारत-सिंगापुर संबंधों की 60वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। सिंगापुर की अपनी पिछली यात्रा के दौरान हमने अपने संबंधों को एक व्यापक रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाया था।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'हमने तय किया है कि आपसी व्यापार को गति देने के लिए द्विपक्षीय व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते और आसियान के साथ हमारे मुक्त व्यापार समझौते की समयबद्ध समीक्षा की जाएगी।

हमारे राज्य भी भारत-सिंगापुर संबंधों में महत्वपूर्ण हितधारक होंगे।

विदेश मंत्री जयशंकर ने भी की पीएम वोंग से मुलाकात

इससे पहले विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने आज वोंग से मुलाकात की और भारत-सिंगापुर संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा की। जयशंकर ने उम्मीद जताई कि उनके और प्रधानमंत्री मोदी के बीच होने वाली बातचीत दोनों देशों के रिश्तों के लिए एक नया रास्ता तय करेगी।

जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, आज सुबह दिल्ली में सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग से मिलकर खुशी हुई। भारत-सिंगापुर संबंधों को मजबूत करने के लिए उनके निरंतर समर्थन की सराहना करता हूं। मुझे भरोसा है कि आज बाद में प्रधानमंत्री मोदी से उनकी बातचीत हमारे मौजूदा संबंधों के लिए एक दिशा तय करेगी।

विदेश मंत्री जयशंकर से मुलाकात के बाद सिंगापुर के प्रधानमंत्री ने कहा कि दोनों नेताओं के बीच वैश्विक और क्षेत्रीय घटनाओं के साथ-साथ अन्य कई मुद्दों पर चर्चा हुई। वोंग ने भी एक्स पर लिखा, भारत के विदेश मंत्री जयशंकर के साथ हमने क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाओं पर बात की और भारत-सिंगापुर सहयोग में हुई अच्छी प्रगति पर चर्चा की।

सिंगापुर के प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि उनका भारत दौरा अच्छी शुरूआत के साथ शुरू हुआ है। उन्होंने बताया कि उन्होंने दिल्ली पहुंचने के बाद एक खास कार्यक्रम में हिस्सा लिया। वोंग ने 'एक्स' पर अपनी पोस्ट में लिखा, मेरे नई दिल्ली दौरे की शुरूआत अच्छी रही। कल शाम, मैंने सिंगापुर के प्रवासियों और भारत में सिंगापुर के दोस्तों के साथ एक खास रिसेप्शन में हिस्सा लिया। भारत के चेन्नई, मुंबई जैसे अलग-अलग शहरों और अन्य जगहों से कई लोग यहां आए थे, इस खास मौके का हिस्सा बनने के लिए।

पहाड़ी राज्यों में बाढ़-भूस्खलन पर सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी

पेड़ों की अवैध कटाई से आपदाएं आईं : कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और पंजाब में आई बाढ़ और लगातार हो रहे भूस्खलन पर गंभीर चिंता जताते हुए कहा कि पर हमें विकास को संतुलित करना होगा। इसके अलावा शीर्ष अदालत ने कहा कि मीडिया रिपोर्टों से पता चलता है कि बाढ़ में बड़ी संख्या में लकड़ी के लट्ठे बह रहे थे इसका मतलब यह है कि पहाड़ों पर पेड़ों की अवैध कटाई हो रही है। इन्हीं अवैध अवैध कटाई के कारण ये आपदाएं आईं। मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने हिमाचल प्रदेश में बाढ़ के पानी में बहकर आए लकड़ी के लट्ठों के वायरल वीडियो और मीडिया रिपोर्ट को संज्ञान लेते हुए यह टिप्पणी की।

पीठ ने इसे गंभीरता से लेते हुए पर्यावरण मंत्रालय, जल शक्ति मंत्रालय एनडीएमए, एनएचएआई, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर राज्यों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा। मुख्य न्यायाधीश गवई ने कहा कि हमनें उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और पंजाब में अभूतपूर्व भूस्खलन और बाढ़ देखी। मीडिया रिपोर्टों से यह भी पता चला कि बाढ़ के दौरान बड़ी संख्या में लकड़ी के लट्ठे इधर-उधर बह रहे थे, जो पहली नजर में यह दर्शाता है कि पहाड़ों पर पेड़ों की अवैध कटाई हो रही है। उन्होंने कहा कि हम पंजाब की तस्वीरें देख रहे हैं, पूरे खेत और गांव उजड़ गए हैं। इसके साथ ही, शीर्ष अदालत ने कहा कि हमें विकास को संतुलित करना होगा। मुख्य न्यायाधीश गवई ने सॉलिसिटर जनरल मेहता से कहा कि यह एक गंभीर मुद्दा है। इस पर सॉलिसिटर जनरल मेहता ने कहा कि वह इस मुद्दे पर पर्यावरण मंत्रालय के सचिव और संबंधित राज्यों के मुख्य सचिवों से बात करेंगे।

हमें जवाब दे रही है प्रकृति : सॉलिसिटर जनरल सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने शीर्ष कोर्ट से कहा कि हमने प्रकृति के साथ इतना हस्तक्षेप किया है, अब प्रकृति हमें जवाब दे रही है। आपदा और भूस्खलन रोकने के लिए दिशा-निर्देश बनाने की मांग शीर्ष अदालत अनामिका राणा द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही है। याचिका में भविष्य में आपदाओं को रोकने के लिए दिशा-निर्देश बनाने या एसआईटी जांच की मांग की गई थी।

याचिका में हिमालयी राज्यों की प्राचीन पारिस्थितिकी की रक्षा के लिए निर्देश देने की भी मांग की गई। केंद्र-राज्यों के पास कोई योजना नहीं याचिका में आगे कहा गया कि केंद्र और राज्य सरकारों के पास समर्पित आपदा प्राधिकरण होने के बावजूद, इन आपदाओं से होने वाले नुकसान को रोकने या कम करने की कोई योजना नहीं है, जिनकी आवृत्ति हाल ही में बढ़ी है। पुरानी नदियों को बचाने में विफल रहे मंत्रालय पर्वतीय सड़क नियमों की अवहेलना, जल निकायों पर अतिक्रमण आदि भी इन आपदाओं की आवृत्ति में वृद्धि में योगदान दे रहे हैं।

याचिका में आरोप लगाया गया है कि पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय और जल शक्ति मंत्रालय भी हिमालयी क्षेत्र की पुरानी नदियों को क्षरण से बचाने के अपने कर्तव्य में विफल रहे हैं। एसआईटी के गठन की मांग याचिका में इन आपदाओं के कारणों का पता लगाने और अधिकारियों की जिम्मेदारियों का निर्धारण करने के लिए विशेषज्ञों को शामिल करते हुए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) के गठन की मांग की गई है।

एक नजर

केंद्र ने जारी किया एकीकृत पेंशन योजना का नया नियम

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने अपने कर्मचारियों के लिए एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) से संबंधित लाभों के सेवा मामलों को विनियमित करने के लिए नियम जारी किए हैं। गुरुवार को आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। आधिकारिक बयान के अनुसार केंद्रीय सिविल सेवा (राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के तहत एकीकृत पेंशन योजना के क्रियान्वयन) नियम, 2025 में एकीकृत पेंशन योजना में नामांकन तथा सेवानिवृत्ति की तिथि से एक वर्ष पहले या स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (वीआरएस) से तीन माह पहले यूपीएस से एनपीएस में जाने की सुविधा सहित कई प्रावधान शामिल होंगे। ये नियम केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों के उन सेवा मामलों को विनियमित करने के लिए हैं जो एनपीएस के तहत यूपीएस को विकल्प चुनते हैं। नियमों में कर्मचारी और सरकार का अंशदान, पंजीकरण एवं योगदान राशि एनपीएस खाते में जमा करने में देरी होने पर सरकारी कर्मचारी को दी जाने वाली क्षतिपूर्ति, और सेवा के दौरान कर्मचारी की मृत्यु या विकलांगता की स्थिति में सीसीएस (पेंशन) नियमों अथवा यूपीएस प्रावधानों के तहत लाभ का विकल्प शामिल हैं। मालूम हो केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 24 अगस्त, 2024 को यूपीएस की शुरूआत को मंजूरी दी थी।

थानों में सीसीटीवी बंद होने पर सुप्रीम कोर्ट ने लिया संज्ञान

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरे बंद होने से जुड़ी खबर पर संज्ञान लिया और इस मुद्दे पर जनहित याचिका तैयार कर सुनवाई करने का फैसला किया है। शीर्ष अदालत ने पुलिस थानों में मानवाधिकार उल्लंघन की घटनाओं को रोकने के लिए 2018 में सीसीटीवी कैमरे लगाने का आदेश दिया था। जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने गुरुवार को कहा कि ह्यहम 'पुलिस थानों में चालू सीसीटीवी की कमी शीर्षक से प्रकाशित खबर पर स्वतः संज्ञान लेकर एक जनहित याचिका दर्ज करने का निर्देश दे रहे हैं, क्योंकि एक खबर में बताया गया है कि इस साल अब तक पिछले सात-आठ महीनों में पुलिस हिरासत में लगभग 11 लोगों की मौत हुई है। शीर्ष न्यायालय ने दिसंबर 2020 में केंद्र को निर्देश दिया था कि सीबीआई, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) समेत जांच एजेंसियों के दफ्तरों में सीसीटीवी कैमरे और रिकॉर्डिंग उपकरण लगाए जाएं। शीर्ष अदालत ने कहा था कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रत्येक पुलिस थाने में, सभी प्रवेश और निकास द्वारों, मुख्य द्वार, हवालात, गलियारों, लॉबी और स्वागत कक्षों के साथ-साथ हवालात के बाहर के क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं। ताकि कोई भी हिस्सा इसके दायरे से बाहर न रह जाए। शीर्ष अदालत ने नाइट विजन से लैस सीसीटीवी लगाने का निर्देश दिया था और कहा था कि इसमें ऑडियो और वीडियो फुटेज होने चाहिए।

मिलावट से देश चला रही है सरकार, ईंधन की कमाई से हो रही मालामाल : कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने कहा है कि मोदी सरकार सिर्फ वोट चोरी ही नहीं पेट्रोल-डीजल की चोरी भी कर रही है और इसमें इथनॉल मिलाकर 50 रुपए में बेचने के दावे से मुकर कर ईंधन से लाखों करोड़ रुपए कमा रही है।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने यहां इंदिरा भवन में गुरुवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मोदी सरकार दावे कर सिर्फ सपने दिखाती है और जितने लोकलुभावने दावे करती है वे आखिर में जुमले ही साबित होते हैं।

उन्होंने कहा कि 2014 से ईंधन उपकर से सरकार 38.89 लाख करोड़ रुपए जुटा चुकी है और उसकी इथनॉल मिश्रण नीति आम लोगों की कीमत पर लूट का नया खाका बन गई है। उनका कहना था कि सरकार ने इथनॉल मिलाकर डीजल पेट्रोल के दाम आधा करने की बात की थी लेकिन इसे दोगुनी कीमतों पर बेचा जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार के वरिष्ठ मंत्री नितिन गडकरी ने जून 2014 में कहा था कि म्यूनिसिपल वेस्ट से जो इथनॉल बनेगा, उसके चलते पेट्रोल 55 रुपए और डीजल 50 रुपए प्रति लीटर मिलेगा। सितंबर, 2018 में गडकरी ने कहा कि सरकार द्वारा पांच इथनॉल के पांच संयंत्र लगाए जाएंगे, जहां लकड़ी के बूरे और म्यूनिसिपल वेस्ट से एथेनॉल बनाया जाएगा।

सच यह है कि आज तक लकड़ी के बूरे और म्यूनिसिपल वेस्ट से एक लीटर इथनॉल भी नहीं बनाया गया। इथनॉल 627 करोड़ लीटर बना है, इसमें 56 प्रतिशत गन्ना और बाकी अनाज इस्तेमाल हुआ है। इसमें कहीं भी लकड़ी के बूरे और म्यूनिसिपल वेस्ट का इस्तेमाल नहीं हुआ। एक लीटर इथनॉल बनाने में करीब 3,000 लीटर पानी की खपत होती है। यानी पर्यावरण को संरक्षित करने का दावा भी जुमला निकला।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी पर इथनॉल से कमाई करने का आरोप लगाते हुए कहा कि उनके दोनों पुत्र इथनॉल को लेकर पिता की नीतियों के बल पर जबरदस्त कमाई कर रहे हैं। उनके पुत्रों की कंपनियों से सबसे ज्यादा इथनॉल की आपूर्ति हो रही है और पिता द्वारा बनाई गई पॉलिसी पर बेटे पैसा बना रहे हैं।

ऑनलाइन गेमिंग कानून को चुनौती

❍ सीजेआई के सामने पेश की गई याचिका

केंद्र सरकार की सुप्रीम कोर्ट में स्थानांतण याचिका

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र ने बृहस्पतिवार को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर ऑनलाइन गेमिंग अधिनियम, 2025 के संवर्धन और विनियमन को चुनौती देने वाली कई याचिकाओं को विभिन्न उच्च न्यायालयों से शीर्ष अदालत में स्थानांतरित करने का अनुरोध किया ताकि परस्पर विरोधी फैसलों से बचा जा सके।

आपको बता दें कि भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बी आर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ के समक्ष यह याचिका पेश की गई। याचिकाकर्ता वकील ने कहा, ह्यभारत सरकार ने स्थानांतरण याचिका दायर की है... ऑनलाइन गेमिंग विनियमन अधिनियम को तीन उच्च न्यायालयों में चुनौती दी गई है। चूंकि यह कर्नाटक हाई कोर्ट के समक्ष अंतरिम आदेशों के लिए सूचीबद्ध है, इसलिए क्या इसे सोमवार को सूचीबद्ध किया जा सकता है?

क्या है नया कानून

सीजेआई ने याचिका को अगले सप्ताह विचार के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमति व्यक्त की। ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन एवं विनियमन अधिनियम, 2025 पहला केंद्रीय कानून है, जो वास्तविक धन वाले ऑनलाइन गेमिंग पर राष्ट्रव्यापी प्रतिबंध लगाता है, जिसमें काल्पनिक खेल जैसे लोकप्रिय प्रारूप भी शामिल हैं। यह कानून ऑनलाइन पैसे वाले खेलों को खेलने पर प्रतिबंध लगाता है और उल्लंघनों को संज्ञेय व गैर-जमानती अपराधों के रूप में वगीर्कृत करता है।

ध्वनिमत से पारित हुआ था विधेयक

आपको बता दें कि यह विधेयक 20 अगस्त को लोकसभा में पेश किया गया और दो दिन के भीतर संसद के दोनों सदनों में ध्वनिमत से पारित हो गया। इसे 22 अगस्त को राष्ट्रपति की मंजूरी मिल गई और अब यह कानून बन गया है। इस कानून को मध्य प्रदेश, कर्नाटक और दिल्ली के उच्च न्यायालयों में चुनौती दी गई है।

ऑनलाइन गेमिंग के खिलाफ दायर सभी याचिकाओं पर उच्चतम न्यायालय में सुनवाई हो : केंद्र

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र ने बृहस्पतिवार को उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर कर ऑनलाइन गेमिंग अधिनियम, 2025 के संवर्धन और विनियमन को चुनौती देने वाली कई याचिकाओं को विभिन्न उच्च न्यायालयों से शीर्ष अदालत में स्थानांतरित करने का अनुरोध किया ताकि परस्पर विरोधी फैसलों से बचा जा सके।

भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बी आर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ के समक्ष यह याचिका पेश की गई।

याचिकाकर्ता वकील ने कहा, ह्यभारत सरकार ने स्थानांतरण याचिका दायर की है ऑनलाइन गेमिंग विनियमन अधिनियम को तीन उच्च न्यायालयों में चुनौती दी गई है। चूंकि यह कर्नाटक उच्च न्यायालय के समक्ष अंतरिम आदेशों के लिए सूचीबद्ध है, इसलिए क्या इसे सोमवार को सूचीबद्ध किया जा सकता है?

सीजेआई ने याचिका को अगले सप्ताह विचार के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमति व्यक्त की।

सड़क दुर्घटनाओं से जीडीपी में 3 फीसदी का नुकसान: गडकरी

सभी दुर्घटनाओं में 66.4 फीसदी मौतें 18 से 45 साल के युवाओं की

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सड़क सुरक्षा को देश की प्राथमिकता बताते हुए गुरुवार को कहा कि देश में हर साल औसतन 4.80 से 5 लाख सड़क दुर्घटनाएं होती हैं, जिसमें लगभग 1.80 लाख लोगों की मौत हो जाती है। इन दुर्घटनाओं से जीडीपी को 3 फीसदी का नुकसान होता है, जो किसी बीमारी या युद्ध से भी अधिक है।

गडकरी ने फिक्की के 7वें रोड सेफ्टी अवॉर्ड्स एंड सिम्पोजियम 2025- विजन जीरो लाइफ फर्स्ट, ऑलवेज' कार्यक्रम में कहा कि सालाना होने वाली सभी दुर्घटनाओं में 66.4 फीसदी मौतें 18 से 45 साल के युवाओं की होती हैं, जो देश के भविष्य के लिए गंभीर चिंता है। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में 18 साल से कम उम्र के 10 हजार बच्चों की सालाना मौत होती है, जो चिंता का विषय है। हेलमेट न पहनने से करीब 30,000 और सीट बेल्ट न लगाने से 16,000 मौतें सालाना होती हैं। इन आंकड़ों को कम करने के लिए सरकार ने नई बाइक खरीदने वालों को दो हेलमेट देने की अनिवार्यता लागू की है।

साथ ही, जागरूकता फैलाने के लिए अमिताभ बच्चन के साथ सालाना कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए शंकर महादेवन का एक गीत 22 भाषाओं में अनुवादित कर स्कूली बच्चों तक पहुंचाया जा रहा है। इसके लिए बड़े पैमाने पर डिजिटल अभियान भी शुरू किया गया है। उन्होंने वाहन सुरक्षा को मजबूत करने के लिए ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग में सुधार का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि ऑटोमोबाइल उद्योग में इस बदलाव से परफेक्शन आया है, जिससे वाहन दुर्घटनाओं में कमी की उम्मीद है। ट्रक ड्राइवरों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जो 16-18 घंटे लगातार गाड़ी चलाते हैं, उनके केबिन में एसी अनिवार्य किया गया है। गर्मी और थकान से होने वाली अस्वस्थता को कम करने के लिए फटीग और स्लीप डिटेक्शन सिस्टम पर भी काम चल रहा है।

उन्होंने बसों की सुरक्षा को लेकर कहा कि पहले बस बॉडी कोड में खामियां थीं, जिसे सुधारने में समय लगा। अब विश्वस्तरीय बस बॉडी कोड को अनिवार्य कर दिया गया है, ताकि यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो। नेशनल हाई-वे पर हर दुर्घटना के कारणों का विश्लेषण कर सुधार की कोशिश की जा रही है। दुर्घटना पीड़ितों को तुरंत अस्पताल पहुंचाने वालों को प्रोत्साहित करने के लिए 25 हजार रुपये का इनाम और हर दुर्घटना में न्यूनतम 1.5 लाख रुपये या 7 दिन का अस्पताल खर्च बीमा में शामिल करने का फैसला लिया गया है।

गडकरी ने कहा कि सबसे ज्यादा सड़क दुर्घटनाएं क्रमशः उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश और कर्नाटक में होती हैं। हमने सभी सुधार किए, लेकिन जो मानव व्यवहार था उसे बदलने में हम कामयाब ही नहीं हुए हैं। सालाना 30 हजार एक्सीडेंट सिर्फ इसलिए हुए कि इन एक्सीडेंट में शामिल लोगों के पास ड्राइविंग लाइसेंस ही नहीं था।

भटगांव में विकासखण्ड स्तरीय द्वितीय सोपान स्काउट्स/गाइड्स शिविर सफलतापूर्वक संपन्न

प्रभेश मिश्रा

छत्तीसगढ़: विकासखण्ड स्तरीय द्वितीय सोपान स्काउट्स/गाइड्स शिविर भटगांव के ए.डी. जुबली स्कूल भटगांव में दिनांक 31.08.2025 से 02.09.2025 तक सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। जिसमें प्रथम दिवस दिनांक 31.08.2025 को ध्वज शिष्टाचार से प्रारंभ हुआ। इसमें ए.डी. जुबली मेमोरियल भटगांव, शा0 बालक ऊ0 मा0 विद्यालय, शा0 कन्या ऊ0 मा0 विद्यालय भटगांव, शा0 हाई स्कूल चुननगुड़ी, सेंट चार्ल्स एवं जे.के. पब्लिक स्कूल के कुल 165 स्काउट्स/गाइड्स सम्मिलित हुए। ध्वज शिष्टाचार के पश्चात शा0 ऊ0 मा0 विद्यालय भटगांव के प्राचार्य श्री जी.आर. तोमर सर जी के द्वारा स्काउट एवं गाइड्स को अपने आशीर्वचन के द्वारा शिविर को शुभ करने की अनुमति दी गई। तत्पश्चात स्काउट्स एवं गाइड्स को श्री

एच.आर. तोमर सर जी एवं श्री एम.पी. नामदेव जी द्वारा शिविर कार्यक्रम की रूपरेखा बताई गई। तत्पश्चात जे.डी.एस. सर द्वारा सभी स्काउट्स/गाइड्स को विभिन्न कार्यों का समूह बनाकर सौंपा गया। इसके बाद स्काउट मास्टरों एवं गाइड्स कैप्टनों द्वारा सभी स्काउट्स/गाइड्स को शुभकामनाएँ दी गई।

प्रथम दिन स्काउट्स/गाइड्स के सिद्धान्त एवं उद्देश्य, आग के प्रकार, भोजन बनाने की तरीका एवं दिशाओं की जानकारी, वेबसाइट, कम्प्यूटर, आग जलाना, भोजन बनाना, दिशा जानकारी,

प्राथमिक चिकित्सा, अच्छा व्यवहार, गेम, सर्वधर्म प्रार्थना, कैम्प फायर के बारे में शिक्षा दी गई। दिनांक 02.09.2025 द्वितीय दिवस को ध्वज शिष्टाचार उपरान्त पायोनियरिंग प्राथमिक उपचार पट्टी के प्रकार, नॉटिंग और लेसिंग, के बारे में बताया गया। आज दिनांक 02.09.2025 तृतीय दिवस सुबह 10:00 बजे सर्वज्ञधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। तत्पश्चात ध्वज शिष्टाचार के बाद ए.डी. जुबली विद्यालय के प्राचार्य श्री टी. जोसेफ धनराज सर जी के द्वारा सर्वज्ञधर्म के बारे में स्काउट्स/गाइड्स का विवरण से बताया गया। इसके बाद प्रथम एवं द्वितीय दिवस में सीखे गये ज्ञान को पुनरावृत्ति कराया गया। फिर कैम्प फायर की तैयारी किया गया और आज दोपहर 02:30 बजे से मुख्य अतिथियों के द्वारा कैम्प फायर की अनुमति दी गई।

कैम्प फायर के द्वारा कार्यक्रम शुरू किया गया, और अन्य कार्यक्रम आयोजित किये गये, और अन्त में स्काउट/गाइड्स सचिव श्री अशोक दुबे के द्वारा आशीर्वचन एवं आभार व्यक्त करते कार्यक्रम का समापन किया गया। सभी स्काउट्स एवं गाइड्स को अनुशासन में रहते हुए मानवीय गुणों के साथ देश सेवा में हमेशा तत्पर रहने को कहा गया। बच्चों का सर्वांगीण विकास, आध्यात्मिक विकास, बौद्धिक विकास, देश सेवा आदि का विकास करना।

छोटाउदेपुर में सुरक्षा की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया गया

खत्री रफाकत इदरीशभाई

गुजरात: छोटाउदेपुर ज़िले में आज सुरक्षा की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया गया। भारत के गृहमंत्री अमित शाह द्वारा देशभर के सभी ज़िलों को आवंटित किए गए 112 जनरक्षक वाहनों के तहत प्रारंभिक कार्यक्रम आज शाम छोटाउदेपुर में आयोजित किया गया। ज़िला पुलिस अधीक्षक कार्यालय से शाम 6 बजे इन वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इसके बाद यह वाहन ज़िले के सभी पुलिस स्टेशनों पर भेजे गए। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों ने बताया कि जनरक्षक 112 सेवा नागरिकों की सुरक्षा के लिए एक क्रांतिकारी पहल साबित होगी।

अब कोई भी नागरिक दुर्घटना, अपराध या आपदा जैसी परिस्थिति में सिर्फ 112 नंबर डायल करके मदद प्राप्त कर सकेगा। पुलिस, फायर और एम्बुलेंस जैसी आपात सेवाएँ एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होने से सहायता लोगों तक तेज और प्रभावी तरीके से पहुँच सकेगी। कार्यक्रम में कई पुलिस अधिकारी, स्थानीय प्रतिनिधि तथा प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

कालांवाली पुलिस को मिली बड़ी सफलता, दो युवक 7.29 ग्राम हेरोइन सहित काबू

महिपाल सिंह

हरियाणा: नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए सीआईए स्टाफ कालांवाली ने मोटरसाइकिल सवार दो युवकों को 07.29 ग्राम हेरोइन सहित किया काबू। डबवाली पुलिस के नशा तस्करों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सख्त कार्रवाई करते हुए सीआईए स्टाफ कालांवाली ने दो मोटरसाइकिल सवार युवकों को 07.29 ग्राम हेरोइन चिट्टा सहित काबू करने में कामयाबी हासिल की है। इस मामले के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए प्रभारी सीआईए कालांवाली उप नि. सुरेश कुमार ने बताया कि एसआई रामस्वरूप सिंह अपनी पुलिस पार्टी के साथ गस्त पड़ताल अपराध व नशीले पदार्थों

की रोकथाम के लिए नजदीक पंजाब बस अड्डा कालांवाली मौजूद थे कि एसआई को विश्वसनीय सूत्रों से गुप्त सूचना मिली कि दो दोस्त एक मोटरसाइकिल पर नशा तस्करी का काम करते है और आज भी नशा तस्करी की फिराक में मंडी कालांवाली में आए हुए है, जो सूचना को सही मानकर व साथी कर्मचारियों को सूचना से अवगत करवाकर सूचना के अनुसार बताए स्थान तख्तमल रोड रेलवे फाटक पर नाकाबंदी शुरू की तो थोड़ी देर में उन्हें दो नौजवान लड़के मोटरसाइकिल मार्का स्प्लेंडर प्लस पर सवार होकर आते दिखाई दिये। जो पुलिस पार्टी को देखकर मोटरसाइकिल को पीछे मोड़कर जाने लगे। जो एसआई ने किसी अपराध का अंदेशा होने पर शक की बिनाह पर साथी कर्मचारियों की सहायता से उक्त दोनों लड़कों को काबू करके उनका नाम पता पूछा तो उन्होने अपना नाम नगीना पुत्र राजाराम व गुरतेज उर्फ डठ्ठा पुत्र जगसीर सिंह निवासी मसीतां बताया। जो उन्होंने उक्त दोनों युवकों की मोटरसाइकिल सहित तलाशी ली तो आरोपियों के कब्जे से हेरोइन चिट्टा बरामद होने पर थाना कालांवाली में मादक पदार्थ अधिनियम के तहत अभियोग दर्ज कर कार्रवाई की गई । पकड़े गये आरोपियों नगीना व गुरतेज सिंह उर्फ डठ्ठा को अदालत में पेश कर-के पुलिस रिमांड पर लिया जायेगा और इस नेटवर्क (हेरोइन चिट्टा तस्करी) से जुड़े अन्य लोगों के बारे में नाम पता मालूम कर उनके खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

हजरत सैयद गुलाम समदानी अली कादरी साहब की साहेबजादी की रुख्सती की तकरीब अंजाम

मनोज रॉयशर्मा

वेस्ट बंगाल: डेक्कन के अजीम बुजुर्ग हुजूर सैयदना सरकार याहिया पाशा साहेब किबला रह के नबीरे (पोत्रे) हजरत सैयद गुलाम समदानी अली कादरी साहेब सदर मरकजी अंजुमन ए कादरी वा सीरत उन नबी अकादमी की साहेबजादी की हजरत सैयद अब्दुल जलील कादरी साहब जागीरदार के फरजंद मिउलाना सैयद हसीब अहमद सैफ पाशा साहब के सात तकरीब रुखसती कल शाम किंग क्लासिक कन्वेंशन हॉल गुद्दीमलकापुर में अंजाम पाई। मौलाना अली कादरी साहब की दुख्तर का निकाह मदीना ए पाक हुजूर आका रसूल अल्लाह सवस की बारगाह ए अकदस में अमल में आया था। तकरीब रुखसती में आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, कर्नाटक के अहम सियासासी, इल्मी, मजहबी, खानखाही शख्सियतों के अलावा रिस्तेदार, मुरीदीन मोत्तखिदीन की कसीर तेदाद ने शिर्क। हैदराबाद संसद सदस्य बैरिस्टर असद उद्दीन ओवैसी साहब, अमीर ए जामा ए निजामिया मौलाना मुफ़्ती खलील अहमद साहब, मौलाना सैयद अली अकबर निजामुद्दीन हुसैनी साबरी,

मौलाना रिजवान कुरैशी साहब इमाम मक्का मस्जिद, के अलावा उलेमा व मशायेकीन की कसीर तेदाद शरीक थी। महमानों का इस्तेकबाल हजरत सैयद गुलाम कादर कुतुब हुसैनी कादरी फातेमी साहब, हजरत सैयद अब्दुल खादी कादरी वहीद पाशा कादरी साहब, मौलाना सैयद यूसुफ पाशा साहेब, मौलाना सैयद गुलाम मोहम्मद वासेक हुसैनी इब्राहिम पाशा साहब ने की है।

मगरीवाडा में धूमधाम से संपन्न हुआ सात दिवसीय गणेश महोत्सव, भावुक माहौल में हुआ विसर्जन

अंकित कुमार सुथार

राजस्थान: मंडार के समीपवर्ती गांव मगरीवाडा में श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में मनाया गया सात दिवसीय श्री गणेश चतुर्थी महोत्सव मंगलवार को गणेश विसर्जन के साथ संपन्न हुआ। यह महोत्सव 27 अगस्त से आरंभ होकर 2 सितंबर तक चला, जिसमें गांववासियों ने पूरे उत्साह और भक्ति भाव से भाग लिया। गणपति बप्पा की भव्य शोभायात्रा गांव के प्रमुख मार्गों से निकाली गई। बैंड-बाजे और ढोल-नगाड़ों की मधुर धुन पर श्रद्धालु झूमते-नाचते आगे बढ़ते गए। यह शोभायात्रा गणेश चौक (आम चौराहा) से शुरू होकर बस स्टैंड, रामदेव मंदिर और होली चौक से गुजरती हुई गांव के प्रत्येक कोने तक पहुंची। पूरे गांव में भ्रमण के पश्चात

शोभायात्रा जावल नदी पहुंची, जहां श्रद्धालुओं ने विधिपूर्वक श्री गणेश प्रतिमा का विसर्जन किया। जयकारों से गूंजते वातावरण में "गणपति बप्पा मोरिया, अगले बरस तू जल्दी आ" के उद्घोष से श्रद्धालुओं ने भावुक होकर गणपति बप्पा को विदाई दी। इस अवसर पर गांव के युवा, माताएं-बहनें और गणमान्य बुजुर्ग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर इस आयोजन को सफल बनाया और एकता व सांस्कृतिक चेतना का परिचय दिया।

सिंगाजी ताप विद्युत गृह में गौरवमयी विदाई समारोह किया गया

राधेश्याम गुर्जर

मध्य प्रदेश: सतपुड़ा ताप विद्युत गृह से अपनी सेवा शुरूआत करने वाले सभी कार्मिक अधिवार्षिकी आयु पूर्ण कर अगस्त माह के अंतिम कार्य दिवस पर श्रीसिंगाजी ताप विद्युत गृह दोंगलिया से सेवानिवृत्त हुए। ऐसा सेवानिवृत्त सम्मान समारोह न पहले हुआ और न भविष्य में होगा। सेवानिवृत्त हुए सभी कार्मिकों का पुष्प गुच्छ से स्वागत किया गया। इस अवसर पर नव नियुक्त मुख्य अभियंता ए सी जुनेवाल,अतिरिक्त मुख्य अभियंता सुभाषचंद्र गुप्ता, एस के लिल्लोरे , मुख्य रसायनज्ञ आर एस अलावा , सेवानिवृत्त अतिरिक्त मुख्य अभियंता सिविल संजय पेंडोर , सोमेश उपाध्याय अधीक्षण अभियंता मुख्यालय और स्व सुरक्षा निधी समिती सिंगाजी संकुल के प्रभारी नितीन नामजोशी और विनय तरटे सहित सेवानिवृत्त हुए कार्मिकों के परिवार के सदस्यों के

अनेक अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे। सेवानिवृत्त हुए कार्मिकों को विभाग की ओर से शाल श्रीफल और मिष्ठान भेंट किया गया ।उल्लेखनीय है कि जो स्व सुरक्षा निधी समिती के नियमित सदस्य रहे हैं समिती की ओर से स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।मुख्य अभियंता एस के मालवीय समिती के सदस्य प्रारंभ से रहे हैं सेवानिवृत्त होने के पश्चात समिती सदस्यों को सहयोग राशि प्रदान करती है , श्री मालवीय जी ने वह राशि पुनः समिती को अनुदान स्वरूप देकर सराहनीय योगदान दिया है। इस अवसर पर श्री मालवीय जी ने सभी का आभार प्रकट किया और बताया कि सिंगाजी ताप विद्युत गृह को देश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है ऐसे अनेक कीर्तिमान स्थापित कर मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड को गौरवान्वित करने वाले श्री मालवीय जी को समिती की ओर से अभिनन्दन पत्र से भी सम्मानित किया गया।स्व सुरक्षा निधी समिती के सचिव अम्बादास सूने ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि समिती विगत कई वर्षों से कार्मिकों के हित में कार्य कर रही है। समिती के नियमित सदस्य का आकस्मिक निधन होने पर आश्रित परिवार को तत्काल रूपए 75 हजार का आर्थिक सहयोग प्रदान किया जाता है। आई सी यू में एडमिट होने पर साठ हजार रुपए का आर्थिक सहयोग उपचार के लिए बिना ब्याज के दिया जाता है। जो 12 किश्त में वेतन से कटौती कर समायोजित किया जाता है। इस अवसर पर अनेक सदस्य उपस्थित हुए। परियोजना में अपने कार्य दायित्व के साथ सामाजिक व धार्मिक क्षेत्र में भी अग्रणी रहे एस के मालवीय सिंगाजी ताप विद्युत परियोजना में मुख्य अभियंता रहे एस के मालवीय अपने कार्यों से अमित छाप बन गए उन्होंने सिंगाजी परि योजना बिजली उत्पादन में अग्रणी स्थान के साथ-साथ अपने मधुर व्हार कुशल दायित्व व सामाजिक व धार्मिक कार्यों में भी वह हमेशा अग्रणी रहे जिन्हें जिसे उन्होंने एक अपनी एक अलग क्षेत्र में पहचान बनाई। श्री मालवीय अपने सेवानिवृत्ति के अवसर पर शनिवार को भंडारे का आयोजन भी किया। वही अधिकारियो के द्वारा विदाई समारोह भी उनके लिए आयोजित किया गया। जगदीश चंद्र जूनेवाल सिंगाजी परियोजना नए मुख्य अभियंता एस के लिलोरे जबलपुर स्थानांतरण मुख्य अभियंता एसके मालवीय के सेवानिवृत के बाद अब नए मुख्य अभियंता अतिरिक्त मुख्य अभियंता कोयला (एफएम) जगदीश चंद्र जूनेवाल अब सिंगाजी ताप विद्युत परियोजना के नए मुख्य अभियंता होंगे । बिरसिंहपुर से यहां स्थानांतरण होकर आए जगदीश चंद जूनेवाल अब मुख्य अभियंता का दायित्व संभालगे वही सिंगाजी परियोजना अतिरिक्त मुख्य अभियंता एस के लिलोरे एस ई (एम एम दो) जबलपुर स्थानांतरण किया गया इस अवसर पर अधिकारियों उन्हें बधाई शुभकामनाएं प्रेषित की।

एक नजर

मंडार में निकला ईद मिलादुन्नबी का जुलूस, शांतिपूर्वक सम्पन्न हुआ आयोजन

अंकित कुमार सुथार/राजस्थान: शुक्रवार को मंडार कस्बे में जश्ने ईद मिलादुन्नबी के पावन अवसर पर सुबह 9 बजे मस्जिद परिसर से भव्य जुलूस निकाला गया। यह जुलूस मस्जिद से शुरू होकर हुसैनी चौक, मुख्य बस स्टैंड, हाईवे मार्ग होते हुए पीथापुरा सड़क मार्ग से होकर मदरसा असगरपिया परिसर तक पहुँचा। मस्जिद ए इरम के मौलाना सिद्दीकी अकबरी ने बताया कि इस बार जुलूस हजरत सैयद मोहम्मद अली बावा, डीसा (गुजरात) की सरपरस्ती में रवाना हुआ। जुलूस के दौरान पूरे मार्ग को आकर्षक सजावट से सजाया गया था, और जगह-जगह नात-ए-पाक पढ़ी गई।स्थानीय नागरिकों और धर्मप्रेमियों ने आयोजन में उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रशासन की निगरानी में जुलूस शांतिपूर्वक और सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न हुआ।

विशेष अभियान में 125 वारंटी अभियुक्त गिरफ्तार, ADG मेरठ के निर्देश पर चली कार्रवाई

राकेश कुमार शर्मा/उत्तर प्रदेश: सहारनपुर पुलिस द्वारा श्रीमान अपर पुलिस महानिदेशक मेरठ, जोन मेरठ महोदय के निर्देशन में विशेष अभियान चलाकर कुल 125 ठ.इ.ह/वारण्टी अभियुक्तों को किया गया गिरफ्तार। श्रीमान अपर पुलिस महानिदेशक मेरठ जोन, मेरठ के निर्देशन में वारंटियों की गिरफ्तारी हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जिसके अनुपालन में पुलिस उपमहानिरीक्षक, सहारनपुर परिक्षेत्र, सहारनपुर एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, सहारनपुर व पुलिस अधीक्षक नगर/ग्रामीण एवं समस्त क्षेत्राधिकारीगण के निकट पर्यवेक्षण में तथा जनपद सहारनपुर के समस्त थाना प्रभारियों के कुशल नेतत्व में प्रत्येक थाना पुलिस टीमों द्वारा आज दिनांक 04.09.2025 को वारण्टियों के विरूद्ध विशेष अभियान के तहत ठइह वारंटियों के निवास स्थानों/सम्भावित स्थानों पर दबिश देकर जनपद सहारनपुर से कुल 125 वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। समस्त गिरफ्तार वारंटी अभियुक्तगण के विरुद्ध थानावार अन्य आवश्यक विधिक कार्यवाही कर समय से माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

सोनगढ़ में सात दिवसीय गणपति विसर्जन बड़े उत्साह के साथ मनाया गया

ज्ञानचंदानी विशालकुमार नाटुभाई

गुजरात: तापी जिले के सोनगढ़ तालुका में सात दिवसीय गणपति विसर्जन मनाया गया। गणेश उत्सव का एक महत्वपूर्ण स्थान है। विघ्नहर्ता भगवान गणेश की पूजा घरों, सोसाइटियों और सार्वजनिक पंडालों में भक्तिभाव से की जाती है। विधिवत अभिषेक के बाद उनकी आरती, पूजा, भजन-कीर्तन और प्रसाद का आयोजन किया जाता है। भक्तों का मानना है कि इन सात दिनों के दौरान घर और समाज में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है और सुख, शांति और समृद्धि प्राप्त होती है। सातवें दिन, जब विसर्जन का समय आता है, तो एक भावुक माहौल बन जाता है। ढोल-नगाड़ों, शंखों, नृत्य और गणपति बप्पा मोरिया, पुड़छा वर्षी लवकारिया के जयकारों के साथ गणेश जी को विदाई दी जाती है। भगवान को किसी नदी, सरोवर या कृत्रिम तालाब में औपचारिक रूप से विसर्जित करके अपने गणों से विदा किया जाता है।

अंकुर गोयल को पिस्टल फायर शूटिंग में गोल्ड मेडल जीतने पर किया सम्मानित

घनश्याम दास/उत्तर प्रदेश: एशियन शूटिंग चैंपियनशिप, कजाकिस्तान में 25 मीटर सेंटर पिस्टल फायर शूटिंग में गोल्ड मेडल जीतने पर अंकुर गोयल को उनके निज आवास पर एम एल सी दिनेश गोयल जी द्वारा सम्मानित किया गया। तथा भविष्य में उन्नति के लिए आशीर्वाद भी दिया। अंकुर गोयल ने मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बी टेक किया और कुछ समय ऑटोमोबाइल कंपनी में नौकरी भी की परंतु इंजीनियरिंग में रुचि न होने के कारण उन्होंने शूटिंग में अपना केरियर बनाया, और आज उन्होंने देश को सम्मान दिलाने की खातिर अपने दम पर गोल्ड मेडल जीतकर देश का नाम रोशन कर दिखाया। उनके स्वागत समारोह के इस अवसर पर अंकुर गोयल के माता-पिता व वैश्य समाज के अनेक पदाधिकारी पंकज गर्ग, बृजेश गुप्ता, प्रीतम गोयल, रंजन गुप्ता, आनंद गुप्ता, मंशु गर्ग, अनुज चौधरी आदि उपस्थित रहे।

भटगांव नगर पंचायत में जश्ने ईद मिलादुन्नबी बड़े ही धूमधाम से मनाया गया

प्रभेश मिश्रा

छत्तीसगढ़: इस मौके पर मदरसा अजीजिया गुलशन मदीना से जुलूस निकाला गया। जुलूस में काफी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग शामिल हुए हजरत मोहम्मद पैगंबर साहब के जन्मदिन के अवसर पर यह जुलूस निकाला गया। जुलूस में जगह-जगह लंगर का इंतजाम किया गया था।

यह जुलूस मदरसा अजीजिया गुलशन से होते हुए मेंन रोड से जाकर न्यू माइंस से घूम कर बीएसएनएल टावर तक गई, जिसमें जगह-जगह लोगों ने लंगर का इंतजाम किया था। एवं जुलूस में मौलाना शई द नूरी साहब ने हजरत मोहम्मद साहब के जन्मदिन के संबंध में तकरीर कि

उनके जीवनी के बारे में चर्चा की लोगों को शांति का पैगाम पहुंचा गया ,बताया गया कि कैसे पैगंबर साहब के जन्म के बाद से बेटियों पर हो रहे अत्याचार को खत्म किया गया। उन्हें पहले जिंदा दफना दिया जाता था। उसे पर पूरी तरह से रोक लगाई गई जुलूस पूरी तरह शांति एवं मर्यादित ढंग से पूरे नगर में भ्रमण की मुस्लिम समाज के लोगों ने जगह-जगह लंगर एवं पानी का इंतजाम किया हुआ था।

इस जुलूस को सफल बनाने में अंसारी अंजुमन कमेटी मुख्य भूमिका रही, जिसमें पूर्व सदर हबीब अंसारी अरशद अंसारी पत्रकार मोहम्मद अजहर अंसारी सोहेल मंसूरी इस्लाम अंसारी कमरुद्दीन अंसारी दस्तगीर अंसारी इरफान अंसारी फैयाज अंसारी नियम अंसारी इस्लाम अंसारी छोटे अमन राजा आहिल राजा तस्लीम मंसूरी फिरदौस अंसारी रऊफअंसारी हैदर अंसारी सलीम अंसारी हीरो मिस्टर वर्तमान कमेटी के सदर अब्दुल खान मुन्ना रंगरेज हैदर खान पूर्व सदर एक लाख खान राशिद खान आरिस खान से रु ला खान पेंटर दानिश नदीम सादिक शाहनवाज अंसारी नदीम अंसारी और सभी मुस्लिम समुदाय के लोग शामिल हुए।

सहारनपुर में दस से अधिक बार यातायात नियमों का उल्लघंन करने वाले 288 वाहनों के लाईसेंस हुए निरस्त

घनश्याम दास

उत्तर प्रदेश: यातायात नियमों का उल्लघंन करने वालों तथा जोखिम लेने वालों की सुरक्षा हेतु प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना से कवर करने के दिये निर्देश। बीमा की किस्त लाभार्थी के खाते से ली जायेगी, परिवार को दुर्घटना होने पर मिल सकेगी सुरक्षा। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में निर्देश देते हुए कहा कि हाईवे पर यातायात के नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरूद्व अभियान चलाकार सघन कार्यवाही की जाये, जिन लाईसेंस धारकों के तीन बार चालान कट गये है। उनके लाईसेंस निलम्बन की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए, जिन लाईसेंस धारकों के 10 से अधिक चालान है। उनके लाईसेंस निलम्बन की कार्यवाही की जाए। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने नगर निगम को

निर्देश देते हुए कहा कि मुख्य चौराहा जैसे घण्टाघर पर स्मार्ट सिटी द्वारा लगाये गये पी. ए. सिस्टम के माध्यम से 50 मीटर की परिधी के अन्दर खडे वाहनों के तत्काल हटाने हेतु अनाउसमेंट किया जाए। उन्होंने कहा कि समस्त मार्ग में सम्बन्धित विभागों को वर्षा ऋतु में क्षतिग्रस्त हुए मार्गो को वर्षा समाप्त होते ही प्राथमिकता के आधार पर मार्गो की मरम्मत करायी जाए। मनीष बंसल ने संबंधित विभाग को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना एवं प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के बारे में प्रचार प्रसार बढाते हुए अभियान चलाकार पंजीकरण कराये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने सम्बन्धित बैंक के अधिकारी एवं ट्रैफिक चैक पॉइन्ट पर उपस्थित अधिकारियों द्वारा मौके पर ही बीमा कराये जाने के निर्देश दिये। उन्होने कहा कि मार्गो के किनारे खडे होने वाले वाहनों के विरूद्व अभियान चलाकर प्रर्वतन की कार्यवाही की जाए।

प्रतापपुर में शासकीय उचित मूल्य दुकान संचालकों की मासिक समीक्षा बैठक संपन्न

प्रभेश मिश्रा

छत्तीसगढ़: एसडीएम प्रतापपुर श्रीमती ललिता भगत की अध्यक्षता और खाद्य निरीक्षक शशि कुमार जायसवाल की उपस्थिति में विकासखंड प्रतापपुर के शासकीय उचित मूल्य दुकान संचालकों का जनपद सभा कक्ष प्रतापपुर में मासिक समीक्षा आयोजन किया गया। मासिक समीक्षा बैठक में दुकानवार ईकेवाईसी का समीक्षा किया गया और इस माह में वितरण के साथ ईकेवाईसी का कार्य पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया। इसके साथ ही दुकानवार बारदाना जमा करने की समीक्षा करते हुए आगामी माह में धान खरीदी हेतु शत प्रतिशत बारदाना ट्रांसपोर्टर के माध्यम से डीएमओ में जमा करने हेतु निर्देशित किया गया। इसके अतिरिक्त खाद्यान्न भंडारण, वितरण, टीसी प्राप्ति, पंजी संधारण एवं मूलभूत जानकारी प्रदर्शन हेतु दुकान संचालकों को निर्देशित किया गया। मासिक समीक्षा में अनुपस्थित दुकान संचालकों को कारण बताओ नोटिस जारी करने हेतु निर्देशित किया गया है।

गाड़ी से 2 लाख रुपये चोरी करने वाले दो शातिर चोर गिरफ्तार, रकम बरामद

राकेश कुमार शर्मा

उत्तर प्रदेश: थाना सदर बाजार पुलिस द्वारा गाडी से रुपए चोरी करने वाले 02 शातिर अभियुक्त गिरफ्तार। कब्जे से चोरी किये गये 2,00,000/-रुपए बरामद 01.09.2025 को वादी श्री सुरज कुमार पुत्र नीरज कुमार निवासी दलबीर नगर कुटानी रोड पानीपत हरियाणा द्वारा अज्ञात चोर द्वारा वादी की गाडी से 02 लाख रुपये चोरी कर लेने के सम्बन्ध में थाना सदर बाजार पर मु0अ0स0 437/25 धारा 305(ए) बी0एन0एस0 बनाम अज्ञात पंजीकृत किया गया था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, सहारनपुर द्वारा तत्काल घटना का संज्ञान लेकर अभियुक्त की शीघ्र गिरफ्तारी व बरामदगी हेतु आदेश-निर्देश दिये गये थे। आदेश के अनुपालन में पुलिस अधीक्षक नगर

व क्षेत्राधिकारी नगर द्वितीय के निकट पर्यवेक्षण मे तथा प्रभारी निरीक्षक श्री कपिल देव के कुशल नेतृत्व में आज दिनांक 04.09.2025 को मुखबिर की सूचना पर थाना सदर बाजार पुलिस टीम द्वारा मुकदमा उपरोक्त में त्वरित कार्यवाही करते हुए चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए 02 शातिर/अभियुक्त 1.मारूफ पुत्र मुर्तजा निवासी ग्राम सिरसली थाना बडगांव जनपद सहारनपुर 2.महताब पुत्र फतू निवासी ग्राम खजूरवाला थाना नागल जनपद सहारनपुर को न्यू पैरामउंट कालोनी के गेट नम्बर03 के पास से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त गण के कब्जे से गाडी से चोरी किये गये 2,00,000/- रुपए बरामद हुए। बरामदगी के आधार पर मुकदमा उपरोक्त में धारा 317(2) बीएनएस वृद्धि की गयी। अभियुक्तगण के विरुद्ध अन्य आवश्यक विधिक कार्यवाही कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। अभियुक्तगण ने पूछताछ बताया कि हम लोग रात्रि में चोरी करने के इरादे से सड़को के किनारे खड़ी गाड़ियों के आस पास घुमते रहते है। मौका मिलने पर चोरी कर लेते है। 02 दिन पहले हम दोनो ने मिलकर रात्रि में दिल्ली रोड से मवीकलां के पास आईसर कैन्टर गाड़ी से यह रुपए चोरी कर लिये थे और पुलिस से बचने के लिए यह चोरी किये 02 लाख रुपए हमने पैरामाउन्ट कालोनी के पीछे खाली स्थान पर छुपा दिये थे। और आज हम दोनो बराबर बराबर नोटो को बाँटकर शहर की तरफ की जा रहे थे।

एक नजर

सुम्मेरा तालाब पर जल विहार पर्व के बाद भी लाइटिंग व्यवस्था जारी

प्रवीण कुमार जैन/उत्तर प्रदेश: जल विहार (डोल ग्यारस) पर्व के अवसर पर उप जिलाधिकारी सदर एवं प्रशासक नगर पालिका परिषद, मनीष कुमार के निर्देशन में सुम्मेरा तालाब को आकर्षक रूप से सजाया गया। पालिका द्वारा लाइटिंग व्यवस्था सहित समस्त घाटों का सौंदर्यीकरण कर तालाब को मनमोहक रूप प्रदान किया गया। पर्व के उपरांत भी आज दिनांक 04 सितंबर 2025 को सुम्मेरा तालाब पर लाइटिंग व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। श्रद्धालु एवं नागरिक तालाब पर जाकर इस सुंदर दृश्य का आनंद ले सकते हैं।

डबवाली पुलिस ने 5 साल से फरार बेल जम्पर महिला आरोपी को पंजाब से किया गिरफ्तार

महिपाल सिंह/हरियाणा: पी.ओ. स्टाफ ने एनडीपीएस एक्ट के 05 साल पुराने मामले में बैल जम्पर महिला आरोपी को पंजाब से किया काबू डबवाली 03 सितम्बर। डबवाली पुलिस द्वारा विभिन्न मामलों में वांछित भगौड़ों/बेल जम्परों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कार्यवाही करते हुए

पी.ओ.स्टाफ ने साइबर सेल की सहायता से एनडीपीएस एक्ट के 05 साल पुराने मामले में बेल जंपर महिला आरोपी को काबू करने में सफलता हासिल की है। इस संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए प्रभारी पी.ओ.स्टाफ इंस्पेक्टर रणधीर सिंह ने बताया कि सूचना के आधार पर एक बेल जंपर महिला आरोपी निवासी डूमवाली जिला बठिंडा पंजाब को पंजाब से काबू किया गया है । आरोपी महिला अभियोग न. 134/2020 धारा 21 एनडीपीएस एक्ट थाना शहर डबवाली में बेल जम्पर घोषित थी । महिला आरोपी को अदालत में पेश कर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

सीएम योगी गीडा में 2251 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास करेंगे

कमलेश शर्मा/उत्तर प्रदेश: जनपद गोरखपुर के गीडा क्षेत्र में रू 2251करोड़ की विकाश परियोजनाओं के लोकार्पण/शिलान्यास व गीडा आवासीय योजनाओं एवं औद्योगिक योजनाओं के भूखंडों के आवंटन पत्र वितरण हेतु आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए मुख्यमंत्री 3 दिवसीय यात्रा पर गोरखपुर आए है। आज 4सितम्बर को गीडा में आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित होगे। गोरखपुर के गीडा के सेक्टर 27व 28 में आयोजित कार्यक्रम में 2251 करोड़ के विकाश परियोजनाओं की सौगात देंगे। कोका के बॉटलिंग प्लांट का करेंगे शिलान्यास, 3 औद्योगिक इकाईयों का लोकार्पण करेंगे।

एक प्रेमी ने वीडियो बनाकर की आत्महत्या

राजपूत रणजीत/गुजरात: 'मैं वीडियो इसलिए बना रहा हूं ताकि कोई तुम्हें परेशान न करे, मैं तुम्हारे बिना जिंदगी नहीं जी सकता'; राजकोट में प्रेमी ने की आत्महत्या। तुमने मेरे माता-पिता का 24 साल का प्यार एक साल में छीन लिया': 'मैं वीडियो इसलिए बनाती हूं ताकि कोई तुम्हें परेशान न करे, मैं तुम्हारे बिना जिंदगी नहीं जी सकती'; राजकोट में प्रेमी ने की आत्महत्या।

राजकोट शहर में 2 सितंबर को एक ऐसी घटना सामने आई है जहां एक युवक ने प्रेम प्रसंग में धोखा मिलने के बाद फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। शहर के हुडको पुलिस चौकी के पास रहने वाले संजय राठौड़ (उम्र 24) नाम के युवक ने आत्महत्या से पहले एक वीडियो बनाया।

यातायात पुलिस व थाना कालांवाली की तत्परता व बहादुरी ने किया लूट की वारदात को नाकाम

महिपाल सिंह

हरियाणा: पिता-पुत्र पर हमला कर एक लाख रुपये लूट कर भागे मोटरसाइकिल सवार दो युवकों को लूटी गई राशि, मोटरसाइकिल व लकड़ी डंडा सहित किया काबू। डबवाली 04 सितम्बर। क्षेत्र में अपराधियों पर डबवाली पुलिस का शिकंजा लगातार कसता जा रहा है। जहां यातायात पुलिस व थाना कालांवाली जहां आमजन को सुरक्षा प्रदान करते हुए आमजन से मैत्रीपूर्ण व्यवहार कर रही है । सात ही नशा तस्करी व अन्य अपराधों में संलिप्त आरोपियों पर भी कड़ा एक्शन ले रही है । इसी तरह तत्परता और बहादुरी की मिसाल पेश करते हुए यातायात पुलिस व थाना कालांवाली पुलिस ने एक लाख रुपये की लूट की वारदात को नाकाम करते हुए दो मोटरसाइकिल सवार युवकों को काबू कर लूटी गई राशि सहित वारदात में प्रयोग शुदा मोटरसाइकिल व लकड़ी डंडा

बरामद करने में सफलता हासिल की है। काबू किए गए आरोपियों की पहचान सुरजीत सिंह पुत्र बलदेव सिंह निवासी असीर व हर्श उर्फ अर्शी पुत्र सुखदेव सिंह जंगीर सिंह कॉलोनी मंडी कालांवाली के रूप में हुई है। मामले के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए प्रभारी थाना कालांवाली पीएसआई सुनील कुमार ने बताया कि दिनांक 03.09.2025 को थाना में प्राप्त शिकायत में शिकायतकर्ता हरमेल सिंह पुत्र गुरनाम सिंह निवासी तख्तमल ने बताया कि वह अपने पिता के साथ गुरनाम सिंह के साथ एचडीएफसी बैंक कालांवाली से अपने बेटे के इलाज के लिए पैसे निकलवाने के लिए आए थे। जो वे पैसे निकाल कर रेलवे फाटक मंडी कालांवाली की तरफ जा रहे थे तो कुछ नौजवान लड़के पीछे से आए और डंडों से मारपीट करते हुए उसके पिता के हाथ से लिफाफे में बंद एक लाख रुपये लेकर भागने की कोशिश करने लगे। जो वहीं नाका पर तैनात यातायात पुलिस के जवानों ने एक युवक को वहीं धर दबोच लिया व उन्होने मोटरसाइकिल लेकर भागे दूसरे युवक को भी तत्परता दिखाते हुए काबू कर लिया और उनके कब्जे से लूटी गई राशि एक लाख रुपये व मोटरसाइकिल मार्का स्पलेंडर प्लस भी बरामद कर लिया गया । जो आरोपियों को आज अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड पर लेकर रिमांड के दौरान पूछताछ कर मामले की गहनता से जांच की जाएगी।

सिहाली कलां में भव्य कलश यात्रा, उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब

जयबीर सिंह

उत्तर प्रदेश: धार्मिक उत्साह और आस्था का अद्भुत संगम उस समय देखने को मिला जब श्री श्री 1008 श्री कुंदन दास जी महाराज सिहाली कलां धाम एवं श्री ऋषि दास जी महाराज के सानिध्य में शुक्रवार को राधा कृष्ण मंदिर से एक भव्य कलश यात्रा का शुभारंभ हुआ। श्री जगतगुरु स्वामी बालकादेवाचार्य जी महाराज ने हरी झंडी दिखाकर यात्रा का आगाज किया।

इस कलश यात्रा में सैकड़ों महिलाएं सिर पर कलश धारण कर पारंपरिक वेशभूषा में शामिल हुईं। पूरे गांव में भक्ति गीतों, जयकारों और ढोल-नगाड़ों की गूंज से वातावरण धर्ममय हो गया। कलश यात्रा में अनेक संत महात्माओं ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इनमें रैनागिरी धाम से जगत गुरु स्वामी बालकादेवाचार्य जी, शेरपुर से महंत अशोक कौशिक जी, महंत कालूदास जी महाराज एवं महंत कृष्ण दास जी महाराज विशेष रूप से शामिल हुए। यात्रा गांव की गलियों एवं मुख्य मार्गो से होते हुए

मंदिर परिसर में पहुंची, जहां भक्ति संकीर्तन और धार्मिक अनुष्ठानों के साथ इसका समापन हुआ। कलश यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा और सभी ने इस ऐतिहासिक धार्मिक आयोजन में भाग लेकर पुण्य लाभ अर्जित किया।

सहारनपुर शाकुंभरी देवी धाम के लिए पद यात्रियों को धूमधाम व हर्षोल्लास से किया रवाना

घनश्याम दास

उत्तर प्रदेश: तहसील रामपुर मनिहारान गुर्जर चौपाल वार्ड नम्बर तीन मौहल्ला इकराम में शाकुंभरी देवी धाम पदयात्रा के कार्यक्रम का आयोजन श्री महाकाली ग्रुप के सौजन्य से किया गया। जिसमें श्रद्धालुओं के साथ नगर के गणमान्य लोगों ने भी श्रद्धापूर्वक भाग लेकर कार्यक्रम को सराहनीय सहयोग प्रदान किया।

रामपुर मनिहारान के वार्ड नम्बर 3 मौहल्ला इकराम स्थित गुर्जर चौपाल से गत वर्षों की भाँति इस वर्ष भी दिन बुधवार 3 सितम्बर को शाकुंभरी देवी धाम पदयात्रा का आयोजन बड़ी धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। मौसम की खराबी तथा भारी बारिश के चलते हुए भी देवी मां के भक्तों ने अपनी वचनबद्धता और समय का सदुपयोग कर अपनी धार्मिक

आस्था व निष्ठा का परिचय दिया। कार्यक्रम में देवी मां के दरबार का उद्घाटन नगर पंचायत चैयरमैन माननीया रेनु बालियान प्रतिनिधि कुलदीप बालियान,नगर पंचायत सभासद वार्ड नम्बर 3 नितिन पंवार उर्फ काला,पूर्व चैयरमैन प्रत्याशी डॉक्टर किरण पाल,चौधरी तेजपाल सिंह व पूर्व ब्लॉक प्रमुख नक्षत्र पंवार रामपुर मनिहारान ने संयुक्त रूप से किया और धूमधाम से ढोल ताशों व मंजीरों की अनोखी ताल पर शाकुंभरी देवी धाम तक पैदल यात्रा करने वाले अनेकों श्रद्धालुओं को यात्रा के लिए प्रस्थान कराया,यात्रा पर चलते हुए यात्रियों ने मैन बाजार में सभी दुकानदारों को माता रानी का प्रसाद वितरित किया, प्रस्थान के इस शुभ अवसर पर सैंकड़ों श्रद्धालुओं की भीड़ उपस्थित रही।

राधा अष्टमी और गणेश उत्सव पर सोनगढ़ में 'श्री शिवाय सेवा' का शुभारंभ

ज्ञानचंदानी विशालकुमार नाटुभाई

उत्तर प्रदेश: राधा अष्टमी और गणेश उत्सव के पावन अवसर पर तापी जिले के सोनगढ़ के साई टाउनशिप में यकीन देसले परिवार द्वारा "श्री शिवाय सेवा" का शुभारंभ किया गया। इस संबंध में हमारे प्रतिनिधि ने यकीन देसले से संपर्क किया और इस सेवा के उद्देश्य के बारे में जानने की कोशिश की। यकीन देसले ने बताया कि हमारा परिवार वर्षों से आर्ट ऑफ लिविंग से जुड़ा हुआ है और मेरी माँ संजीवनीबेन देसले और पिता विश्वास देसले की ऐसी ही एक स्थायी सेवा शुरू करने की इच्छा थी और इसी के अनुरूप मैंने अपने भतीजे शिवाय के नाम पर यह सेवा शुरू की है। इस सेवा के माध्यम से शुरूआत में हर महीने के आखिरी रविवार को गरीब और

जरूरतमंद लोगों को भोजन उपलब्ध कराया जाएगा, जिसके बाद चार-पाँच महीनों तक हर रविवार को यह सेवा करने का निर्णय लिया गया है। यह मेरे परिवार की ओर से ऐसी सेवा के माध्यम से भूखों को भोजन प्रदान करके उनकी आत्मा को तृप्त करने का एक प्रयास मात्र है।गुरुदेव ऐसी सेवाएँ शुरू करने पर जोर देते रहे हैं, इसलिए हमने यह सेवा शुरू की है। चूँकि गणपति उत्सव चल रहा है और आज राधा अष्टमी है, इसलिए हमने आज साईं टाउनशिप में लगभग 70 बच्चों को भोजन कराकर इस सेवा की शुरूआत की है और आने वाले समय में यह सेवा निरंतर जारी रहेगी।

सम्पादकीय

'मां' बनेगा चुनावी मुद्दा?

2007 में गुजरात विधानसभा चुनाव होने थे। 2002 के गोधरा कांड और सांप्रदायिक दंगों के लहूलुहान वाला दौर सतही तौर पर शांत हो चुका था। नरेंद्र मोदी राज्य के मुख्यमंत्री थे। उन पर दंगों और हत्याकांड के परोक्ष आरोप थे और विभिन्न आयोग जांच कर रहे थे। योगेंद्र यादव सरीखे प्रख्यात चुनाव पंडित ने भाजपा की पराजय के विश्लेषण किए थे। उस दौर में मोदी को ह्यमौत का सौदागरह्न बोल दिया गया। उनके लिए ह्यजहर की खेतीह्न सरीखे शब्द भी कहे गए। उन पर ह्यखून की दलालीह्न जैसे शब्द भी चस्पां किए गए। मुख्यमंत्री मोदी ने उन अपशब्दों को 5-6 करोड़ गुजरातियों के अपमान से जोड़ दिया। शेष मुद्दे नेपथ्य में चले गए। गुजरातियों का मान-सम्मान चुनावी मुद्दा बन गया। भाजपा को शानदार जनादेश हासिल हुआ। उसी तरह बिहार में भी चुनावी हवा बदल न जाए, हमें आशंका होती है। बिहार में राजद-कांग्रेस-वामदल की ह्यवोटर अधिकार यात्राह्न समाप्त हुई और प्रधानमंत्री मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अपनी दिवंगत मां को दी गई गाली का मुद्दा उठा दिया। बेशक विपक्ष के मंच से प्रधानमंत्री की मां को गाली दी गई थी। वाकई गाली, अपशब्द नहीं, भद्दी गाली दी गई थी, जिसे नैतिकता और मयार्दा के मद्देनजर हम लिख भी नहीं सकते।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा-मेरी 100 वर्षीय मां अब इस दुनिया में नहीं है। वह मुझे छोड़ कर जा चुकी है। मां का राजनीति से कोई लेना-देना नहीं था। मां ने गरीबी के बीच ही हमें पाला-पोसा और मां भारती की सेवा के संस्कार दिए। उस मां को भद्दी-भद्दी गालियां दी गईं। यह बिहार ही नहीं, देश की करोड़ों माताओं, बहनों, बेटियों का अपमान है। भले ही मैं व्यक्तिगत रूप से गाली देने वालों को माफ कर दूं, लेकिन छठ मैया को पूजने वाले बिहार के लोग उन्हें क्षमा नहीं करेंगे। यकीनन प्रधानमंत्री के कथन के भाव यही थे, कुछ शब्दों का अंतर हो सकता है। किसी की भी मां को गाली देना पाप है, अक्षम्य अपराध है और उसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। प्रधानमंत्री का मानना सही है कि मां का स्थान देवी-देवताओं से भी ऊपर है। वह जननी है। हमने ईश्वर को तो नहीं देखा, लेकिन ईश्वर के प्राणियों की जननी को देखा है, लिहाजा मां में ईश्वर का प्रतिरूप अनुभव किया जा सकता है। विडंबना यह है कि विपक्ष के प्रवक्ता और कुछ छुटभैया नेता गाली को भी न्यायोचित करार देने में जुटे हैं। यह राजनीतिक कुंठा और हताशा है। कुछ हद तक नफरत भी है।

हालांकि लोकतंत्र में ऐसे भाव की राजनीति की कोई गुंजाइश नहीं है। कमोबेश ऐसी सोच पर निर्णायक जनादेश नहीं मिला करते। हम स्वीकार करते हैं कि प्रधानमंत्री बनने से पहले मोदी ने भी 2014 के चुनाव में जर्सी गाय, 50 करोड़ की गर्लफ्रेंड, कांग्रेस की विधवा आदि अपशब्दों का प्रयोग किया था। हालांकि ये प्रतीकात्मक शब्द थे। प्रत्यक्ष रूप से गलीनुमा गाली नहीं दी गई थी। मोदी इन अपशब्दों से भी बचे और बाद के चुनावों में इन्हें नहीं दोहराया। विशेषण, रूपक और भद्दी गाली में आकाश-पाताल का अंतर होता है। अब प्रधानमंत्री की मां को गाली देने की, मयार्दा के पतन की पराकाष्ठा छू लेने की भद्दी कोशिश की गई है। यही नहीं, देश के निर्वाचित प्रधानमंत्री को भी 100 से अधिक गालियां दी जा चुकी हैं। हम कई बार वे विश्लेषण कर चुके हैं। सवाल है कि क्या इसे भी लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की आजादी माना जाए? प्रधानमंत्री ने अपने चुनाव अभियानों में इन गालियों को भी मुद्दा बनाया और लोगों ने निर्णायक जनादेश दिए।

'नेताओं को सब, कर्मचारियों को कब?

-डॉ. सत्यवान सौरभ-

भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में जनता सर्वोपरि मानी जाती है। संविधान में समानता, न्याय और समान अवसर की बात कही गई है। लेकिन जब बात नेताओं और आम जनता की सुविधाओं की आती है तो तस्वीर बिल्कुल उलट दिखती है। जिस देश में करोड़ों लोग बुढ़ापे की लाठी के तौर पर केवल एक मामूली सी पेंशन पर निर्भर हैं, वहां नेताओं के लिए पेंशन और सुविधाओं की भरमार है। सवाल उठता है कि आखिर लोकतंत्र में यह असमानता क्यों?

बार-बार पेंशन, सुविधा पर सुविधा, यात्रा भत्ता, सुरक्षा, मेडिकल, स्टाफ और आवास-सब फ्री। दूसरी ओर, कर्मचारी चाहे 35-40 साल तक ईमानदारी से काम करे, रिटायरमेंट के बाद पेंशन का इंतजार करता है और अक्सर अदालतों व आंदोलन का सहारा लेना पड़ता है।

मान लीजिए एक आम कर्मचारी 35 साल नौकरी करता है। सेवा पूरी होने के बाद उसे मुश्किल से इतनी पेंशन मिलती है कि घर का राशन-पानी चल सके। महँगाई, दवाइयों और बच्चों की ज़िम्मेदारी के बीच वह पेंशन अपर्याप्त साबित होती है। अब जरा नेताओं का हाल देखिए-उपराष्ट्रपति की पेंशन ?2.25 लाख मासिक, सांसद की पेंशन ?27, 500 मासिक और विधायक की पेंशन ?42, 000 मासिक। यानी एक ही व्यक्ति अगर अलग-अलग पदों पर रहा है तो उसे तीन-तीन पेंशन मिलेगी। और यह यहीं नहीं रुकती। उसे जीवनभर सरकारी गाड़ी, स्टाफ, सुरक्षा, हवाई और रेल यात्रा पर छूट, मेडिकल का पूरा खर्च और न जाने क्या-क्या मुफ्त मिलता रहता है।

कर्मचारी वर्ग को देखिए-महँगाई राहत का हिसाब सालों तक लटकता है, पेंशन रिवीजन की माँग दशकों तक पूरी नहीं होती। दो-दो वेतन आयोग आ चुके हैं, फिर भी पेंशन सुधार की फाइल धूल खा रही है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि विधायक या सांसद एक दिन के लिए भी सदन में बैठ जाए तो उसकी पेंशन पक्की। वहीं एक सरकारी कर्मचारी अगर एक दिन कम सेवा पूरी करता है तो उसकी पेंशन ही कट सकती है। संविधान की यही विसंगति नेताओं को 'सुपर क्लास' बना देती है। जनता टैक्स चुकाती है, सरकारी खजाना भरती है, और उसी पैसे से नेताओं की आलीशान रिटायरमेंट ज़िंदगी चलती है।

अगर हम नैतिकता की बात करें तो किसी भी संवैधानिक पद या जनप्रतिनिधि को एक ही पेंशन मिलनी चाहिए। पूर्व उपराष्ट्रपति, पूर्व प्रधानमंत्री, पूर्व मुख्यमंत्री या पूर्व सांसद-सबको एक पेंशन। लेकिन आज हालत यह है कि वही नेता कई पेंशन ले रहा है और आम जनता एक पेंशन के लिए तरस रही है। नैतिक दृष्टि से देखें तो जब आम आदमी को एक ही पेंशन पर जीवन बिताना पड़ता है तो नेताओं को क्यों विशेषाधिकार मिले? यह सीधी-सीधी असमानता है और लोकतंत्र की आत्मा के खिलाफ है।

वास्तविकता यह है कि यह मुद्दा केवल पेंशन का नहीं, बल्कि राजनीति की लूट का है। नेता जानते हैं कि जनता स्मृति-विलोप की शिकार है। जनता को आज गुस्सा आता है लेकिन कल भूल जाती है। इसी भूलने की आदत पर भरोसा करके नेता कभी अपने भत्ते बढ़ाते हैं, कभी सुविधाएँ जोड़ते हैं और कभी पेंशन के नए नियम बना लेते हैं। दूसरी तरफ, कर्मचारियों और पेंशनरों को हर सुविधा के लिए संघर्ष करना पड़ता है। धरना, प्रदर्शन, ज्ञापन और याचिका-फिर भी सुनवाई नहीं होती।

लोकतंत्र में नेता जनता के सेवक माने जाते हैं। लेकिन आज की सच्चाई यह है कि नेता सेवक कम और शासक ज्यादा बन गए हैं। उन्हें अपने लिए हर सुविधा चाहिए, चाहे जनता पर कितना भी बोझ क्यों न पड़े। जनता टैक्स देती है इस उम्मीद में कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और आधारभूत ढाँचे में सुधार होगा। लेकिन टैक्स का बड़ा हिस्सा नेताओं की पेंशन और सुविधाओं पर खर्च हो रहा है। इस स्थिति को बदलने के लिए जरूरी है कि एक पद, एक पेंशन का नियम लागू हो। जिस तरह सैनिकों और कर्मचारियों पर यह नियम लागू है, उसी तरह नेताओं पर भी होना चाहिए। किसी भी पदाधिकारी की पेंशन एक निश्चित सीमा से अधिक न हो। रिटायरमेंट के बाद हवाई यात्रा, मेडिकल, गाड़ी और स्टाफ जैसी मुफ्त सुविधाएँ बंद की जाएँ। जनप्रतिनिधियों की पेंशन की समीक्षा संसद और विधानसभाओं के बाहर एक स्वतंत्र आयोग से हो। सबसे अहम बात यह कि जनता को जागरूक किया जाए ताकि यह मुद्दा हर चुनाव में उठे और राजनीतिक दलों को इसे अपने घोषणा पत्र में शामिल करना पड़े। भारत में पेंशन का यह दोहरा मानदंड लोकतंत्र की आत्मा को आहत करता है। एक ओर जनता और कर्मचारी वर्ग अपनी बुढ़ापे की सुरक्षा के लिए संघर्षरत हैं, वहीं नेता टैक्स के पैसों पर ऐश कर रहे हैं।

पूरी दुनिया के लिए रहनुमा बनकर आए मोहम्मद साहब

-मुस्ताअली बोहरा-

> पैगम्बर साहब से पहले अब्राहम, आदम, जीसस, मोसेस और दूसरे नबियो ने भी यही संदेश दिया था कि ईश्वर केवल एक है। नबी साहब के बताए आदर्शों, नसीहत और सीख के बाद इंसान, इंसान से मोहब्बत करने लग गया था। जुल्मो-सितम से लोगों को राहत मिली, जो लोग लूट मार कर रहे थे वो तालीम हासिल करने में लग गए। यह वही ह्यमोहम्मदह्न थे जिन्होंने इंसान को दुनियावी और दीनी तालीम देते हुए हक के रास्ते पर चलने की नसीहत दी। औरतों को उनका पूरा हक देने, उनके साथ सम्मानजनक बर्ताव करने की हिदायत दी।

इस्लाम धर्म के संस्थापक हजरत पैगंबर मोहम्मद साहब की विलादत को पूरी दुनिया में जश्न की तरह मनाया जाता है, इसलिए इसे ईद-ए-मिलादुन्नबी भी कहा जाता है। मोहम्मद साहब वही नबी थे, जिनके आने के पहले पूरे अरब में हिंसा और जहालत फैली हुई थी। औरतें और बच्चे महफूज नहीं थे। लोगों के जान-माल की लूट खसोट मची हुई थी। हर कबीले का अपना कानून था, ईसाईयों और यहूदियों के कबीलों में भी मजहब की नाम पर हिंसा फैली हुई थी। बाप अपनी बच्ची को उसकी हिफाजत के डर से जिंदा जला देते थे। औरत नुमाइश, भोग-विलास की वस्तु थी। नाहक तौर पर अरब कबीले एक-दूसरे से जंग करते थे। ऐसे दौर में मोहम्मद साहब ने लोगों को सहीं रास्ता बताया। समाज में फैली कुरीतियों, जातिगत भेद-भाव, बदइंतजामी, मार-काट के दौर से दुनिया को बाहर निकालने के लिए मोहम्मद साहब का जन्म हुआ। दुनिया को इंसानियत का रास्ता दिखाने के लिए अल्लाह ने हजरत मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम को पैगंबर बनाया। मोहम्मद साहब ने लोगों को बताया कि अल्लाह एक है। पैगम्बर साहब से पहले अब्राहम, आदम, जीसस, मोसेस और दूसरे नबियो ने भी यही संदेश दिया था कि ईश्वर केवल एक है। नबी साहब के बताए आदर्शों, नसीहत और सीख के बाद इंसान, इंसान से मोहब्बत करने लग गया था। जुल्मो-सितम से लोगों को राहत मिली, जो लोग लूट मार कर रहे थे वो तालीम हासिल करने में लग गए। यह वही मोहम्मद थे जिन्होंने इंसान को दुनियावी और दीनी तालीम देते हुए हक के रास्ते पर चलने की नसीहत दी। औरतों को उनका पूरा हक देने, उनके साथ सम्मानजनक बर्ताव करने की हिदायत दी। मोहम्मद साहब के कहना था कि बेटी तो किस्मत वालों के यहां पैदा होती है। इसी तरह आपने बेटे-बेटी की बीच भेदभाव को गलत करार दिया। आपने मां-बाप का मर्तबा बताया और बच्चों को मां-बाप की नाफरमानी न करने की नसीहत दी। उन्होंने ऐसे आदर्श समाज की स्थापना की जिसमें कई कबीलों और जातियों के लोग बिना किसी भेदभाव के समान अधिकारों के साथ रह सकें। मोहम्मद साहब को अब्द, बशीर, शाहिद, मुबारशीर, नाथिर, सिराज मुनीर, अल मुजम्मिल और अहमद के नाम से भी जाना जाता है। अरब के लोग उन्हें अल-अमीन और अल-सादिक के नाम से भी पुकारते थे। पैगंबर हजरत मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहे वसल्लम ने ही इस्लाम धर्म की स्थापना की है। आप हजरत सल्ल. इस्लाम के आखिरी नबी हैं, आपके बाद अब कयामत तक कोई नबी नहीं आने वाला।

इस्लामिक कैलेंडर के मुताबिक 570 ईसवीं में 12 रबीउल अव्वल मोहम्मद की पैदाइश का दिन। अपने पिता अब्दुल्लाह के इस दुनिया से रुखसत हो जाने के बाद जन्मे इस मासूम बच्चे के बारे में किसने सोचा की थी कि यह अरब सभ्यता की दशा और दिशा बदलने के साथ ही दुनिया को नेक राह पर चलने की हिदायत देने वाला देवदूत होगा। आपके दादा अब्दुल मुत्तलिब आपकी पैदाइश के दिन ही आपको खाना-ए-काबा ले गए और तवाफ कराकर लाए और आपका नाम मुहम्मद रखा। आपकी वालिदा को ख्वाब में फरिश्ते ने आपका नाम अहमद बताया और इस तरह आपके दो नाम रखे गए। नबी साहब के ये दोनों ही नाम असली है। पैगंबर मोहम्मद साहब का नाम दुनिया में सबसे लोकप्रिय नामों में से एक है।

मोहम्मद साहब अपने खाली वक्त में वह जबल अल-नूर पर्वत पर गार-ए-हिरा में जाकर इबादत में मशगूल हो जाते थे। उनके पास ना तो कोई दौलत थी और न सरमाया। ना सोने-चांदी, हीरे-जवाहरात के ढेर। फिक्रो-फाका, गरीबी और तंगहाली को देख कर कर्म विरोधी लोग अक्सर कहते थे कि ये कैसा नबी है जो रहता है टूटे हुए हुजरे में, बैठता है खजूर की चटाई पर, पहनता है फटी हुई चादर और दावा करता है सारे कायनात के नबी होने का। लेकिन ये वही नबी थे जिनके वादे को ईमाम हुसैन ने कर्बला में अपनी शहादत देकर पूरा किया और इंसानियत को ताकयामत के लिए बचा लिया।

मोहम्मद साहब का पूरा जीवन और उनके किए हर काम में कोई न कोई संदेश जरूर छिपा होता था। मसलन, हजरत खदीजा से मोहम्मद साहब की शादी। 25 साल की आयु में आपने 40 साल की विधवा से शादी की। उनके इस फैसले में विधवा विवाह का सामाजिक संदेश छिपा हुआ था। मक्का के बाहर एक पहाड़ पर सन-610 में ईश्वरी संदेश या वही के जरिए उन्हें नुबुवत मिली अर्थात पैगंबर बनाए जाने का संदेश मिला। उस वक्त आप 40 साल के थे। हजरत मोहम्मद साहब पर जो अल्लाह की पवित्र किताब उतारी गई है, वह है कुरआन। अल्लाह ने फरिश्तों के सरदार जिब्राइल अलै. के मार्फत पवित्र संदेश (वही) सुनाया। उस संदेश को ही कुरआन में संजोया गया है। कुरान इस्लाम का धार्मिक ग्रंथ और वह पाक-मुकद्दस किताब है जो आज भी लोगों को भलाई के रास्ते पर चलने का संदेश दे रही है। कुरान में मुहम्मद शब्द का अर्थ सराहनीय है और यह शब्द कुरान में कुल चार बार आया है। कुरान में मुहम्मद साहब का जिक्र मुख्य रूप से नबी, अल्लाह का गुलाम, दूत, बशीर, मुबश्शिर, शहीद, नाथिर, नूर, मुधाक्किर और सिरजमुनिर के रूप में भी है। कुरान-ए-पाक का हिन्दी, अरबी, फारसी, उर्दू, अंग्रेजी, जर्मन, फ्रेंच सहित अन्य भाषाओं में अनुवाद किया जा चुका है। जबकि, कुरान में हजरत मोहम्मद साहब की आयतें लिखी हुई हैं। ऐसा कहा जाता है कि कुरान आयतों के रूप में नाजिल हुआ और इसे पूरा या मुकम्मल होने में 23 साल लगे।

न तो ईसा मसीह की तरह मोहम्मद को जन्म से ही अपने नबी होने का अंदाजा था न ही वे मूसा की तरह बेशुमार चमत्कारों के धनी थे। वे जागीर या सल्तनत देकर भी जमीं पर भेजे नहीं गए थे, फिर भी लोगों में मकबूल थे। लोग प्रेम से इन्हें सादिक यानि सच्चा या अमीन यानि अमानतदार कह कर बुलाते थे। मोहम्मद साहब के चेहरे पर नूर था। जैसे-जैसे हजरत मोहम्मद साहब बड़े हुए उनकी ईमानदारी, नैतिकता और सादगी ने उनको और प्रतिष्ठित कर दिया। अपने इन सिद्धांतों पर वे इतना दृढ़ थे कि मक्का के लोग उन्हें ह्यअल-अमीनह्न नाम से पुकारने लगे थे, जिसका अर्थ होता है भरोसेमंद व्यक्ति। उनके चचेरे भाई हजरत अली का कहना था कि जो लोग उनके पास आते उनसे और करीब हो जाते। वह लोगों की जरूरतें पूरी करते, अच्छे कामों के लिए लोगों को प्रेरित करते। आप ने कभी दो वक्त का खाना नहीं खाया, एक वक्त खाना खाते और उसमें भी सिर्फ एक ही सब्जी। वह कभी अकेले नहीं खाते बल्कि दूसरे लोगों को न्योता देकर बुलाते और उनके साथ खाना खाते। आप गरीब और बीमारों की देखभाल किया करते थे। सही मायनों में आप नेकी, प्रेम, उदारता एवं पवित्रता के प्रतीक थे।

मोहम्मद साहब के जन्म को भी मुसलमान ईद की तरह मनाते हैं इसलिए इसे ईद मिलाद उन-नबी भी कहा जाता है। ईद का अर्थ होता है उत्सव मनाना और मिलाद का अर्थ होता है जन्म होना। मिलाद उन नबी इस शब्द का मूल मौलिद है जिसका अर्थ अरबी में जन्म है। अरबी भाषा में मौलिद-उन-नबी का मतलब है हजरत मुहम्मद का जन्मदिन है। मौलिद के अलावा मवलीद या मौलूद भी कहा जाता है जिसका मतलब जन्मदिन है। नबी साहब के जन्मदिन पर सीरत और नात पढ़ी जाती है। इस्लाम में बेहद अहम यह दिन इस्लामी कैलेंडर के तीसरे महीने रबी-उल-अव्वल के 12वें दिन मनाया जाता है। हालांकि मोहम्मद साहब का जन्मदिन एक खुशहाल अवसर है लेकिन मिलाद-उन-नबी को कई जगह शोक के दिन के रूप में भी मनाया जाता है। क्योंकि रबी-उल-अव्वल के 12वें दिन ही पैगंबर मोहम्मद साहब खुदा के पास वापस लौट गए थे। यह उत्सव मोहम्मद साहब के जीवन और उनकी शिक्षाओं की भी याद दिलाता है। 1588 में उस्मानिया साम्राज्य में इसे व्यापक तौर पर मनाया गया जिसमें हर खास ओ आम शामिल हुआ था और तब से लेकर अब तक साल दर साल नबी साहब के जन्मदिन का जश्न और ज्यादा भव्य होता जा रहा है।

बरसात की त्रासदी : अतीत, वर्तमान, भविष्य

-नरेन्द्र भारती-

हिमाचली लोगों ने बेरहम बरसात की अतीत की खौफनाक व त्रासद घटनाओं से सबक नहीं सीखा वर्तमान में भयानक व भयावह घटनाएं घटित हो रही हैं। अतीत में बहुत मानवीय त्रासदी हुई थी और वर्तमान में भी तबाही की डरावनी व खौफनाक पुनरावृति हो रही है। आपदा से प्रदेश में अब तक 320 लोगों की मौत हो चुकी हैं। 40 से अधिक लोग अभी भी लापता हैं। 20 जून से अब तक 231 बार आपदाएं आई हैं। 95 बार भूस्खलन 91 बार फलैश फल्ड और 45 बार बादल फटे हैं। मणिमहेश यात्रा में फंसे 15000 तीर्थयात्रियों मे से 10000 को सुरक्षित निकाल लिया गया है यात्रा के दौरान 17 श्रध्दालुओं की जान चली गई है। भविष्य को सुरक्षित करना होगा ताकि मानवीय तबाही रुक सके। आपदा प्रबंधन को मजबूत बनाना होगा ताकि ऐसी रौंगटे खडे. कर देने वाली त्रासदियां रुक सके। त्रासदी झेल चुके लोगों के जख्म तो भर जाएंगे लेकिन निशान अमिट रहेगें। सर्तकता व सावधानी बरतनी होगी जीवनशैली बदलनी होगी। सरकार ने राष्टीय आपदा प्रबंधन अधिनियम की धारा 34 के तहत पूरे हिमाचल को आपदा प्रभावित राज्य घोषित कर दिया है। प्रदेश में भारी वर्षा, भूसखलन, बादल फटने और बाढ़ से 31 अगस्त तक 3ए056करोड़ रुपये का प्रारंभिक नुकसान आंका गया है। बरसात से हिमाचल के सात प्रभावित जिलों में क्रमशः मंडी, कुल्लु, चंबा, शिमला, लाहौल स्पिति, कांगड़ा और हमीरपुर शामिल हैं। प्रकृति से अनावयक छेड़छाड़ बंद करनी होगी। प्रकृतिक आपदाओं को रोक तो नहीं सकते परन्तु अपने विवेक व ज्ञान से अपने आप को सुरक्षित कर सकते है। हादसों व आपदाओं से न तो लोग सबक सीखते हैं और न ही सरकारें सबक सीखती हैं कुछ दिन सरकारी अमला औपचारिकता निभाता है और उसके बाद अगली घटना तक कोई कारगर नहीं किए जाते है तब तक नई घटना घटित हो जाती है। वर्तमान घटनाओं के आंकडे. बहुत ही डरावने हैं। सैंज में भी बादल फटने से आई बाढ़ में पिता और पुत्री की मौत हुई थी। 30 जून 2025 को सराज में बादल फटने व बाढ़ आने से सब कुछ तबाह हो गया सराज कभी गुलजार रहता था आज विरान हो चुका है। यहां बाढ़ के कारण पंगलियूर गांव के एक ही परिवार के 11 लोग बेमौत मारें गए केवल मात्र एक लड़की ही बच सकी थी। सराज के बाद मंडी में भी ऐसी ही घटना हुई जिसमें एक ही परिवार के तीन लोग मारे गए थे। 2024 में निरमंड के समेज में बहुत बड़ा हादसा हुआ था जहां बादल फटने से पूरा गांव बह गया था यहां लगभग 45 लोग मारे गए थे। अतीत की त्रासदियों को देखें तो आत्मा सिहर उठती है। 20 अगस्त 2022 को मंडी के गोहर में बादल फटने से एक मकान जमीदोज हो गया जिसमें एक ही परिवार के आठ लोग जिंदा दफन हो गए थे जब एक घर से आठ अर्थियां उठी तो कायनात कांप उठी थी। 25 जुलाई को किन्नौर में भूस्खलन की चपेट में आने से 9 पर्यटकों की दर्दनाक मौत हो गई थी। अतीत को भूला दिया गया कोई सबक नहीं सीखा नतीजन हादसे दर हादसे हो रहे हैं। है। 16 जून 2025 से हिमाचल में बरसात का कहर मचा हुआ है। यह बरसात निर्बाध रुप से हो रही है। जुलाई, अगस्त दो महीने लगातार बरसात होती रही अब सितंबर माह में भी यह बरसात निरंतर जारी है अब पता नहीं कब तक यह सिलसिला जारी रहेगा यह भविष्य के गर्भ में है। बरसात के कहर ने जनजीवन अस्त व्यस्त हो चुका है। हजारों लोग मौत के मुहं में समा चुके हैं। बरसात के रौद्र रुप से हर तरफ तबाही का मंजर हुआ है। आज मानव अपनी करनी पर पछतावा कर रहा है लेकिन अब कोई चारा नजर नहीं आ रहा है। लाचार व बेसहारा हो चुका मानव अब आंसू बहा रहा है। मानव अपनी गलतियों का नतीजा भुगत रहा है। काश पूर्व में यह गलतियां न की होती तो आज यह दुर्गति ना होती मगर माया में अंधा हो चुका इनसान बेहोश हो चुका था तब तक होश आया सब कुछ तबाह हो गया अब अपने किए कर्मों का फल प्राप्त कर रहा है। किन्नौर से लेकर भरमौर तक बरसात का कहर बरप रहा है। प्रतिवर्ष प्राकृतिक आपदाएं अपना जलवा दिखाती रहती है तो कभी बाढ का रौद्र रुप जिंदगियां लीलता है। कहते हैं कि प्राकृतिक आपदाओं को रोक तो नहीं सकते परन्तु अपने विवेक व ज्ञान से अपने आप को सुरक्षित कर सकते हैं। देश के हर राज्य में बरसात का कहर बरप रहा है। प्रतिवर्ष लाखों लोग आपदा का दंश झेल रहे हैं। हादसों में लोग अपंग हो रहे हैं बच्चे अनाथ होते जा रहे है। प्रकृति से छेड़छाड़ बंद करनी होगी तभी इन हादसों पर रोक लग सकती है। अगर अब भी प्रकृति से खिलवाड़ बंद नहीं किया तो मानव को ऐसी सजाएं मिलती रहेगी। आपदाओं से सबक सीखना चाहिए ताकि आने वाले भविष्य को सुरक्षित किया जा सके। हर त्रासदी के बाद बचाव पर चर्चा होती है लेकिन ऐसी त्रासदियां रुकती नहीं हैं। प्रकृति के इस विनाशकारी विभीषिका से बहुत मानवीय तबाही हो रही हैं। परिवार के परिवार उजड़ गए हैं। देश के हर गांव व शहर में बरसात का कहर बरपता जा रहा है। प्रकृति ने मानव को समय समय पर आगाह किया लेकिन आधुनिक मानव मनमानी कर रहा है ओर असमय ही काल के गाल में समाता जा रहा है। मानव को इन त्रासदियों को अनदेखा नहीं करना चाहिए। सर्तकता बरतनी चाहिए कुदरत से छेड़छाड़ पूर्ण रुप से बंद करनी होगी तभी इन हादसों पर रोक लग सकती है। समय अभी संभलने का है।

(वरिष्ठ पत्रकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

अब जब कोई और मुद्दा नहीं तो गाली का बनाओं !

-शकील अख़्तर-

उल्लेखनीय बात है कि बिहार में वोटर अधिकार यात्रा में गाली देने की जहां यह घटना हुई, वहां राहुल और तेजस्वी गए ही नहीं थे। यात्रा जब 27 अगस्त को दरभंगा जिले से गुजर रही थी तो सिंहवाड़ा में अतरबेल गांव में एक स्वागत मंच लगाया गया था। ऐसे मंच यात्रा के रास्ते में जगह जगह लगे थे। कहीं राहुल और तेजस्वी रुकते थे। कहीं नहीं। अतरबेल के स्वागत मंच पर राहुल और तेजस्वी गए भी नहीं। गाली देने वाले को न कोई जानता है न उसकी कोई राजनीतिक पहचान है। और उसे गिरफ्तार भी कर लिया जाता है।

भारत में खास तौर पर देश के हिंदी इलाकों में जो शब्द सबसे ज्यादा बोला जाता है वह मां और बहन की गाली ही है। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने एक ही गाली का जिक्र किया। यदि वे गालियों के खिलाफ देश में कोई माहौल बनाना चाह रहे होते तो कहते कि इस तरह की हर गाली मां-बहन का अपमान है। मगर उन्होंने एक गाली की बात की और कहा कि यह मेरी मां को नहीं देश भर की महिलाओं को दी गई है। और इसके खिलाफ उन्होंने कांग्रेस और राजद के नेताओं के खिलाफ आंदोलन करने को कहा। देश में कौन व्यक्ति ऐसा होगा जिसने इस तरह की गाली नहीं सुनी हो। कमजोर ने अपने मुंह के सामने सुनी और पीढ़ियों से सुनाता आ रहा है और बाकी लोगों को पीठ पीछे दी गई। जैसे जिसका जिक्र मोदी जी कर रहे हैं वह।

कहा जाता है कि पीठ पीछे तो राजा को भी गाली दी जाती है। मगर राजा को उसके नाम पर वोट नहीं लेना होते है इसलिए वह कभी मुद्दा नहीं बन पाई। और अब तो राजा रानी है नहीं मगर उनके बाद जो लोकतंत्र आया तो सबसे ज्यादा गालियां देश में लोकतंत्र लाने के लिए अंग्रेजों और राजा महाराजाओं से भी लड़ने वाले नेहरू-गांधी परिवार को मिलीं। उनकी गालियों के लिए तो भक्त कहते हैं क्यों मिलीं? मतलब गालियों को ही जस्टिफाई करते हैं। मगर यहां किसी एक ने भी समर्थन नहीं किया। देने वाला व्यक्ति तत्काल गिरफ्तार भी हो गया। सबने उसकी कड़े शब्दों में निंदा की।

यहां एक बात और उल्लेखनीय है। बिहार में वोटर अधिकार यात्रा जहां यह घटना हुई, वहां राहुल और तेजस्वी गए ही नहीं थे। यात्रा जब 27 अगस्त को दरभंगा जिले से गुजर रही थी तो सिंहवाड़ा में अतरबेल गांव में एक स्वागत मंच लगाया गया था। ऐसे मंच यात्रा के रास्ते में जगह जगह लगे थे। कहीं राहुल और तेजस्वी रुकते थे। कहीं नहीं। अतरबेल के स्वागत मंच पर राहुल और तेजस्वी गए भी नहीं।

यात्रा जब काफी आगे निकल गई और नेता कार्यकर्ता सब उसके साथ चले गए तब यह गाली दी गई। और देने के साथ ही आवाजें आती हैं कि गलत बात गलत बात है और गाली देने वाले से माइक छीन लिया जाता है।

गाली देने वाले को न कोई जानता है। न उसकी कोई राजनीतिक पहचान है। और उसे गिरफ्तार भी कर लिया जाता है। जैसा कि राहुल ने कहा कि क्या मैंने या तेजस्वी ने गाली दी? क्या मेरे सामने गाली दी? इसका कोई जवाब नहीं है। जबकि जो मोदी जी जो गाली को मुद्दा बना रहे हैं खुद उन्होंने क्या क्या कहा है कांग्रेस की विधवा, जर्सी गाय, 50 करोड़ की गर्ल फ्रेंड, सुर्पणखा, दीदी ओ दीदी, कांग्रेस को सवा सौ साल की बुढ़िया, कब्रिस्तान श्मशान जैसी तुलनाएं कितना बताएं! और उनकी पार्टी के नेताओं की जिनमें मंत्री और मुख्यमंत्री भी शामिल हैं की गालियों की तो बात ही क्या।

बहुत ही गलत विषय पर मोदी जी चले गए। राहुल की यात्रा का यह पेनिक रिएक्शन था। जापान और चीन की यात्रा से उन्होंने सोचा था कि देश में माहौल बन जाएगा। वैसे फोटो और खबरें गोदी मीडिया में चलाए भी गए। मगर इस बार वास्तविक सवालों को हेडलाइन मैनेजमेंट दबा नहीं पाया। सच्चाई पर कहानियां हावी नहीं हो पाईं। आज सब देख रहे हैं कि चीन की सैन्य परेड में भी पाकिस्तान के आर्मी चीफ मुनीर स्पेशल गेस्ट हैं। वहां अमेरिका में राष्ट्रपति ट्रंप उन्हें लंच पर बुलाते हैं।

यह भारत को नीचा दिखाना नहीं है। भारत एक बड़ा और मजबूत देश है उसे इन छोटी मोटी हरकतों से फर्क नहीं पड़ता है। यह खुद को विश्वगुरू बताने वाले मोदी जी को आईना दिखाना है। अभी जापान और चीन की यात्रा के बाद भी वही कहानी कि हम ही हम हैं। दुनिया के सारे देशों के राष्ट्राध्यक्ष मोदी जी मोदी जी कर रहे थे। इस आत्मश्लाधा का इलाज क्या है!

इलाज तो है भारत की छवि पेश करना। मगर यहां तो देश से ऊपर खुद को रखने का काम हो रहा है। भारत में पैदा होना और रहना शर्म की बात कह दी गई। और किसी ने नहीं खुद प्रधानमंत्री मोदी ने। और वह भी विदेश में।

तो आप समझ सकते हैं कि जब प्रधानमंत्री खुद ऐसा बोलते हों कि यह भी कोई देश है महाराज तो उनकी पार्टी के बाकी लोग क्या बोलेंगे! उन्होंने देश को 2014 में आजाद करवाया। और ऐसे लोगो को ईनाम मिलता है। कंगना रनौत जिन्होंने भारत की आजादी की तारीख बदल दी उन्हें लोकसभा की सीट दे दी। और गालीबाजों की तो बात ही क्या? एक महिला नेता रेखा गुप्ता ने तो मां की इतनी गंदी गंदी गालियां दीं कि लिखने में भी शर्म आती है। जिन पाठकों को नहीं मालूम वे गूगल कर जान सकते हैं। लेकिन इनाम में क्या मिला इसके लिए कुछ ढुंढने की जरूरत नहीं वह सबको मालूम है। दिल्ली के पुराने पुराने नेता रह गए और उन्हें मुख्यमंत्री बना दिया गया।

मणिपुर में तो महिलाओं के साथ सड़क पर नग्न जुलूस निकालकर जो हुआ उसकी अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर निंदा की गई। मगर प्रधानमंत्री वहां गए तक नहीं। सुना अब जा रहे हैं। दोहरी समस्याओं से घिरे हुए हैं। देश के साथ विदेशों में छवि खराब हो गई है। सारी कवायदें छवि को बचाने के लिए हैं। बिहार में 4 सितंबर गुरूवार को आधे दिन का बंद आयोजित किया है। राहुल की बिहार यात्रा ने वाकई बड़ी चोट पहुंचाई है। 17 अगस्त जब राहुल ने यात्रा शुरू की थी उससे पहले बिहार में भाजपा अपनी स्थिति मजबूत मान रही थी। मगर राहुल की यात्रा के पहले चरण ने तस्वीर बदल दी। यात्रा का दूसरा दौर भी होगा।

मोदी के लिए जवाब देना मुश्किल होता चला जा रहा है। यात्राओं ने ही उन्हें 2024 के चुनाव में लोकसभा में बहुमत नहीं मिलने दिया था। और अब यह राहुल की बिहार यात्रा उनके बिहार में पहली बार भाजपा के मुख्यमंत्री बनने के ख्वाब में बाधा बनकर खड़ी हो गई है।

राहुल ने घोषणा की है एटम बम के बाद वह अब हाइड्रोजन छोड़ने जा रहे हैं। इसके जवाब में मोदी गाली का मुद्दा ले आए। मगर इस सवाल को वे अब दबा नहीं पाएंगे कि क्या राहुल गांधी ने गाली देना तो दूर की बात क्या कभी उनकी किसी गाली का जवाब भी दिया है। राहुल का बयान है कि मैं सबसे प्रेम करता हूं। मोदी जी से भी। विरोध नीतियों और विचारों का है। उन राहुल के खिलाफ गाली का आरोप कितना चल पाएगा कहना मुश्किल है। और इसमें सबसे बड़ा सवाल यह है कि गाली से तो राहुल का कोई संबंध नहीं है मगर वोट चोर के नारे तो उन्होंने खुद लगाए हैं। इस पर मोदी जी की कोई प्रतिक्रिया नहीं है।

क्यों? इसका जवाब मोदी जी नहीं दे सकते। मगर राहुल बताते हैं। राहुल का कहना है कि चोर जब रंगे हाथों पकड़ लिया जाता है तो उसके पास कोई जवाब नहीं होता। यही हाल मोदी जी का है। वोट चोरी जो मुख्य मुद्दा है उस पर नहीं बोल सकते। इसलिए गाली को मुद्दा बनाने की कोशिश कर कर रहे हैं।

बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए अपना एक माह का वेतन देंगे रालोद के सांसद-विधायक

लखनऊ (एजेंसी)। राष्ट्रीय लोकदल पार्टी (रालोद) के विधायक व सांसद अपना एक माह का वेतन बाढ़ राहत कोष में देंगे। जिससे बाढ़ प्रभावित जनमानस की मदद की जा सके। यह निर्देश पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने दिया है। बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट करते हुए जयंत चौधरी ने कहा कि देश के कई राज्य बाढ़ से लगातार प्रभावित हो रहे हैं और जनजीवन अस्त-व्यस्त हो रहा है। कई-कई दिन से परिवार के परिवार बाढ़ की चपेट में आए हुए हैं। उनको राज्य सरकार तथा केंद्र सरकार की टीम लगातार सुरक्षित जगह पर पहुंचने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि पूरा देश बाढ़ पीड़ितों के लिए जुट रहा है और उनके साथ खड़ा है। गौरतलब है कि मंगलवार को उत्तर प्रदेश में बाढ़ से प्रभावित जिलों की संख्या बढ़कर 22 हो गई। जबकि अब तक प्रदेश के 607 गांवों के 1,41,169 लोग बाढ़ से प्रभावित हो चुके हैं। पहाड़ों और मैदानी इलाकों में जारी बारिश के कारण नदियों में पानी का स्तर लगातार बढ़ रहा है।

पंजाब व जम्मू-कश्मीर को हरियाणा सरकार की ओर से 5-5 करोड़ रूपये की सहायता

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा सरकार ने भारी वर्षा से उत्पन्न आपदा की मार झेल रहे पंजाब और जम्मू-कश्मीर के लोगों के साथ गहरी एकजुटता प्रकट करते हुए मुख्यमंत्री राहत कोष से दोनों राज्यों को पाँच-पाँच करोड़ रुपये की सहायता राशि जारी की है। इस सहायता राशि का उद्देश्य प्रभावित परिवारों को त्वरित राहत पहुँचाना तथा दोनों राज्यों में चलाए जा रहे बचाव और पुनर्वास कार्यों को सशक्त बनाना है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान और जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को लिखे पत्र में कहा कि प्राकृतिक आपदा की इस घड़ी में हरियाणा सरकार एवं प्रदेश की जनता उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। उन्होंने कहा कि भारी वर्षा और बाढ़ की स्थिति से आमजन को गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, ऐसे में पड़ोसी राज्य और मित्र की भूमिका निभाना हरियाणा सरकार का कर्तव्य है। मुख्यमंत्री ने यह भी आश्वस्त किया कि प्रभावित लोगों तक शीघ्र और पर्याप्त सहायता पहुँचाने के लिए हरियाणा सरकार हर संभव सहयोग देने को तैयार है। उन्होंने दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों से आग्रह करते हुए कहा कि यदि किसी प्रकार की अतिरिक्त राहत सामग्री या सहायता की आवश्यकता हो तो नि:संकोच अवगत कराएं, हरियाणा सरकार तुरंत आवश्यक मदद उपलब्ध करवाएगी। सैनी ने कहा कि आपदा की इस घड़ी में प्रभावित लोगों के चेहरों पर आशा और राहत लौटाना सबसे बड़ी प्राथमिकता है। हरियाणा सरकार इस दिशा में अपना योगदान सुनिश्चित करेगी, ताकि संकट की इस स्थिति में कोई भी परिवार अपने को अकेला न महसूस करे।

चेन्नई एयरपोर्ट पर 60 करोड़ की कोकीन जब्त, तीन गिरफ्तार

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट पर नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने 5.618 किलोग्राम उच्च गुणवत्ता वाली कोकीन जब्त की है, जिसकी कीमत करीब 60 करोड़ रुपये आंकी गई है। यह बड़ी सफलता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'नशा मुक्त भारत' अभियान और केंद्रीय गृह मंत्री के निर्देशों के तहत हासिल हुई है। 1 सितंबर, 2025 को एनसीबी चेन्नई और एयर इंटेलिजेंस यूनिट, चेन्नई कस्टम्स ने मिलकर इथियोपियन एयरलाइंस की उड़ान से अदीस अबाबा से चेन्नई आए दो भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया। इनमें से एक उत्तराखंड के बागेश्वर का 25 वर्षीय बीए स्नातक और दूसरा हिमाचल प्रदेश के चंबा का 26 वर्षीय आईटीआई पास है। जांच में पता चला कि ये दोनों व्यक्ति पिछले कुछ वर्षों से कोकीन तस्करी में शामिल थे और यह कार्य एक बड़े अंतरराष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट का हिस्सा है। इस सिंडिकेट का संचालन दिल्ली से एक नाइजीरियाई नागरिक कर रहा था, जिसे एनसीबी ने दिल्ली से हिरासत में लिया है। वह 2023 से मेडिकल वीजा पर भारत में था, लेकिन 2024 में वीजा समाप्त होने के बाद भी रह रहा था। एनसीबी अब ड्रग तस्करी के अन्य सदस्यों, वित्तीय लेन-देन और तस्करी के रास्तों की जांच कर रही है। साथ ही विदेशी नागरिकों, विशेषकर अफ्रीकी मूल के लोगों की संलिप्तता को लेकर भी सतर्कता बढ़ाई गई है। एनसीबी ने मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़ी सूचना देने के लिए टोल-फ्री नंबर 1933 जारी किया है और सूचना देने वालों की पहचान गुप्त रखने का आश्वासन दिया है।

टीएमसी विधायक के काफिले से टकराई बाइक, घायल युवक की मौत

-पायलट कार का चालक भी हुआ घायल

कोलकाता (एजेंसी)। राजधानी में एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की जान चली गई। यह घटना तब हुई जब तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) विधायक शौकत मोल्ला के काफिले की पायलट कार और एक मोटरसाइकिल में आमने-सामने से भिड़ंत हो गई। पुलिस के अनुसार, यह हादसा मंगलवार सुबह करीब 11 बजे बसंती हाईवे पर साइंस सिटी के पास हुआ था। कन्निंग पूर्व विधानसभा सीट से विधायक शौकत मोल्ला का काफिला जिबनतला से कोलकाता की ओर जा रहा था। इसी दौरान सामने से आ रही बाइक पायलट कार से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और पायलट कार का अगला हिस्सा भी दब गया। बाइक सवार की पहचान करया थाना क्षेत्र निवासी मोहम्मद ताजुद्दीन के रूप में हुई। उसे गंभीर हालत में एसएसकेएम अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे में पायलट कार का ड्राइवर भी घायल हुआ है, जिसे भांगड़ के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। टक्कर के बाद विधायक की कार भी अनियंत्रित होकर एक बिजली के खंभे से टकरा गई। घटना पर दुख जताते हुए विधायक शौकत मोल्ला ने कहा कि हादसा वाहन के ब्रेक फेल होने की वजह से हुआ। फिलहाल कोलकाता ट्रैफिक पुलिस की फैटल स्क्वाड और लेदर कॉम्प्लेक्स थाना की टीम जांच में जुटी है।

केंद्र सरकार राहत पैकेज की तत्काल घोषणा करें, राहत एवं बचाव कार्यों में आए तेजी

- राहुल गांधी ने पीएम मोदी से किया बारिश व बाढ़ पीड़ितों की मदद का आग्रह

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को पीएम मोदी से लगातार बारिश से विनाशकारी तबाही झेल रहे राज्यों के लिए विशेष राहत पैकेज की घोषणा करने का आग्रह किया। राहुल गांधी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड में बाढ़ की स्थिति बेहद चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि ऐसे कठिन समय में आपका ध्यान और केंद्र सरकार की सक्रिय मदद बेहद ज़रूरी है। हजारों परिवार अपने घरों, जान और प्रियजनों को बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। राहुल गांधी ने आगे कहा कि मैं आग्रह करता हूं कि इन राज्यों, खासकर किसानों के लिए एक विशेष राहत पैकेज की तत्काल घोषणा की जाए और राहत एवं बचाव कार्यों में तेजी लाई जाए। इस बीच, कई भारतीय राज्यों में भारी बारिश के बीच, भारत मौसम विज्ञान विभाग ने जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तरी पंजाब, उत्तरी हरियाणा, पूर्वी राजस्थान, दक्षिण-पश्चिम यूपी, उत्तर-पश्चिम और पूर्वी मध्य प्रदेश और ओडिशा के कई जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। आईएमडी के मुताबिक जम्मू और कश्मीर में रेड अलर्ट वाले जिलों में पुंछ, मीरपुर, राजौरी, रियासी, जम्मू, रामबन, उधमपुर, सांबा, कठुआ, डोडा और किश्तवाड़ शामिल हैं। पंजाब में, कपूरथला, जालंधर, नवाशहर, रूपनगर, मोगा, लुधियाना, बरनाला और संगरूर रेड अलर्ट पर हैं, जबकि हिमाचल प्रदेश में, मंडी, ऊना, बिलासपुर, सिरमौर और सोलन इसी तरह की चेतावनी के तहत हैं। हरियाणा के यमुनानगर, अंबाला, कुरुक्षेत्र, पंचकूला और एसएएस नगर के लिए भी चेतावनी जारी की है। बुधवार सुबह 5:30 बजे जम्मू और कश्मीर के कई क्षेत्रों में अच्छी बारिश हुई। सबसे ज्यादा 203 मिमी बारिश रियासी में दर्ज की गई जम्मू शहर में 81 मिमी बारिश हुई, जबकि बनिहाल 95, रामबन 82, कोकरनाग 68.2 और पहलगाम 55 मिमी बारिश दर्ज की गई। इसके अलावा इसी अवधि में श्रीनगर 32 मिमी, सांबा 48, किश्तवाड़ 50, राजौरी 57.4, और काजीगुंड 68 मिमी बारिश दर्ज की गई।

भारत का सबसे गहरा रेलवे स्टेशन बन रहा मुंबई में, ट्रेन पकड़ने के लिए उतरना पड़ेगा जमीन से 100 फीट नीचे

मुंबई (एजेंसी)। दिन-प्रतिदिन भारतीय रेलवे नया इतिहास रच रही है। हाल ही में भारतीय रेलवे ने दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे ब्रिज बनाया है। अब जल्द ही बुलेट ट्रेन भी दौड़ेगी। जी हाँ, मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन का काम तेज गति से चल रहा है। इस रूट पर एकमात्र अंडरग्राउंड स्टेशन बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) स्टेशन का काम भी तेज गति से चल रहा है। भारत का सबसे गहरा रेलवे स्टेशन भी जल्द ही बनेगा। यह रेलवे स्टेशन बीकेसी में 100 फीट की गहराई पर बनाया जाएगा। बुलेट ट्रेन के बीकेसी में इस स्टेशन का काम तेज गति से चल रहा है। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर पर यह एकमात्र अंडरग्राउंड स्टेशन है। जो जमीन से 100 फीट यानी 32 मीटर की गहराई पर बनाया जा रहा है। यह स्टेशन जमीन से इतनी गहराई पर है कि इसमें 10 मंजिला इमारत बन सकती है। हाल ही में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक वीडियो शेयर किया था। बताया गया है कि बुलेट ट्रेन की तीन मंजिला इमारत होगी और इसमें प्लेटफॉर्म, कॉनकोर्स और सर्विस फ्लोर होगा। स्टेशन पर 6 प्लेटफार्म होंगे। इन प्लेटफार्म की लंबाई 415 मीटर होगी। यह बुलेट ट्रेन मुंबई और अहमदाबाद के बीच 508 किलोमीटर लंबे रूट पर चलेगी। वर्तमान में 8 घंटे का यह सफर बुलेट ट्रेन से मात्र 3 घंटे में पूरा हो जाएगा। इस बुलेट ट्रेन की अधिकतम गति 320 किलोमीटर प्रति घंटा होगी। बुलेट ट्रेन का परिचालन शुरू होने में अभी तीन साल और लगने की संभावना है। मुख्यमंत्री फडणवीस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, बुलेट ट्रेन 2028 तक यात्रियों के लिए सेवा में आ जाएगी।

फ्लाइट में यात्री ने लगाए धार्मिक नारे, पी शराब, क्रू मेंबर्स से किया विवाद

-कोलकाता पहुंचते ही यात्री को सुरक्षा कर्मियों के हवाले किया, पुलिस कर रही जांच

कोलकाता (एजेंसी)। दिल्ली से कोलकाता जा रही इंडिगो की फ्लाइट में एक यात्री और क्रू मेंबर्स के बीच विवाद हो गया। क्रू मेंबर ने यात्री द्वारा धार्मिक नारे लगाए, शराब पीने और यात्रियों को नारे लगाने के लिए भड़काने जैसे आरोपों के साथ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। यह घटना तब हुई जब उड़ान को परिचालन कारणों से दिल्ली में पार्किंग वे पर तीन घंटे तक रोका गया था।

मीडिया रिपोर्ट में पुलिस के हवाले से बताया गया है क्रू मेंबर्स ने एक यात्री पर फ्लाइट में अशांति फैलाने का आरोप लगाया। यात्री पेशे से वकील है। उसने भी क्रू पर उत्पीड़न और बुनियादी सेवाएं न देने का आरोप लगाया। पुलिस दोनों पक्षों की शिकायतों की जांच कर रही है। एयर होस्टेस की शिकायत के मुताबिक सीट नंबर 31डी पर बैठा यात्री नशे की हालत में विमान में सवार हुआ और उसने सह-यात्रियों को हर हर महादेव का नारा लगाने के लिए उकसाया। शिकायत में कहा गया कि उड़ान शुरू होने के बाद यात्री ने एक सॉफ्ट ड्रिंक की बोतल छिपाने की कोशिश की, जिससे शराब की गंध आ रही थी। जब क्रू ने उससे पूछताछ की, तो उसने जल्दी से बोतल मुंह में लगा ली और पी ली। कोलकाता पहुंचने पर क्रू ने यात्री को सुरक्षा कर्मियों के हवाले कर दिया। यात्री ने क्रू के आरोपों का खंडन करते हुए एक जवाबी शिकायत दर्ज कराई है। यात्री ने कहा कि उसने क्रू को हर हर महादेव के साथ अभिवादन किया था, बिना उनकी धार्मिक पहचान जाने। उसने कहा कि उड़ान के दौरान उसने शराब नहीं पी, बल्कि बोर्डिंग से पहले इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक बीयर खरीदी थी, जिसका उनके पास खरीद का इनवॉइस भी है। उन्होंने क्रू पर उत्पीड़न और बुनियादी सेवाएं, जैसे पानी और भोजन, न देने का आरोप लगाया। इंडिगो के अधिकारी ने बताया कि केबिन क्रू ने सूचित किया था कि यात्री उपद्रवी और नशे में था। यात्री की शिकायत के जवाब में अधिकारी ने कहा कि वे मामले की जांच कर रहे हैं। पुलिस ने बताया कि वे दोनों पक्षों के दावों की गहन जांच कर रही है।

पार्टी से निलंबन के बाद छलका कविता का दर्द बोलीं- भाई ने साथ नहीं दिया

-कुछ लोग निजी और राजनीतिक कारणों से हमारे परिवार को बिखेरना चाहते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की निलंबित नेता के कविता ने अपने परिवार और पार्टी के अंदर चल रही कथित साजिशों को लेकर मीडिया में बयान दिया है। इसके साथ ही उन्होंने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। कविता ने न केवल अपने भाई के टी रामाराव पर निशाना साधा, बल्कि चचेरे भाइयों हरीश राव और संतोष राव पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने अपने पिता और बीआरएस प्रमुख के चंद्रशेखर राव (केसीआर) से अपील की कि वह अपने आसपास हो रही सियासी चालबाजियों पर नजर रखें। कविता ने कहा कि उनकी निलंबन की साजिश पार्टी पर कब्जा करने की कोशिश का हिस्सा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कविता ने कहा कि केसीआर गारू मेरा परिवार हैं। हमारे बीच खून का रिश्ता है। पार्टी से निलंबन या पद छिनने जैसे कारणों से यह रिश्ता नहीं टूटना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग अपने निजी और राजनीतिक विकास के लिए हमारे परिवार को बिखेरना चाहते हैं। कविता ने कहा कि उनकी रिहाई के बाद से वह लगातार जनता के मुद्दों के लिए लड़ रही हैं, लेकिन इस दौरान उनके भाई रामाराव ने उनका साथ नहीं दिया, जब उनके खिलाफ बदनाम करने वाली मुहिम चलाई गई।

कविता ने कहा कि मैं भाई केटीआर से मिली। मैंने उन्हें मेरे खिलाफ चल रही साजिशों और झूठे अभियान के बारे में बताया। मैंने उनसे अनुरोध किया कि न केवल एक बहन के रूप में बल्कि पार्टी विधायक के रूप में भी, लेकिन उन्होंने जरा भी परवाह नहीं की। उन्होंने मुझे फोन तक नहीं किया।

कविता ने अपने बयान में साफ कहा कि कुछ लोग उनके परिवार को तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने अपने पिता केसीआर से गुजारिश की कि वह इस सियासी खेल को समझें और पार्टी के अंदर चल रही साजिशों पर ध्यान दें। कविता का मानना है कि उनकी निलंबन की वजह सिर्फ व्यक्तिगत हमले नहीं, बल्कि बीआरएस पर पूरी तरह कब्जा करने की कोशिश है। उन्होंने कहा कि वह अपने पिता और पार्टी प्रमुख केसीआर के साथ अपने रिश्ते को लेकर किसी तरह की गलतफहमी नहीं चाहती हैं।

कविता ने अपने चचेरे भाइयों हरीश राव और संतोष राव पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि केसीआर के खिलाफ सीबीआई जांच की वजह उनके चचेरे भाइयों की भ्रष्ट गतिविधियां हैं। कविता ने भाई रामाराव को नसीहत दी कि वह हरीश और संतोष पर भरोसा न करें, क्योंकि ये लोग पार्टी और परिवार के लिए मुश्किलें खड़ी कर रहे हैं।

सीएम योगी के फैसले से गदगद हुई बहन मायावती बोलीं- धन्यवाद

कानपुर (एजेंसी) बसपा सुप्रीमो मायावती ने कानपुर के प्रसिद्ध बुद्धा पार्क में शिवालय पार्क बनाने के विवादित प्रस्ताव को रद्द करने की खबर का स्वागत किया है। उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार को इस फैसले के लिए धन्यवाद दिया और उम्मीद जताई कि भविष्य में सरकार इस तरह के विवादास्पद कदमों को रोकने के लिए सख्ती बरतेगी। मायावती ने चेतावनी दी कि इस तरह के कदम सामाजिक शांति, भाईचारा और सौहार्द को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

मायावती ने अपने बयान में कहा, भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है, जहां विभिन्न धर्मों और जातियों के लोग अपने-अपने पूजा स्थलों के साथ सह-अस्तित्व में रहते हैं। बुद्धा पार्क बौद्ध धर्म और अम्बेडकरवादी विचारधारा के लिए महत्वपूर्ण है। इस पवित्र स्थल पर किसी अन्य धर्म के पूजा स्थल का निर्माण प्रस्तावित करना न केवल अनुचित है, बल्कि यह सामाजिक अशांति और घृणा को बढ़ावा दे सकता है। मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने बयान में कहा कि यूपी सरकार ने बुद्धा पार्क में शिवालय पार्क बनाने के प्रस्ताव को रद्द कर दिया है, जिसका वह स्वागत करती हैं। उन्होंने सरकार से अपील की कि भविष्य में इस तरह के षड्यंत्रों को गंभीरता से लिया जाए और सामाजिक सौहार्द को बनाए रखने के लिए सख्त कदम उठाए जाएं। मायावती ने कहा, ÷मैं उम्मीद करती हूं कि सरकार आगे भी इस तरह के विवादों को रोकने के लिए तत्पर रहेगी ताकि समाज में शांति, व्यवस्था और भाईचारा कायम रहे। मायावती ने अपने बयान में भारत के संविधान का हवाला देते हुए कहा कि देश की धर्मनिरपेक्षता विभिन्न धर्मों और जातियों के सह-अस्तित्व पर आधारित है। उन्होंने जोर देकर कहा कि बुद्धा पार्क जैसे स्थल बौद्ध धर्म और अम्बेडकरवादी विचारधारा के लिए पवित्र हैं, और इनका सम्मान करना हर सरकार का कर्तव्य है। उन्होंने सरकार से तत्काल इस तरह के प्रस्तावों को रोकने की मांग की थी, जिसके बाद सरकार ने यह कदम उठाया।

दूसरों को गाली न देने की नसीहत देने से पहले अपने गिरेबां में झांकें

-लालू की बेटी रोहिणी ने पीएम की मां को गाली देने की निंदाकर दी प्रतिक्रिया

पटना (एजेंसी)। बिहार में कांग्रेस के मंच से दरभंगा में वोटर अधिकार यात्रा के दौरान पीएम मोदी की मां के लिए अपशब्द कहे जाने के मामले को लेकर प्रदेश में बवाल मचा है। बीजेपी ने इस मामले को लेकर 4 सितंबर को प्रदेश में बंद का एलान किया है। वहीं, दूसरी ओर इस मामले में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के सुप्रीमो लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने भी प्रतिक्रिया दी है।

बता दें बीते रोज पीएम मोदी ने बिहार राज्य जीविका निधि से जुड़े एक कार्यक्रम को वर्चुअल संबोधित किया था। इसमें उन्होंने स्वयं और उनकी मां के खिलाफ इस्तेमाल किए गए अपशब्दों को लेकर भावुक करने वाली कही थी। पीएम मोदी ने पहली बार इस मामले में प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि ''मेरी दिवंगत मां का राजनीति से कोई लेना-देना नहीं था, उनका दोष क्या है? उनके लिए अपशब्द क्यों कहे गए?

पीएम मोदी के इस बयान के बाद बिहार में सियासी गरमा गई। एनडीए ने जहां इस मुद्दे पर गुरुवार को बिहार बंद का ऐलान किया है। वहीं, विपक्ष ने भी पीएम मोदी के बयान पर पलटवार किया है। पीएम मोदी के इस बयान के बाद रोहिणी आचार्या ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि ठीक कह रहे हैं प्रधानमंत्री जी...लेकिन दूसरों को गाली न देने की नसीहत देने से पहले अपने गिरेबां में झांके।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने तो विपक्ष के लोगों के लिए दर्जनों बार अमर्यादित-घटिया भाषा का इस्तेमाल किया कई बार भाषाई मर्यादाएं लांघीं हैं...हां ये बात सही है की किसी की मां को गाली नहीं देनी चाहिए, इस बात का मैं भी खडंन करती हूं पर प्रधानमंत्री खुद भी कई बार अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल कर चुके हैं। रोहिणी ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए बीजेपी और एनडीए के नेताओं, यहां तक कि सीएम नीतीश कुमार का नाम भी लिया।

उन्होंने सवाल किया कि क्या लोकसभा चुनाव में मेरे खिलाफ क्या कुछ नहीं बोला गया। बिहार की बेटी के खिलाफ अपशब्द कहे जाने पर बीजेपी या प्रधानमंत्री जी ने क्यों कुछ नहीं कहा? रोहिणी ने कहा कि कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी के खिलाफ भी कई बार अपशब्द इस्तेमाल किए हैं। ऐसे कई मामले हैं। उन मामलों में क्या हुआ? बता दें मंगलवार को पीएम मोदी ने बिहार के लोगों से अपील की थी कि वे राजद-कांग्रेस के मंच से उनकी मां के लिए अपशब्द कहे जाने को लेकर जवाबदेही तय करें। राजद-कांग्रेस के नेता जहां भी जाएं, हर मां-बहन को मैदान में उतरकर उनसे जवाब मांगना चाहिए।

बाढ़ व फसलों को हुए नुकसान का जायजा लेने आज केंद्रीय कृषि मंत्री जाएंगे पंजाब

-शिवराज ने कहा- केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर राहत और पुनर्वास का करेंगी काम

नई दिल्ली(एजेंसी)। पंजाब में लगातार हो रही अतिवृष्टि ने हालात को गंभीर बना दिया है। कई जिलों में नदियां उफान पर हैं और खेत पानी में डूब गए हैं। इस प्राकृतिक आपदा से सबसे ज्यादा प्रभावित किसान हुए हैं, जिनकी धान, मक्का और गन्ने की फसलें बर्बाद हो गई हैं। गांवों में घरों और पशुधन को भी भारी नुकसान पहुंचा है। इसको लेकर केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार मिलकर राहत और पुनर्वास का काम करेंगी।

केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पंजाब के राज्यपाल, मुख्यमंत्री और कृषि मंत्री से बातचीत कर बाढ़ की स्थिति और किसानों को हुए नुकसान की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार इस संकट की घड़ी में पंजाब के के साथ मजबूती से खड़ी है। चौहान ने कहा कि वे गुरुवार सुबह पंजाब के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करेंगे और किसानों व स्थानीय लोगों से मिलकर समस्याएं सुनेंगे। उन्होंने आश्वासन दिया कि केंद्र सरकार पंजाब को हरसंभव मदद देगी, ताकि प्रभावित परिवारों को राहत दी जा सके और किसानों के नुकसान की भरपाई हो सके।

बता दें बाढ़ से पंजाब के कई जिलों में धान की तैयार फसलें पूरी तरह जलमग्न हो गई हैं। पशुपालन पर भी असर पड़ा है, कई जगह चारे की कमी हो गई है। ग्रामीण इलाकों में घरों को नुकसान पहुंचा है और हजारों लोग सुरक्षित ठिकानों पर जाने को मजबूर हैं। केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार मिलकर राहत और पुनर्वास का काम करेंगी। प्रभावित किसानों को मुआवजा और पुनर्वास पैकेज दिया जाएगा। किसानों के ऋण पुनर्गठन और बीमा दावों की प्रक्रिया तेज करने पर भी विचार किया जा रहा है। ग्रामीण बुनियादी ढांचे की बहाली के लिए विशेष पैकेज तैयार किया जाएगा।

रामलला के कल दर्शन करेगें भूटान के प्रधानमंत्री, विशेष विमान से अयोध्या पहुंचेंगे दाशो शेरिंग

अयोध्या (एजेंसी)। पड़ोसी देश भूटान के प्रधानमंत्री दाशो शेरिंग पांच सितंबर को अपनी धर्मपत्नी ताशी डोमा और कुछ अन्य अफसरों के साथ अयोध्या में श्रीरामजन्मभूमि पर विराजमान रामलला का दर्शन पूजन करेंगे। शेरिंग शुक्रवार सुबह विशेष विमान से अयोध्या महर्षि बाल्मिकी अंतराष्ट्रीय एयरपोर्ट पहुंचेंगे जहां उनका स्वागत सत्कार किया जाएगा।

एयरपोर्ट से उनका काफिला विशेष सुरक्षा घेरे में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर पहुंचेगा, जहां श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के ट्रस्टी उनका सम्मान करेंगे। भूटान के प्रधानमंत्री और उनकी पत्नी के साथ उनके साथ पधारे भूटान के वित्त सचिव दाशो लेकी वांगमो, कैबिनेट मामलों और रणनीतिक समन्वय कार्यालय के निदेशक चेन्चो, और लेफ्टिनेंट कर्नल शेरिंग नामगे रामलला का दर्शन पूजन अर्चन करेंगे।

विशिष्ट अतिथि रामदरबार के साथ साथ परिसर में मौजूद अन्य मंदिरों में दर्शन पूजन करेंगे। राममंदिर परिसर में स्थित कुबेर टीला पर जाकर कुबेरेश्वर महादेव का जलाभिषेक भी करेंगे। भूटान के प्रधानमंत्री के राममंदिर दर्शन के कारण राममंदिर की सुरक्षा व्यवस्था को और चाक चौबंद किया जाएगा। भूटान के प्रधानमंत्री के राममंदिर दर्शन के ठीक पहले राममंदिर सुरक्षा समिति की मंदिर परिसर में बैठक भी बुलाई गई है।

जिलाधिकारी निखिल टी फुंडे ने आज एसएसपी डॉ गौरव ग्रोवर के साथ भूटान के प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर तैयारियों को अंतिम रूप दिया। भूटान के प्रधानमंत्री की सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद रहे इसका निर्देश दिया। पुलिस अधीक्षक बलरामाचारी दुबे ने राममंदिर में तैनात सुरक्षा अधिकारियों एवं सुरक्षा बल के जवानों के साथ विदेशी मेहमान के प्रोटोकाल के अनुसार सुरक्षा व्यवस्था को चुस्त दुरूस्त रखने की योजना को अंतिम रूप दिया। जिलाधिकारी ने बताया कि पांच सितंबर को सुबह 9:30 बजे भूटान के प्रधानमंत्री अयोध्या पहुंचेंगे, और दो घंटे तक राम मंदिर परिसर में रहेंगे। डीएम ने बताया कि प्रधानमंत्री के दर्शन और भ्रमण का पूरा प्लान तैयार कर लिया गया है। निखिल टी फुंडे और एसएसपी डॉ गौरव ग्रोवर ने बताया कि राममंदिर में श्रद्धालु दर्शन करते रहेंगे। राममंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं को दर्शन और आवागमन में कोई परेशानी न हो इसकी भी व्यवस्था कर दी गई है। भूटान के प्रधानमंत्री दाशों शेरिंग तोबगे दोपहर बाद विशेष विमान से स्वदेश लौट जायेंगे।

उच्च यील्ड और नकदी की भरमार से कॉर्पोरेट्स का उधारी से किनारा

- बॉन्ड यील्ड में वृद्धि के बावजूद कंपनियां पूंजीगत खर्च के लिए बैंक ऋण लेने से बच रही हैं

नई दिल्ली ।

भारतीय कंपनियां इन दिनों पूंजी जुटाने के पारंपरिक साधनों जैसे बैंक ऋण और कॉर्पोरेट बॉन्ड का कम इस्तेमाल कर रही हैं, भले ही बॉन्ड यील्ड में तेजी देखी जा रही हो। विशेषज्ञों के अनुसार, कंपनियों के पास पर्याप्त नकदी होने के चलते वे नई परियोजनाओं के लिए उधारी लेने में दिलचस्पी नहीं दिखा रहीं। जुलाई-अगस्त 2025 में कंपनियों ने केवल 1.19 लाख करोड़ रुपये की पूंजी घरेलू ऋण पूंजी बाजार से जुटाई, जबकि वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में यह आंकड़ा 3.42 लाख करोड़ रुपये था। जुलाई में बॉन्ड के जरिए 69,125 करोड़ और अगस्त में 50,152 करोड़ रुपये जुटाए गए। बॉन्ड बाजार में यील्ड में 20-25 आधार अंक की वृद्धि हुई है, जिससे निवेशकों का रुख सरकारी प्रतिभूतियों और राज्य विकास ऋण की ओर बढ़ गया है। इस बदलाव के चलते कॉर्पोरेट बॉन्ड की मांग कमजोर हुई है। जुलाई की शुरुआत में 10 वर्षीय सरकारी बॉन्ड की यील्ड 6.3 फीसदी थी, जो अगस्त के अंत तक 6.6 फीसदी पर पहुंच गई। बैंक ऋण की मांग भी सुस्त रही है।

आरबीआई के अनुसार, 25 जुलाई को समाप्त पखवाड़े में ऋण वृद्धि दर सालाना 6 फीसदी रही, जो पिछले साल की समान अवधि में 10.2 फीसदी थी। बाजार विश्लेषकों का कहना है कि यील्ड में अस्थिरता और उचित मूल्य का आकलन मुश्किल होने के कारण कॉर्पोरेट उधारी में अनिश्चितता बनी हुई है। जब तक यील्ड स्थिर नहीं होती या कंपनियों की कैपेक्स योजना आगे नहीं बढ़ती, ऋण बाजार में रफ्तार की उम्मीद कम है।

इंडिया पोस्ट ने अमेरिका के लिए डाक सेवाएं निलंबित कीं

नई दिल्ली ।

अमेरिका ने 800 डॉलर तक के सामान पर लागू शुल्क-मुक्त डी-मिनिमिस छूट को खत्म कर दिया है। इससे अब अमेरिका में छोटे मूल्य के आयात पर भी शुल्क और कर लगना शुरू हो गया है। इस कदम के विरोध में इंडिया पोस्ट ने अमेरिका के लिए अपनी सभी डाक सेवाएं निलंबित कर दी हैं।

2023 में इंडिया पोस्ट ने अमेरिका को 1.3 करोड़ पत्र भेजे थे, जो 2018 की तुलना में 80 फीसदी कम हैं। हालांकि, पार्सल भेजने में वृद्धि हुई है, जो 5.3 लाख पर पहुंच गया है। कोविड-19 के दौरान अमेरिका में डी-मिनिमिस आयात बढ़कर 67 अरब डॉलर हो गया था। वित्त वर्ष 2025 के नौ महीनों में यह लगभग 50 अरब डॉलर तक पहुंच गया। चीन की हिस्सेदारी घटकर 57.9 फीसदी रह गई है, जबकि कनाडा और ब्रिटेन की हिस्सेदारी बढ़ रही है। इस फैसले से भारत से अमेरिका जाने वाली डाक सेवाओं और ई-कॉमर्स व्यापार पर बड़ा असर पड़ सकता है। इंडिया पोस्ट को नई रणनीतियां बनानी होंगी या अन्य बाजारों की ओर रुख करना होगा।

मोटर वाहन उद्योग ने जीएसटी दरों में कटौती को बताया समयानुकूल फैसला

उद्योग संगठनों ने सरकार के कदम को साहसिक सुधार बताया

मुंबई ।

सरकार द्वारा मोटर वाहनों पर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में कटौती के फैसले का मोटर वाहन उद्योग ने जोरदार स्वागत किया है। उद्योग का मानना है कि यह निर्णय समय पर लिया गया है और इससे वाहनों की मांग में वृद्धि होगी, जिससे पूरे सेक्टर को नई ऊर्जा मिलेगी। सोसायटी ऑफ इंडिया ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के एक प्रमुख अधिकारी ने कहा कि सरकार द्वारा वाहनों पर जीएसटी को 18 फीसदी से 40 फीसदी के बीच निर्धारित करना उपभोक्ताओं के लिए राहत लेकर आया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सरकार जल्द ही बिना बिके वाहनों पर क्षतिपूर्ति उपकर से संबंधित तंत्र को भी अधिसूचित करेगी, जिससे इस बदलाव को सुचारू रूप से लागू किया जा सके। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के एक अधिकारी ने इसे साहसिक और प्रगतिशील सुधार बताया और कहा कि यह कदम सामर्थ्य बढ़ाएगा व परिवहन क्षेत्र को समावेशी बनाएगा।

वहीं ऑटोमोटिव कंपोनेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन के अधिकारी ने सभी ऑटो पार्ट्स पर 18 फीसदी की एक समान जीएसटी दर तय करने को ऐतिहासिक कदम बताया। टीवीएस मोटर कंपनी ने इसे समाज के सभी वर्गों के लिए खपत बढ़ाने वाला निर्णय बताया। उद्योग को उम्मीद है कि इस सुधार से न केवल बिक्री में वृद्धि होगी, बल्कि उत्पादन, निवेश और रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

भारतीय उत्पादों पर अमेरिकी शुल्क का असर कम करने सरकार सक्रिय

पीयूष गोयल की उद्योग प्रतिनिधियों संग बैठक, गुणवत्ता सुधार और वैकल्पिक बाजारों की तलाश पर जोर

नई दिल्ली।

अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर लगाए गए 50 फीसदी तक के शुल्क के प्रभाव को कम करने के लिए केंद्र सरकार ने सक्रिय पहल शुरू कर दी है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने निर्यात संवर्धन परिषदों और उद्योग संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक कर इस मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में गोयल ने उद्योग को भरोसा दिलाया कि सरकार कारोबारी सुगमता, लक्षित व्यापार समर्थन और समय पर नीतिगत हस्तक्षेप के जरिये मौजूदा चुनौतियों का समाधान निकालने में जुटी है। उन्होंने निर्यातकों से आग्रह किया कि वे अपने उत्पादों की गुणवत्ता सुधारें, वैश्विक मानकों के अनुरूप ढलें और आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाकर वैकल्पिक बाजारों की तलाश करें। वाणिज्य विभाग की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि बैठक में वैकल्पिक व्यवस्थाओं की जरूरत पर व्यापक सहमति बनी। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि निर्यात वृद्धि को रफ्तार देने और विभिन्न क्षेत्रों की चिंताओं को दूर करने के लिए दीर्घकालिक रणनीति पर काम चल रहा है। उद्योग प्रतिनिधियों ने अमेरिका द्वारा लगाए गए भारी शुल्क के चलते बढ़ती लागत और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आई कमी की ओर ध्यान दिलाया। उन्होंने मांग की कि सरकार शुल्क के अतिरिक्त बोझ को साझा करे और प्रस्तावित निर्यात संवर्धन मिशन को जल्द लागू किया जाए। सरकार ने आश्वस्त किया कि निर्यातकों को उपयुक्त माहौल देने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं।

आमजन को बड़ी राहतः जीवन रक्षक दवाओं और उपकरणों पर जीएसटी शून्य

– 33 जीवन रक्षक दवाएं टैक्स फ्री, 22 सितंबर से लागू होगा नया जीएसटी ढांचा

नई दिल्ली ।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार शाम एक अहम घोषणा करते हुए गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) ढांचे में बड़ा बदलाव किया। इसका सबसे बड़ा असर स्वास्थ्य क्षेत्र और आम आदमी पर पड़ेगा। सरकार ने 33 जीवन रक्षक दवाओं पर लगने वाला 12 फीसदी जीएसटी पूरी तरह से खत्म कर दिया है। यानी अब ये दवाएं टैक्स फ्री होंगी। साथ ही कैंसर, रेयर बीमारियों और अन्य गंभीर क्रॉनिक बीमारियों के इलाज में इस्तेमाल होने वाली तीन प्रमुख दवाओं पर भी 5 फीसदी जीएसटी को घटाकर शून्य कर दिया गया है। इसके अलावा सभी सामान्य दवाओं और मेडिसिन्स पर जीएसटी को 12 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी कर दिया गया है। इसमें ऑर्गेनो-थेरेप्यूटिक इस्तेमाल के लिए ग्लैंड्स और अन्य ऑर्गन्स, ग्लैंड्स या ऑर्गन्स के एक्सट्रैक्ट्स या उनके स्राव; हेपरिन और इसके साल्ट्स; मानव या पशु पदार्थ जो थेरेप्यूटिक या प्रोफिलैक्टिक उपयोग के लिए तैयार किए गए हों। इस फैसले से आम मरीजों को राहत मिलेगी और इलाज की लागत में कमी आएगी। सरकार ने टैक्स सिस्टम को सरल बनाते हुए नए जीएसटी ढांचे में अब सिर्फ दो स्लैब रखे हैं- 5 फीसदी और 18 फीसदी। वहीं सुपर लग्जरी और सिन गुड्स (जैसे शराब, तंबाकू आदि) पर 40 फीसदी का विशेष स्लैब लागू किया जाएगा। यह नया ढांचा 22 सितंबर 2025 से प्रभावी होगा। मेडिकल, सर्जिकल, डेंटल और वेटरनरी उपकरणों पर भी जीएसटी 12 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी कर दिया गया है। इसमें डायग्नॉस्टिक किट्स, ब्लड ग्लूकोज मॉनिटर, बैंडेज और गॉज जैसे जरूरी उपकरण शामिल हैं।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपय करीब 11 पैसे की गिरावट के साथ 88.13 पर बंद हुआ। आज सुबह विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी और अमेरिकी डॉलर में मजबूती के बीच रुपया अत्यधिक उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में एक पैसे टूटकर 88.03 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में कटौती से बाजार धारणा में सुधार हुआ और वैश्विक तेल कीमतों में गिरावट ने स्थानीय मुद्रा में गिरावट को सीमित कर दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.09 पर कमजोर रुख के साथ खुला। फिर इसमें तेजी आई और 87.85 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। हालांकि फिर से फिसलकर 88.03 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से एक पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.02 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 प्रतिशत की बढ़त के साथ 98.21 पर आ गया।

आईईएक्स का अगस्त बिजली कारोबार 18.9 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली । इंडियन एनर्जी एक्सचेंज (आईईएक्स) का अगस्त 2025 में बिजली कारोबार सालाना आधार पर 18.9 बढ़कर 1180.3 करोड़ यूनिट हो गया। बढ़ती मांग के बावजूद एक्सचेंज पर बिजली की कीमतें पिछले वर्ष की तुलना में कम रहीं, जिसका कारण आपूर्ति पक्ष की बेहतर नगदी रही। अगस्त में डे-अहेड मार्केट में बिजली का औसत मूल्य 4.00 रुपए प्रति यूनिट रहा, जो पिछले वर्ष से 7 फीसदी कम है। इस खंड में कुल 479.7 करोड़ यूनिट का कारोबार हुआ, जो जुलाई 2024 की तुलना में 3 फीसदी अधिक है और कुल कारोबार में इसका हिस्सा 34 फीसदी रहा। वहीं रियल टाइम मार्केट में कारोबार 44 फीसदी बढ़कर 502.9 करोड़ यूनिट हो गया। इसमें कीमत 3.38 रुपए प्रति यूनिट रही, जो सालाना 6 फीसदी की गिरावट दर्शाता है।

दिवाली पर हवाई किराया 50 फीसदी तक बढ़ा, उड़ानें कम हुईं

मुंबई । इस साल दीवाली सप्ताह (19 से 25 अक्टूबर) में हवाई किराया पिछले साल की तुलना में लगभग 50 प्रतिशत तक बढ़ गया है। मुंबई-पटना मार्ग का औसत इकॉनमी क्लास किराया 14,540 रुपए रहा, जबकि पिछले साल 9,584 रुपए था। बेंगलूरु-लखनऊ मार्ग पर किराया 9,899 से बढ़कर 6,720 रुपए हो गया है। रुपये की कमजोरी और विमानों की कमी इसके मुख्य कारण बताए जा रहे हैं। त्योहारों के कारण यात्रियों की संख्या बढ़ी है, जिससे अग्रिम बुकिंग भी तेज़ हो गई है। प्रमुख महानगरों जैसे दिल्ली, मुंबई, बेंगलूरु और चेन्नई में टिकट बुकिंग में 100 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि देखी गई है। इस साल अक्टूबर में घरेलू उड़ानों की संख्या प्रति सप्ताह 22,709 है, जो पिछले साल के 23,437 से 3.1 प्रतिशत कम है। एयर इंडिया का विमान रेट्रोफिटिंग कार्यक्रम उसकी उड़ान सेवा को प्रभावित कर रहा है। इंडिगो की उड़ान संख्या में मात्र 1.4 प्रतिशत की मामूली वृद्धि हुई है।

रिलायंस जियो की 9वीं वर्षगांठ पर फ्री असीमित डेटा और खास ऑफर

मुंबई । रिलायंस जियो ने अपनी 9वीं वर्षगांठ के मौके पर ग्राहकों के लिए बड़ा उपहार दिया है। कंपनी ने घोषणा की है कि 349 रुपये या उससे अधिक मूल्य वाले प्लान के ग्राहकों को 5 सितंबर से 5 अक्टूबर तक एक महीने के लिए फ्री असीमित डेटा मिलेगा। यह ऑफर मौजूदा प्लान के आधार पर अलग-अलग अवधि के लिए उपलब्ध होगा। साथ ही, इस ऑफर में मनोरंजन और अन्य ऐप की सब्सक्रिप्शन भी शामिल हैं। वर्तमान में जियो 5जी स्मार्टफोन वाले ग्राहकों को 349 रुपये या उससे अधिक वाले प्लान में अनलिमिटेड 5जी डेटा देती है। जियो ने उन ग्राहकों के लिए भी खुशखबरी दी है जिन्होंने लगातार 12 महीने तक 349 रुपये के प्लान का रिचार्ज किया है। ऐसे ग्राहकों को 13वें महीने की सेवा बिल्कुल मुफ्त मिलेगी। इस पहल से जियो अपने ग्राहकों को लंबे समय तक जोड़ने की कोशिश कर रही है। रिलायंस जियो इन्फोकॉम के चेयरमैन आकाश अंबानी ने कहा कि जियो को 50 करोड़ से अधिक भारतीयों का भरोसा मिला है, जो इस कंपनी की ताकत का परिचायक है। उन्होंने सभी जियो उपयोगकर्ताओं का धन्यवाद करते हुए कहा कि यह मील का पत्थर कंपनी के लिए गर्व का विषय है। इसके साथ ही, जियो फाइनैंशियल सर्विसेज लिमिटेड (जेएफएसएल) ने प्रवर्तक समूह की कंपनियों से 3,956 करोड़ रुपये की पूंजी जुटाई है। सिक्का पोर्ट्स और जामनगर यूटिलिटीज को कुल 50 करोड़ वारंट आवंटित किए गए हैं। यह पूंजी जेएफएसएल के विस्तार में मदद करेगी।

शेयर बाजार बढ़त पर बंद

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के चौथे ही कारोबारी दिन एशियाई बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही जीएसटी पर आये फैसले के बाद बाजार ऊपर आया पर आईटी और पीएसयू बैंक शेयरों में बिकवाली से पड़े दबाव से फिर नीचे आने लगा। अंत में 30 शेयरो वाला बीएसई सेंसेक्स केवल 150 अंक की बढ़त लेकर 80,718.01 पर बंद हुआ। इसी तरह 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी अंत में 19.25 अंक या 0.08 फीसदी उछलकर 24,734.30 पर बंद हुआ।

आज महिंद्रा एंड महिंद्रा सहित वाहन ऑटो स्टॉक्स में तेजी से बाजार को बढ़त मिली। जीएसटी काउंसिल ने दो स्लैब वाले नए स्ट्रक्चर को मंजूरी दी है। इससे बाजार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा। ऑटो और एफएमसीजी शेयरों में इस फैसले का अच्छा प्रभाव देखा गया। आज सुबह सेंसेक्स तेजी के साथ 81,456.67 अंक पर खुला। कारोबार के दौरान यह 700 अंक तक उछल गया था। इसी तरह निफ्टी भी बढ़त के साथ 24,980.75 पर खुला। कारोबार के दौरान यह 24,980.75 अंक के इंट्रा-डे हाई तक गया। निफ्टी ने दिन की शुरुआत मजबूत बढ़त के साथ की। इसमें वाहन और कंज्यूमर स्टेपल्स सेक्टर की तेजी ने अहम भूमिका निभाई। हालांकि, बाद में मुनाफावसूली और दिग्गज शेयरों में कमजोरी के कारण इंडेक्स नीचे आ गया।

एसटी 2.0 सुधारों से खपत-आधारित रिकवरी की उम्मीदें मजबूत हुई हैं। इसमें ऑटो और कंज्यूमर स्टेपल्स को सबसे अधिक लाभ मिलने की संभावना है। । हालांकि वैश्विक मैक्रो अनिश्चितताओं, लगातार हो रही विदेशी निवेशकों की बिकवाली और अमेरिकी टैरिफ के दबाव के कारण बाजार पर विपरीत प्रभाव बना रहा है।आज कारोबार के दौरान बीएसई की कंपनियों में महिंद्रा, बजाज फाइनेंस और बजाज फिनसर्व के शेयर लाभ में रहे। जबकि मारुति सुजुकी, बीईएल और एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शेयर गिरे।

इसी तरह प्रकार पर भी महिंद्रा, बजाज फाइनेंस और अपोलो हॉस्पिटल्स के शेयर उछले। जबकि एचडीएफसी लाइफ, टाटा कंज्यूमर और इंडसइंड बैंक के शेयर गिरे।

निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 0.67 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 0.71 फीसदी नीचे बंद हुआ। सेक्टोरल प्रदर्शन की बात करें तो निफ्टी ऑटो 0.85 फीसदी की बढ़त के साथ सबसे मजबूत सेक्टर रहा, इसके बाद एफएमसीजी ने 0.24 फीसदी की हल्की बढ़त दर्ज की। गिरावट वाले सेक्टर्स में निफ्टी पीएसयू बैंक , आईटी और मीडिया क्षेत्र रहा।

वहीं एशियाई बाजारों में गुरुवार को तेजी देखी गई। यह तेजी वॉल स्ट्रीट पर टेक शेयरों में आई रैली के बाद देखने को मिली। उससे नैस्डैक कंपोजिट और एसएंडपी 500 में मजबूती आई। हालांकि आर्थिक चिंताओं के चलते निवेशकों की धारणा पर दबाव बना रहा। इस दौरान जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 0.57 फीसदी ऊपर ट्रेड कर रहा था। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 इंडेक्स 0.67 फीसदी बढ़ा चढ़ा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 0.45 फीसदी की बढ़त के साथ कारोबार कर रहा था। हांगकांग का हैंगसेंग इंडेक्स 0.16 फीसदी बढ़ा, जबकि चीन का सीएसआई 300 लगभग स्थिर रहा।

भारत-चीन के बीच सीधी उड़ानें अक्टूबर तक शुरू, पर्यटन क्षेत्र में बढ़ेगी रौनक

नई दिल्ली । भारत और चीन के बीच रिश्तों में सुधार के साथ दोनों देशों के बीच सीधी उड़ानें अक्टूबर तक शुरू होने की उम्मीद है। इससे दोनों देशों के पर्यटन क्षेत्र को बड़ा फायदा मिलने वाला है। इंडियन एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स ने बताया कि अगर वीजा सुविधाओं और प्रचार अभियान को बेहतर तरीके से संभाला गया तो अगले 12 से 18 महीनों में चीन से भारत आने वाले पर्यटकों की संख्या में 20 से 25 प्रतिशत तक की वृद्धि संभव है। कोविड-19 महामारी के बाद बंद हुए हवाई रास्ते खुलने से यात्रा तेज, सुविधाजनक और किफायती होगी। एयर इंडिया, चाइना ईस्टर्न, चाइना सदर्न, एयर चाइना और चाइना एयरलाइंस जैसी प्रमुख एयरलाइनों ने उड़ान बहाली की घोषणा के बाद तुरंत सेवाएं शुरू करने की तैयारी कर ली है। आईएटीओ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि टूर ऑपरेटर और यात्रा एग्रीगेटर आकर्षक यात्रा पैकेज तैयार कर रहे हैं और डिजिटल बुकिंग सिस्टम में सुधार कर रहे हैं। फेडरेशन ऑफ एसोसिएशंस इन इंडियन टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी के अनुसार चीन से आने वाले पर्यटकों की संख्या बढ़ने से भारत की पर्यटन उद्योग को कोविड-19 से पहले के स्तर को पार करने में मदद मिलेगी। विदेश मंत्रालय ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच यात्रा और पर्यटन को बढ़ावा देने की जरूरत पर बल दिया है।

भारत बनेगा वैश्विक स्टील मांग का नया केंद्र, चीन की पकड़ होगी ढीली

– 2050 तक चीन की हिस्सेदारी घटकर 31 फीसदी होने की उम्मीद

मुंबई ।

आगामी दशकों में भारत वैश्विक स्टील की मांग का प्रमुख केंद्र बनकर उभरने जा रहा है, जबकि चीन की पकड़ इस क्षेत्र में कमजोर होती दिखाई दे रही है। वर्ष 2024 में चीन की वैश्विक स्टील खपत में हिस्सेदारी 49 फीसदी थी, जो 2050 तक घटकर 31 फीसदी हो जाने का अनुमान है। इसके विपरीत भारत की हिस्सेदारी वर्तमान 8 फीसदी से बढ़कर सदी के मध्य तक 21 फीसदी तक पहुंच सकती है। एक शोध संस्था के अनुसार चीन में स्टील की मांग में गिरावट का मुख्य कारण वहां की अर्थव्यवस्था का पारंपरिक बुनियादी ढांचे-आधारित विकास मॉडल से हटना है। चीन में स्टील की प्रमुख मांग रियल एस्टेट क्षेत्र से आती थी, जो अब लगातार कमजोर हो रहा है। साथ ही, चीन में अधिशेष उत्पादन भी बढ़ने की आशंका है। 2050 तक यह अधिशेष 50 टन तक पहुंच सकता है, और दीर्घकाल में यह 350 टन से भी अधिक हो सकता है। शांदोंग और जियांग्सू जैसे प्रमुख प्रांतों ने उत्पादन में कटौती शुरू कर दी है। वहीं दूसरी ओर, भारत का परिदृश्य मजबूत बना हुआ है। वर्ष 2024 में देश में स्टील की मांग में 8 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई और 2025 में इसमें 7 फीसदी से अधिक की वृद्धि की संभावना है। दीर्घावधि में यह वृद्धि 4-5 फीसदी सालाना रहने की उम्मीद है। इस वृद्धि के पीछे सरकार की यातायात गलियारे, नवीकरणीय ऊर्जा, शहरी विकास जैसी परियोजनाओं में निवेश और वाहन व मशीनरी क्षेत्रों में बढ़ती मांग जिम्मेदार है। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले वर्षों में भारत वैश्विक स्टील उद्योग में नेतृत्वकारी भूमिका निभा सकता है।

मदर डेयरी उपभोक्ताओं तक पहुंचाएगी जीएसटी कटौती का लाभ

नई दिल्ली ।

मदर डेयरी ने गुरुवार को घोषणा की कि वह केंद्र सरकार द्वारा दुग्ध उत्पादों पर की गई जीएसटी कटौती का सीधा लाभ उपभोक्ताओं को देगी। यह निर्णय पनीर, चीज़, घी, मक्खन, यूएचटी दूध, दूध आधारित पेय और आइसक्रीम जैसे उत्पादों पर लागू होगा। मदर डेयरी के एक प्रमुख अधिकारी ने सरकार के इस कदम का स्वागत करते हुए कहा कि इससे मूल्यवर्धित दुग्ध उत्पादों की पहुंच उपभोक्ताओं तक बेहतर होगी। उन्होंने कहा कि पैकेज्ड श्रेणी की मांग तेजी से बढ़ रही है और इस सुधार से उसमें और इज़ाफा होगा। कंपनी ने यह भी आश्वासन दिया कि वह इस कटौती का पूरा लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। इससे न सिर्फ उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी, बल्कि किसानों को भी अधिक अवसर मिलेंगे।

संक्षिप्त

सिंगापुर के खिलाफ एएफसी एशियाई कप क्वालीफायर 14 अक्टूबर को गोवा में

नई दिल्ली, एजेंसी। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने बृहस्पतिवार को कहा कि सिंगापुर के खिलाफ एएफसी एशियाई कप ग्रुप सी का आखिरी दौर का क्वालीफायर 14 अक्टूबर को गोवा में खेला जायेगा। एआईएफएफ ने अपने सोशल मीडिया पेज पर इसकी जानकारी दी। इसमें कहा गया, ''एएफसी एशियाई कप ग्रुप सी का आखिरी दौर का क्वालीफायर भारत और सिंगापुर के बीच 14 अक्टूबर को गोवा के पंडित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम पर होगा।'' पहले चरण का मैच सिंगापुर के नेशनल स्टेडियम पर नौ अक्टूबर को खेला जायेगा। सिंगापुर इस समय एक जीत और एक ड्रॉ के साथ शीर्ष पर है जबकि भारत एक ड्रॉ और एक हार के साथ सबसे नीचे है। ग्रुप के विजेता को सउदी अरब में 2027 एएफसी एशियाई कप में जगह मिलेगी।

यूएई ने एशिया कप 2025 के लिए टीम की घोषित

दुबई, एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने गुरुवार को एशिया कप 2025 के लिए मुहम्मद वसीम अगुवाई वाली 17 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। चयनकर्ताओं ने टीम में दाएं हाथ के तेज गेंदबाज मतिउल्लाह खान और बाएं हाथ के स्पिनर सिमरनजीत सिंह, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के खिलाफ चल रही टी-20 त्रिकोणीय श्रृंखला में यूएई की टीम में शामिल किए गए दो नए खिलाड़ियों को बरकरार है। 32 वर्षीय मतिउल्लाह ने अब तक केवल एक एकदिवसीय और पांच अंतरराष्ट्रीय टी-20 मैच खेले हैं। इनमें से आखिरी टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच उन्होंने जुलाई में पर्ल ऑफ अफ्रीका सीरीज में नाइजीरिया के खिलाफ खेला था।

अवैध सट्टेबाजी ऐप मामले में धवन प्रवर्तन निदेशालय के समक्ष पेश

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन बृहस्पतिवार को एक कथित अवैध सट्टेबाजी ऐप से जुड़े धन शोधन मामले में पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय के सामने पेश हुए। वह मध्य दिल्ली स्थित निदेशालय के कार्यालय में सुबह 11 बजे पहुंचे। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि जाँच एजेंसी 'वन एक्स बेट' नामक एक अवैध सट्टेबाजी ऐप से जुड़ी इस जाँच के तहत धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत उनका बयान दर्ज करेगी। ऐसा माना जा रहा है कि 39 वर्षीय पूर्व भारतीय क्रिकेटर कुछ विज्ञापनों के ज़रिए इस ऐप से जुड़े हैं। ईडी पूछताछ के दौरान इस ऐप से उनके संबंधों को समझना चाहता है। एजेंसी अवैध सट्टेबाजी ऐप्स से जुड़े ऐसे कई मामलों की जाँच कर रही है जिन पर कई लोगों और निवेशकों से करोड़ों रुपये की ठगी करने या भारी कर चोरी का आरोप है।पिछले महीने पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना से इस मामले में पूछताछ की गई थी।

एनडीटीएल ने डोप जांच में अधिक सटीकता के लिए नया मेटाबोलाइट विकसित किया

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला (एनडीटीएल) ने प्रतिबंधित एनाबॉलिक स्टेरॉयड का पता लगाने में अधिक सटीकता हासिल करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है और इसके लिए उसने एक 'मेटाबोलाइट' विकसित किया है जिससे मूत्र के नमूनों में इस पदार्थ का पता लगाने में आसानी होगी। 'मेटाबोलाइट' चयापचय प्रक्रिया का एक मध्यवर्ती या अंतिम उत्पाद है। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने अपने 'एक्स' पेज पर इसके बारे में पोस्ट करते हुए भारत के खेल विज्ञान और नवाचार के वैश्विक केंद्र के रूप में तेजी से उभरने की सराहना की।

अमित मिश्रा ने क्रिकेट को कहा अलविदा

सचिन तेंदुलकर से भी लंबा रहा अमित मिश्रा का करियर

नई दिल्ली, एजेंसी। 2025 का साल क्रिकेट जगत में हैरान करने वाला रहा है। लगातार खिलाड़ी संन्यास का ऐलान कर रहे हैं। हाल ही भारत के दिग्गज खिलाड़ी आर अश्विन ने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास का ऐलान किया था। अब टीम इंडिया के लेग स्पिनर अमित मिश्रा ने भी अपने लंबे करियर का अंत करते हुए रिटायरमेंट का ऐलान कर दिया है।

भावुक विदाई संदेश में जताया आभार

42 वर्षीय पूर्व भारतीय लेग स्पिनर अमित मिश्रा ने अपने 25 साल लंबे क्रिकेट करियर को अलविदा कहते हुए भावुक विदाई संदेश साझा किया। उन्होंने कहा, ₹क्रिकेट में ये 25 साल मेरे लिए बेहद यादगार रहे हैं। मैं बीसीसीआई, प्रशासन, हरियाणा एसोसिएशन, सहयोगी स्टाफ, अपने साथी खिलाड़ियों और परिवार का तहे दिल से शुक्रिया अदा करता हूं।₹ अमित ने आगे कहा, ₹मैं अपने फैंस का भी शुक्रगुजार हूं, जिन्होंने हर कदम पर मेरा साथ दिया। क्रिकेट ने मुझे अनगिनत यादें और अनमोल सबक दिए हैं। मैदान पर बिताया हर पल मेरे लिए एक यादगार अनुभव बन गया है जिसे मैं जिंदगी भर संजो कर रखूंगा।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अहम योगदान

अमित मिश्रा ने टीम इंडिया के लिए 22 टेस्ट, 36 वनडे और 10 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं। टेस्ट में उन्होंने 76 विकेट झटके और 648 रन बनाए। वनडे में उन्होंने 64 विकेट लिए और 43 रन बनाए। वहीं टी20I में 16 विकेट झटके, हालांकि उन्हें बल्लेबाज़ी का ज्यादा मौका नहीं मिला।

घरेलू क्रिकेट में शानदार रिकॉर्ड

घरेलू क्रिकेट में भी अमित का प्रदर्शन शानदार रहा। उन्होंने 152 प्रथम श्रेणी मैचों में 4176 रन बनाए और 535 विकेट लिए। सूची ए क्रिकेट में 910 रन और 252 विकेट उनके नाम रहे। वहीं, आईपीएल समेत घरेलू टी20 में 259 मैचों में उन्होंने 808 रन बनाए और 285 विकेट चटकाए।

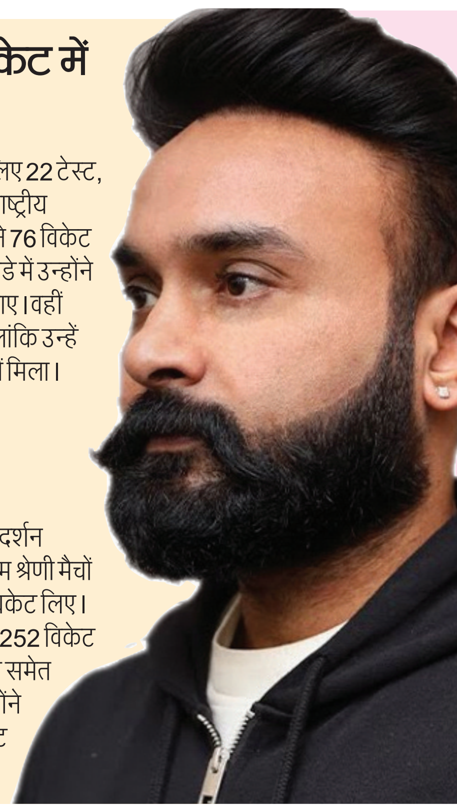

तेंदुलकर से भी लंबा करियर

दिलचस्प बात यह है कि अमित मिश्रा का क्रिकेट करियर "क्रिकेट के भगवान" कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर से भी लंबा रहा। जहां सचिन ने 2013 में 24 साल के करियर के बाद संन्यास लिया, वहीं अमित ने 25 साल तक क्रिकेट खेला।

कब खेला था आखिरी इंटरनेशनल मैच?

अमित ने भारत के लिए आखिरी वनडे 2016 में न्यूज़ीलैंड के खिलाफ खेला था। उसी साल उन्होंने अपना अंतिम टेस्ट मैच भी खेला। 2017 में इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए टी20 मैच के बाद से वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से बाहर रहे।

लगातार तीसरे टी20 सीरीज जीत से उत्साहित हैं लिटन दास

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश टी20 टीम के कप्तान लिटन कुमार दास ने कहा है कि उनकी टीम आगामी एशिया कप के लिए पूरी तरह तैयार है। टूर्नामेंट का आगाज़ 9 सितंबर से यूएई में होने जा रहा है।

बांग्लादेश ने हाल ही में नीदरलैंड्स को तीन मैचों की टी20 सीरीज में 2-0 से हराया। तीसरा मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया। यह बांग्लादेश की लगातार तीसरी टी20 सीरीज जीत है। इससे पहले उन्होंने श्रीलंका और पाकिस्तान को हराया था।

लिटन ने टीम की इस सफलता का श्रेय प्री-सीरीज कैंप को दिया। टीम ने पहले ढाका में फिटनेस कैंप लगाया और फिर सिलहट में स्किल कैंप आयोजित किया, जहां बेहतर पिचों पर खिलाड़ियों ने अभ्यास किया।

लिटन ने कहा, "मुझे लगता है हम एशिया कप के लिए अच्छी तरह तैयार हैं। जो कैंप हमने किया था, वह सिर्फ इस सीरीज के लिए नहीं था, बल्कि एशिया कप को ध्यान में रखकर किया गया था। मैंने पहले कभी इतना अच्छा कैंप नहीं देखा।" उन्होंने आगे कहा, "फिटनेस तो मीरपुर में भी हो सकती थी, लेकिन जिस तरह की प्रैक्टिस की ज़रूरत थी, वह केवल सिलहट में संभव थी। कुल मिलाकर यह यात्रा हमारे लिए बहुत फायदेमंद रही।

लिटन ने इस दौरान खिलाड़ियों को मिले मैच टाइम को भी अहम बताया। "जिसे भी खेलने का मौका मिला, उसने अच्छा प्रदर्शन किया। सिर्फ सैफुद्दीन ही कुछ खास नहीं कर पाए। बाकियों ने कम से कम एक मैच में योगदान दिया। प्रैक्टिस जरूरी है, लेकिन उससे भी ज्यादा जरूरी है मैच में प्रदर्शन करना।

मेंडिस की तूफानी पारी से श्रीलंका ने जिम्बाब्वे को दी शिकस्त

हरारे, एजेंसी। कामिंडु मेंडिस की नाबाद 41 रन की तूफानी पारी से श्रीलंका ने जिम्बाब्वे को पहले टी-20 मुकाबले में बुधवार को पांच गेंद शेष रहते चार विकेट से शिकस्त दे दी।जिम्बाब्वे ने ब्रायन बेनेट (81) और कप्तान सिकंदर रजा (28) के दम पर 20 ओवर में सात विकेट पर 175 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया लेकिन श्रीलंका ने 191 ओवर में छह विकेट पर 177 रन बनाकर जीत अपने नाम की और तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली।लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका को पथुम निसंका और कुसल मेंडिस ने 96 रन की शानदार शुरुआत दी। निसंका ने 55 और मेंडिस ने 38 रन बनाये। लेकिन इसके बाद श्रीलंका ने विकेट गंवाए और 17 ओवर में उसका स्कोर छह विकेट पर 142 रन हो गया।

कामिंडु मेंडिस ने मात्र 16 गेंदों में चार छक्के उड़ाते हुए नाबाद 41 रन ठोके और श्रीलंका को जीत की मंजिल पर पहुंचा दिया। दुशान हेमंता ने नौ गेंदों में नाबाद 14 रन बनाकर कामिंडु मेंडिस का अच्छा

साथ दिया।इससे पहले टॉस जीतकर कर श्रीलंका ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी जिम्बाब्वे की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने तीसरे ही ओवर में तड़िवनाशे मारुमानी (सात) का विकेट गंवा दिया। उन्हें दुष्मंता चमीरा ने आउट किया। छठे ओवर में महीश तीक्षणा ने शॉन विलियम्स (14) को आउट कर श्रीलंका को दूसरी सफलता दिलाई। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान सिकंदर रजा ने सलामी बल्लेबाज ब्रायन बेनेट के साथ तीसरे विकेट के लिए 50 रन जोड़े।

भारत बनाम दक्षिण कोरिया मैच 2-2 से रहा ड्रा

सुपर फोर

- तेज बारिश के कारण भारत और दक्षिण कोरिया के बीच सुपर फोर का दूसरा मैच करीब 50 मिनट की देरी से शुरू हुआ

राजगीर, एजेंसी। सुपर फोर के पहले मैच में भारत को दक्षिण कोरिया से अंक बांटना पड़ा। कांटे की टक्कर में मुकाबला 2-2 से बराबरी पर समाप्त हुआ। दोनों टीमों को एक-एक अंक मिला। दूसरी तरफ, मलेशिया ने चीन को मात देकर फाइनल की ओर एक कदम बढ़ा दिया है। सुपर फोर के दो मैचों के बाद मलेशिया के तीन तो भारत और कोरिया के एक-एक अंक है। इससे पहले पांचवे से आठवें स्थान तक के लिए हुए मुकाबले में जापान ने चीनी ताइपे को 2-0 से हरा दिया। हालांकि, अनुमान के विपरीत चीनी ताइपे ने जापान जैसी मजबूत टीम के खिलाफ बेहतर खेल दिखाया और अधिक गोल नहीं होने दिया।

50 मिनट देर से शुरू हुआ मुकाबला : तेज बारिश के कारण भारत और दक्षिण कोरिया के बीच सुपर फोर का दूसरा मैच करीब 50 मिनट की देरी से शुरू हुआ। मैच की शुरुआत में भारतीय खिलाड़ियों ने बेहतर खेल दिखाया। पहले क्वार्टर के आठवें मिनट में ही हार्दिक सिंह ने शानदार मैदानी गोल दागकर भारत को एक गोल की बढ़त दिला दी। 12वें मिनट में

कोरिया के झुन यांग ने पेनाल्टी स्ट्रोक को गोल में बदलकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। पहले क्वार्टर की समाप्ति से ठीक एक मिनट पहले कोरिया को पेनाल्टी कॉर्नर मिल गया। ह्वेनहोंग किम ने इसे भी गोल में बदलकर कोरिया को 2-1 की बढ़त दिला दी। इसके बाद भारतीय खिलाड़ियों ने लगातार कोरियाई गोल पोस्ट पर आक्रमण किया। गोल करने के कई मौके बनाये पर भारतीय खिलाड़ी गोल करने में सफल नहीं हो पाये। दूसरा व तीसरा क्वार्टर गोलरहित रहा। अंतिम क्वार्टर में भारतीय खिलाड़ियों ने जान झोंक दी। पेनाल्टी कॉर्नर भी मिले पर गोल नहीं हो पाया। 53वें मिनट में मनदीप सिंह ने मैदानी गोल दागकर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। कोरियाई गोलकीपर को मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया।

मलेशिया का विजयी अभियान जारी : पिछले एशिया कप का उपविजेता मलेशिया इस टूर्नामेंट में गजब के फार्म में चल रहा है। तीनों पूल मैच जीतकर मलेशिया ग्रुप-बी की टॉप टीम बनी। सुपर फोर का आगाज भी उसने शानदार अंदाज में किया। चीन की कड़ी चुनौती को ध्वस्त कर मलेशिया ने फाइनल की ओर एक कदम बढ़ा दिया है। रोमांचक मुकाबले में मलेशिया ने चीन को 2-0 से हरा दिया। हाफ टाइम तक दोनों टीमें 0-0 से बराबरी पर थीं। दोनों टीमों ने गोल करने के कई मौके गवांये। ज्यादातर समय तक मलेशिया की टीम ने चीनी गोलपोस्ट पर आक्रमण किया। चीन की रक्षापंक्ति ने मलेशियाई खिलाड़ियों को बांधे रखा। ऐसा लग रहा था कि मैच बराबरी पर समाप्त होगा। इसी दौरान 45वें मिनट में मलेशिया के सैयद चोलन ने पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। दो मिनट बाद ही टूर्नामेंट के टॉप स्कोरर अखिलमुल्ला अनाउर ने मैदानी गोल दागकर बढ़त को दोगुना कर दिया। अंतिम 10 मिनट में चीन की टीम ने गोल करने का काफी प्रयास किया। मलेशिया की रक्षापंक्ति ने चीन को गोल नहीं करने दिया। मलेशिया के फित्री सारी को मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया गया।

जापान ने मैच जीता, चीनी ताइपे ने दिल : पहला मुकाबला पांचवें से आठवें स्थान के लिए जापान और चीनी ताइपे के बीच खेला गया। काफी पसीना बहाने के बाद जापान को 2-0 से जीत मिली। जापान ने मैच जीता तो चीनी ताइपे ने बेहतरीन डिफेंस का प्रदर्शन कर लोगों का दिल जीत लिया। जापान ने पहले क्वार्टर में ही 2-0 की बढ़त ले ली थी। मैच के पांचवें और 11वें मिनट में रोसुके सिनोहारा ने दोनों मैदानी गोल किये। उन्हें मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। इसके बाद तीनों क्वार्टर में जापान के खिलाड़ियों ने दर्जनों बार चीनी ताइपे के गोलपोस्ट पर आक्रमण किया। गोल करने के मौके भी बनाया। ताइपे के खिलाड़ियों ने जापान को एक भी गोल करने नहीं दिया। पांचवां स्थान हासिल करने के लिए जापान अब बांग्लादेश और कजाकिस्तान के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ेगा।

माधव गोपाल कामथ ने जीता 'विश्व युवा स्क्रैबल चैंपियन- 2025' का खिताब

मुंबई, एजेंसी। दिल्ली के 14 वर्षीय माधव गोपाल कामथ ने विश्व युवा स्क्रैबल चैंपियनशिप - 2025 (डब्ल्यूवाईएससी) का खिताब जीत लिया है। वह वैश्विक स्क्रैबल खिताब जीतने वाले पहले भारतीय हैं। भारतीय स्क्रैबल के लिए यह एक ऐतिहासिक क्षण है।

विश्व में भारत के सर्वोच्च रैंक वाले स्क्रैबल खिलाड़ी और मौजूदा राष्ट्रीय चैंपियन माधव ने विश्व अंग्रेजी-भाषा स्क्रैबल खिलाड़ी संघ (डब्ल्यूईएसपीए) द्वारा मलेशिया के कुआलालम्पुर में आयोजित वार्षिक टूर्नामेंट के 20वें संस्करण में 18 देशों के 218 अंडर-18 खिलाड़ियों में शीर्ष स्थान हासिल किया।

माधव ने 24 राउंड में से 21 में प्रभावशाली जीत हासिल करते हुए

अंतिम राउंड में चैंपियनशिप जीत ली। हर साल की तरह, भारत ने डब्ल्यूवाईएससी में एक मजबूत दल भेजा था। इसमें देश के 12 सर्वश्रेष्ठ युवा स्क्रैबल खिलाड़ी शामिल थे, जिसमें सात लड़के और पांच लड़कियां थीं। इन्हें मुंबई की खिलाड़ी और कोच नीता भाटिया ने प्रशिक्षित किया।

पिछले वर्ष श्रीलंका में आयोजित प्रतियोगिता में उपविजेता रहे बेंगलुरु के 15 वर्षीय सुयश मंचली ने 17 जीत के साथ पांचवां स्थान हासिल किया। भारतीय दल को एस्सार फाउंडेशन, स्क्रैबल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसएआई) और वर्डहोलिक्स ने सहयोग दिया था।

स्क्रैबल एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष हरविंदरजीत भाटिया ने कहा, "माधव की जीत भारतीय स्क्रैबल के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है और पूरे समुदाय के लिए गौरव का क्षण है। पिछले कुछ वर्षों में, हमारे युवा खिलाड़ियों ने अपार प्रतिभा दिखाई है। यह खिताब वैश्विक स्क्रैबल में भारत के बढ़ते कद को दर्शाता है। हम डब्ल्यूवाईएससी 2025 में टीम इंडिया का समर्थन करने और ऐसी उपलब्धियों के लिए मंच तैयार करने में मदद करने के लिए एस्सार फाउंडेशन के आभारी हैं।

एस्सार फाउंडेशन के प्रवक्ता ने कहा, "हमें डब्ल्यूवाईएससी- 2025 में टीम इंडिया की ऐतिहासिक उपलब्धि, खासकर माधव गोपाल कामथ की असाधारण जीत पर बेहद गर्व है। एस्सार फाउंडेशन में, हमारा मानना है कि खेल, चाहे शारीरिक हों या बौद्धिक, प्रेरित करने, शिक्षित करने और एकजुट करने की शक्ति रखते हैं। इन युवा स्क्रैबल चैंपियनों का समर्थन करना प्रतिभाओं को निखारने और अगली पीढ़ी के लिए उत्कृष्टता के अवसर पैदा करने के हमारे मिशन का केंद्र बिंदु है।

चैंपियन बनने के बाद माधव ने कहा, "विश्व स्क्रैबल खिताब जीतने वाला पहला भारतीय बनना एक सपने के सच होने जैसा है। मैं अपने परिवार, कोचों और साथियों के समर्थन के लिए आभारी हूं।

बीसीसीआई ने जर्सी प्रायोजन के लिए नया आधार मूल्य निर्धारित किया

मुंबई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने भारतीय क्रिकेट टीम के प्रायोजन के लिए मूल्यांकन बढ़ा दिया है और एक नया आधार मूल्य निर्धारित किया है जो निवर्तमान प्रायोजक ड्रीम11 द्वारा चुकाई जा रही राशि से अधिक है। उद्योग सूत्रों के अनुसार, नया आरक्षित मूल्य, जैसा कि समझा जाता है, द्विपक्षीय मैचों के लिए 3.5 करोड़ रुपये और बहुपक्षीय मुकाबलों, विशेष रूप से आईसीसी और एसीसी प्रतियोगिताओं के लिए लगभग 1.5 करोड़ रुपये है।

बाजार में चर्चा में रहे ये आंकड़े द्विपक्षीय मैचों के लिए 3.17 करोड़ रुपये और बहुपक्षीय मैचों के लिए 1.12 करोड़ रुपये की मौजूदा दरों से थोड़े अधिक हैं। इस संशोधन के साथ, बीसीसीआई द्विपक्षीय प्रतियोगिताओं के लिए न्यूनतम मूल्यांकन में 10 प्रतिशत से अधिक और बहुपक्षीय टूर्नामेंटों के लिए लगभग तीन प्रतिशत की वृद्धि का लक्ष्य लेकर चल रहा है।

दोनों संपत्तियों के मूल्यांकन में अंतर स्वाभाविक है, क्योंकि द्विपक्षीय मैचों के दौरान प्रायोजकों को ज़्यादा फ़ायदा होता है जब उनके ब्रांड का नाम खिलाड़ियों की छाती पर प्रमुखता से छपा होता है। इसके विपरीत, आईसीसी और एसीसी आयोजनों के दौरान, ब्रांड का ज़िक्र सिर्फ़ आस्तीन तक ही सीमित रहता है, जिसके परिणामस्वरूप ब्रांड की दृश्यता अपेक्षाकृत कम होती है।

पीएकएल

बंगाल के लिए उसके स्टार रेडर देवांक दलाल (17) ने एक बार फिर कमाल किया

पुनेरी पल्टन की जीत की हैट्रिक, बंगाल वारियर्स को 9 अंक से हराया

विशाखापट्टनम, एजेंसी। शानदार फार्म में चल रही पुनेरी पल्टन ने बुधवार को प्रो कबड्डी लीग (पीएकएल) के 12वें सीजन के 11वेंमैच में बंगाल वारियर्स को 45-36 के अंतर से हराकर जीत की हैट्रिक पूरी की। बंगाल को इस सीजन में पहली हार मिली है। यहां विश्वनाथ स्पोर्ट्स क्लब स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में पल्टन के लिए कप्तान असलम इनामदार और आदित्य शिंदे ने 10-10 बटोरे जबकि डिफेंस में विशाल भारद्वाज ने हाई-5 लगाया। इसके अलावा गुरदीप और पंकज मोहिते ने भी 5-5 अंक लिए।

बंगाल के लिए उसके स्टार रेडर देवांक दलाल (17) ने एक बार फिर कमाल किया लेकिन बाकी के खिलाड़ियों का साथ नहीं मिल पाने के कारण वह अपनी टीम

को हार से नहीं बचा सके। दोनों टीमों ने धमाकेदार शुरुआत की। शुरुआती 10 मिनट में ही तीन मल्टीप्वाइंटर और एक सुपर रेड लग गया। छह मिनट के बाद दोनों टीमें 7-7 की बराबरी पर थीं लेकिन इसके बाद पल्टन ने रफ्तार पकड़ी। आठवें मिनट में आदित्य ने दो अंक की रेड के साथ फासला तीन कर दिया। बंगाल के लिए सुपर टैकल आन था। आदित्य आए और मयूर को बाहर कर बंगाल को आलआउट की ओर धकेला। 10 मिनट बाद पल्टन 13-9 से आगे थे।

अंतिम खिलाड़ी के तौर पर देवांक मैट पर थे। पल्टन के डिफेंस ने दूसरी बार उनका शिकार कर बंगाल को आलआउट कर 16-10 की लीड ले ली। आलइन के बाद हालांकि देवांक ने एक तरफ का डिफेंस साफ कर दो अंक लिए। फिर दोनों टीमों को एक-एक अंक मिला। देवांग ने अगली रेड में स्कोर 14-17 कर दिया। इसके बाद प्रतीक ने आदित्य का शिकार कर स्कोर 15-17 किया और फिर देवांक ने फासला एक का कर दिया।

बंगाल ने पल्टन के पहली बार सुपर टैकल सिचुएशन में डाला लेकिन उसने इससे दो अंक लेकर स्कोर 21-16 कर दिया। पल्टन हालांकि अधिक देर तक आलआउट नहीं बचा सके और इस तरह बंगाल ने शानदार वापसी करते हुए स्कोर 21-22 कर दिया। आलइन के बाद पल्टन ने फिर रफ्तार पकड़ी और हाफटाइम तक स्कोर 26-22 कर दिया। इस बीच देवांक और असलम ने सुपर-10 पूरा किए।

हाफटाइम के बाद पल्टन ने एक के मुकाबले तीन अंक लेकर फासला 6 का किया और साथ ही बंगाल को सुपर टैकल की स्थिति में ला दिया। फिर पल्टन ने बंगाल को आलआउट की ओर धकेला और इसे अंजाम देकर 34-24 की लीड ले ली। आलइन के बाद देवांक ने दो बोनस लेकर फासले को कम करने की कोशिश की लेकिन आदित्य और पंकज इसे 10 का बनाए रखे हुए थे।

इस बीच आदित्य ने सुपर-10 पूरा किया। खेल अंतिम 10 मिनट में प्रवेश कर चुका था लेकिन 10 अंकों का फासला बंगाल के लिए चुनौती बन गया था। इस बीच अंकित ने पंकज और देवांक ने विशाल का शिकार कर स्कोर 39-31 कर दिया लेकिन गुरदीप ने देवांक को लपक बंगाल को बड़ा झटका दे दिया। फिर गुरदीप ने मनप्रीत को लपक फासला फिर 10 का कर दिया। इसके बाद हालांकि बंगाल ने लगातार दो अंक लेकर फासला 8 का कर दिया। समय हालांकि फिसला जा रहा था। बंगाल की टीम तमाम कोशिशों के बावजूद यह अंतर पाट नहीं सकी और सीजन की पहली हार को मजबूर हुई।

कांतारा चैप्टर 1 के बाद टॉक्सिक और जूनियर एनटीआर की फिल्म में भी रुक्मिणी वसंत की एंट्री

कन्नड़ सिनेमा की बेहद हसीन एक्ट्रेस रुक्मिणी वसंत के सितारे इन दिनों 9वें आसमान पर हैं। 28 साल की इस हसीना ने छह साल पहले 2019 में एक्टिंग करियर की शरुआत की थी। अब ऐसा लग रहा है कि वह साउथ सिनेमा की सबसे बड़ी सुपरस्टार बनने की तैयारी में हैं।

पिछले दिनों ऋषभ शेट्टी की कांतारा चैप्टर 1 में उनकी एंट्री ने सुर्खियां बटोरी थीं, वहीं अब प्रोड्यूसर एनवी प्रसाद ने खुलासा किया है कि रुक्मिणी यश स्टारर टॉक्सिक और प्रशांत नील-जूनियर एनटीआर की फिल्म ड्रैगन में भी लीड रोल में नजर आएंगी। खास बात यह है कि रुक्मिणी इन दिनों एआर मुरुगदॉस के साथ अपनी फिल्म मधरासी के प्रमोशन में भी जुटी हुई हैं।

एनवी प्रसाद ने यह घोषणा शिवकार्तिकियन और रुक्मिणी स्टारर तमिल फिल्म मधरासी के प्रमोशन इवेंट में की है। उन्होंने बताया कि एक्ट्रेस को प्रशांत नील के डायरेक्शन में बन रही जूनियर एनटीआर स्टारर एक्शन ड्रामा ड्रैगन और गीतू मोहनदास निर्देशित टॉक्सिक-अ फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स में भी कास्ट किया गया है।

इस साल मधरासी के बाद कांतारा चैप्टर 1 अगले साल भी रुक्मिणी की दो फिल्में

रुक्मिणी वसंत का नाम पिछले कुछ समय से एनटीआर-नील प्रोजेक्ट को लेकर लगातार चर्चा में था। सोशल मीडिया पर इसको लेकर तमाम तरह की रिपोर्ट आ रही थी। हालांकि, निर्माताओं ने इससे पहले कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की थी। यकीनन अगला साल 2026 रुक्मिणी वसंत के लिए बेहद खास होने वाला है।

रुक्मिणी वसंत की फिल्में

रुक्मिणी वसंत ने इसके अलावा बनादारियाल्ली, बघीरा और भैरथी रानागल जैसी बड़े बैनर वाली कन्नड़ फिल्मों में काम किया है। उन्होंने अप्पुडो इप्पुडो एप्पुडो और ऐस जैसी फिल्मों से तेलुगू और तमिल इंडस्ट्री में भी कदम रखा। अब उनकी शिवकार्तिकियन स्टारर मधरासी इसी शुक्रवार, 5 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

कौन हैं रुक्मिणी वसंत

साल 2019 में अपने करियर की शुरुआत करने वाली रुक्मिणी वसंत 10 दिसंबर 1996 को बेंगलुरु में पैदा हुई हैं। उनकी डेब्यू फिल्म बिरबल थी, जिसमें वह एमजी श्रीनिवास के साथ नजर आईं। साल 2023 में हेमंत एम राव के डायरेक्शन में बनी सप्त सागरदाचे एलो से रुक्मिणी को पॉपुलैरिटी मिली। इसमें उनके साथ रक्षित शेट्टी थे।

जूनियर एनटीआर की सोलो स्पाई फिल्म एजेंट विक्रम अब हुई बंद

यशराज फिल्म्स की सबसे फिल्मों में से एक वॉर 2 बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप रही। कमजोर कंटेंट के चलते न केवल दर्शकों और समीक्षकों ने फिल्म को नकारात्मक प्रतिक्रिया दी बल्कि थिएटर में भी यह फिल्म उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकी। इस नाकामी से यशराज स्टूडियो को भारी आर्थिक नुकसान झेलना पड़ा है, जिसका सीधा असर बैनर की स्पाई यूनिवर्स की आगे की फिल्मों पर पड़ा। सबसे बड़ा झटका तब लगा जब स्टूडियो के प्रमुख आदित्य चोपड़ा ने जूनियर एनटीआर के किरदार एजेंट विक्रम पर बेस्ड स्टैंडअलोन फिल्म को बंद करने का फैसला ले लिया। सूत्रों के मुताबिक... यशराज का इरादा जूनियर एनटीआर की पैन इंडिया लोकप्रियता का फायदा उठाते हुए उनके किरदार पर एक सोलो फिल्म बनाने का था और क्रिएटिव टीम इस पर काम भी शुरू कर चुकी थी। लेकिन वॉर 2 की असफलता के कारण इस फिल्म को शुरू होने से पहले ही बंद करना पड़ा।

डायरेक्टर निखिल नागेश करेंगे हॉलीवुड डेब्यू

निर्देशक निखिल नागेश भट्ट ही में अपनी एक्शन थ्रिलर फिल्म किल से दर्शकों का खूब दिल जीता। यह फिल्म कई अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल्स में दिखाई गई और बॉक्स ऑफिस पर भी अच्छा प्रदर्शन किया। खासकर इसके नए तरह के एक्शन को दर्शकों ने काफी पसंद किया। अब निखिल को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। बताया जा रहा है कि वह अपनी अगली फिल्म के जरिए सीधे हॉलीवुड डेब्यू करने वाले हैं। सूत्रों के अनुसार... वह काफी समय से यूनिवर्सल स्टूडियोज के अधिकारियों से मुलाकात कर रहे थे और अब बातचीत आगे बढ़ चुकी है। यह एक हाई-ऑक्टेन ग्लोबल एक्शन फिल्म होगी, जिसे बड़े पैमाने और हाई बजट में बनाया जाएगा।

शाहिद ने पूरी की अपकमिंग फिल्म की शूटिंग

अहम किरदार में होंगी तृप्ति डिमरी

अभिनेता शाहिद कपूर के फैंस के लिए अच्छी खबर है। उन्होंने विशाल भारद्वाज के साथ अपनी अपकमिंग फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है। हालांकि इस फिल्म का क्या नाम होगा, इसका अभी तक पता नहीं चल पाया है। शाहिद कपूर ने सोशल मीडिया पर फिल्म की शूटिंग पूरी होने की जानकारी दी है। पोस्ट में उन्होंने बताया है कि इस फिल्म में कौन-कौन से कलाकार होंगे।
शाहिद कपूर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर विशाल भारद्वाज के साथ एक तस्वीर शेयर की है। तस्वीर में देखा जा सकता है कि विशाल भारद्वाज शाहिद कपूर को कुछ समझाते हुए नजर आ रहे हैं। शाहिद कपूर ने इस तस्वीर के साथ एक नोट लिखा है। नोट में उन्होंने बताया है कि इस फिल्म के टाइटल का जल्द ही एलान किया जाएगा।

ये कलाकार होंगे फिल्म का हिस्सा

शाहिद कपूर ने पोस्ट में बताया है कि इसमें तृप्ति डिमरी अहम किरदार में होंगी। इसके अलावा दिशा पाटनी, नाना पाटेकर, फरीदा जलाल और अविनाश तिवारी भी फिल्म में नजर आएंगे। शाहिद कपूर ने पोस्ट में लिखा मैं यह बताते हुए बहुत उत्साहित हूं कि विशाल भारद्वाज के साथ मेरी चौथी फिल्म की शूटिंग पूरी हो गई। नाम जल्द बताया जाएगा। हमेशा की तरह यह मेरे लिए एक नई दुनिया और एक बेहद अलग किरदार है। यह मेरे लिए बहुत खास है। शाहिद कपूर ने पोस्ट में लिखा तृप्ति डिमरी के साथ काम करके बहुत मजा आया। नाना पाटेकर ने जटिल सीन को आसान किया। फरीदा जलाल आपकी शालीनता के लिए शुक्रिया। अविनाश तिवारी आपकी प्लेलिस्ट के लिए शुक्रिया। दिशा पाटनी आपने और मैंने दोनों गानों में कमाल कर दिया।

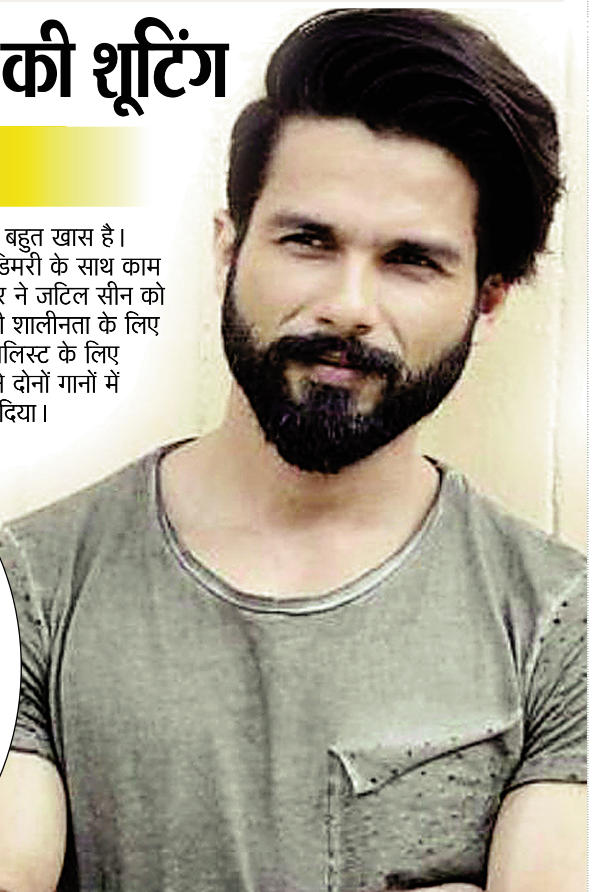

डर को भी डराने आ रही मनोज बाजपेयी और राम गोपाल वर्मा की फिल्म

30 साल बाद फिर करेंगे धमाका!

मुंबई का किंग कौन... साल 1998 में मनोज बाजपेयी और राम गोपाल वर्मा की जोड़ी ने सत्या के साथ इतिहास रचने का काम किया था। इसके बाद एक्टर-डायरेक्टर की इस जोड़ी ने हिंदी सिनेमा को शूल, रोड, कौन? जैसी बेहतरीन फिल्में दीं। अब करीब तीन दशक बाद दोनों फिर साथ आ रहे हैं। जी हां, राम गोपाल वर्मा और मनोज बाजपेयी ने अपनी नई फिल्म का ऐलान कर दिया है। शूटिंग शुरू हो चुकी है।

इस बार यह जोड़ी डराने के साथ ही हंसाने भी आ रही है। फिल्म हॉरर-कॉमेडी है और नाम पुलिस स्टेशन में भूत है। राम गोपाल वर्मा और मनोज बाजपेयी ने फिल्म का फर्स्ट लुक पोस्टर भी शेयर किया है। राम गोपाल वर्मा लीक से हटकर फिल्में बनाने के लिए जाने जाते हैं। ऐसे में पुलिस स्टेशन में भूत अपने टाइटल के साथ ही एक दिलचस्प सिनेमाई अनुभव की उम्मीद जगाती है। फिल्म में मनोज बाजपेयी के साथ जिनिलिया डिसूजा की जोड़ी है। राम गोपाल वर्मा ने बताया है कि फिल्म का पहला शेड्यूल पूरा हो चुका है।

यह बहुत खास है...

मनोज बाजपेयी ने फिल्म का फर्स्ट लुक मोशन पास्टर शेयर करते हुए लिखा है, शूटिंग शुरू। सत्या से अब तक... राम गोपाल वर्मा के साथ करीब 30 साल बाद दोबारा जुड़ना से रोमांच से भरा हुआ है। हमारी नई हॉरर-कॉमेडी पुलिस स्टेशन में भूत, यह बहुत खास है।

पुलिस स्टेशन में भूत का प्लॉट

फिल्म की कहानी में डर, विडंबना और राम गोपाल वर्मा की अपना अलग अंदाज है। फिल्म के पोस्ट पर लिखा है, आप मुर्दों को गिरफ्तार नहीं कर सकते। मेकर्स ने फिल्म के प्लॉट को लेकर कहा है, जब हम डरते हैं तो पुलिस स्टेशन भागते हैं, लेकिन जब पुलिस डरेगी तो वह कहां भागेगी?

यह डर के हमारे नजरिए की सीमाओं को तोड़ देगी

राम गोपाल वर्मा कहते हैं, सत्या के बाद मनोज के साथ फिर से काम करना पुरानी यादों और रोमांच दोनों को ताजा करता है। डर तब सबसे भयावह हो जाता है, जब वह सुरक्षा के सर्वोच्च अधिकार को चुनौती देता है। पुलिस स्टेशन शक्ति का ऐसा ही प्रतीक होता है। मनोज और जिनिलिया की की जोड़ी कहानी में डर को देखने के हमारे नजरिए की सीमाओं को तोड़ देगी।

पुलिस स्टेशन में भूत रिलीज डेट

हालांकि, अभी फिल्म की रिलीज को लेकर कोई जानकारी नहीं दी गई है। लेकिन समझा जा रहा है कि तैयारी इसी साल के आखिर में या फिर अगले साल की शुरुआत में इसे सिनेमाघरों में रिलीज करने की है।

रेंजर में फॉरेस्ट ऑफिसर हैं अजय, संजय बने शिकारी

अजय देवगन और उनकी फिल्मों की शूटिंग्स पर मुंबई की बारिश का असर नहीं पड़ रहा है। वह लगातार अपनी कई फिल्मों को पूरी करने में जुटे हुए हैं। हाल ही में उनकी फिल्म दे दे प्यार दे 2 की शूटिंग पूरी हुई है, जबकि वह रेंजर और धमाल 4 जैसी बड़ी फिल्मों को भी पूरा करने में लगे हुए हैं। फिल्म से जुड़े सूत्रों ने बताया कि रेंजर कुछ-कुछ इंडियाना जोन्स के जोन में है। उसमें संजय दत्त भी हैं। वह सुपरपावर वाले शिकारी के रोल में हैं। अजय यहीं पर नहीं थम रहे। वह कन्नड़ हॉरर कॉमेडी की रीमेक भी प्लान कर रहे हैं। जंगल में अजय और संजय करते दिखेंगे एक्शन, सितंबर या अक्टूबर में फिर शुरू होगी शूटिंग

अजय और संजय स्टारर रेंजर की शूटिंग हाल ही में श्रीलंका में हुई थी। हालांकि, फिलहाल इसकी शूटिंग रुकी हुई है लेकिन उम्मीद है कि सितंबर या अक्टूबर में यह फिर से शुरू होगी। इस फिल्म में संजय एक स्टाइलिश शिकारी की भूमिका में हैं, जो अपनी खास तकनीकों से जानवरों को नियंत्रित करता है। यह फिल्म किसी सुपरनैचुरल कहानी पर आधारित नहीं है, बल्कि जानवरों की तस्करी और उनके रखवालों की चुनौतियों की एक वास्तविक और रोचक कहानी है। फिल्म में अजय एक साहसी फॉरेस्ट रेंजर के किरदार में नजर आएंगे जो जंगल में जानवरों की रक्षा के लिए लड़ते दिखेंगे।

साउथ के निर्देशक जेपी के साथ एक हॉरर कॉमेडी फिल्म भी करेंगे अजय

अजय का काम धमाल 4 और रेंजर के साथ खत्म नहीं हो रहा है। इसके बाद, वह अपनी दो सबसे सफल फ्रेंचाइज गोलमाल 5 और दृश्यम 3 पर काम शुरू करेंगे। गोलमाल 5 की शूटिंग दिसंबर से शुरू होने की उम्मीद है, जबकि दृश्यम 3 की स्क्रिप्ट लिखी जा रही है और इसकी शूटिंग अक्टूबर में शुरू हो सकती है। इनके अलावा, अजय एक नए प्रोजेक्ट को लेकर भी चर्चा में हैं। खबरों के मुताबिक, वह कन्नड़ फिल्म सु फ्रॉम सो के निर्देशक जेपी तुमिनाड के साथ एक हॉरर-कॉमेडी फिल्म के लिए बातचीत कर रहे हैं। इसका निर्माण केवीएन प्रोडक्शंस करेगा। यह अजय के लिए एक नया जॉनर होगा।

दे दे प्यार... 2 की शूटिंग लंदन में पूरी, माधवन भी आएंगे नजर

अजय ने अपनी रोमांटिक कॉमेडी फिल्म दे दे प्यार दे 2 की शूटिंग भी पूरी कर ली है। इस महीने की शुरुआत में ही वह लंदन से वापस लौटे हैं, जहां फिल्म के कई अहम सीन फिल्माए गए। इस सीक्वल में आर माधवन भी एक महत्वपूर्ण किरदार में नजर आएंगे, जो रकुल प्रीत सिंह के पिता की भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म की कहानी वहीं से शुरू होगी जहां पहले भाग का अंत हुआ था, जिससे दर्शकों को एक नई और दिलचस्प कहानी देखने को मिलेगी। माधवन के साथ अजय लगातार फिल्में कर रहे हैं। शैतान में दोनों का फेस ऑफ दिखा था। काजोल की मां के प्रमोशन में भी माधवन खास तमिलनाडु से मुंबई प्रमोशन और फ्रेंडशिप के लिए आए थे।

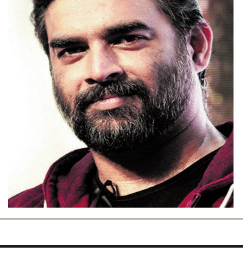

धमाल 4 के क्लाइमैक्स की शूटिंग भी है अभी बाकी

अजय की इंद्र कुमार द्वारा निर्देशित धमाल 4 की शूटिंग अभी पूरी नहीं हुई है। क्लाइमैक्स की शूटिंग बाकी है। मुंबई में हो रही बारिश के बावजूद फिल्म की शूटिंग जारी है। फिलहाल, फिल्म का कुछ काम बाकी है, जिसमें मड आइलैंड और अंधेरी के एक स्टूडियो में कुछ दिनों की शूटिंग शामिल है। गुरुवार को अजय मुंबई के मड आइलैंड पहुंचे। फिल्म में अजय के साथ एक पुरानी एक्ट्रेस को भी कास्ट किया गया है, जो दो बच्चों की मां का किरदार निभाएंगी। फिलहाल उनका नाम सामने नहीं आया है। इसके अलावा, रितेश देशमुख का भी कुछ दिनों का शूट बाकी है। जैसे ही यह काम पूरा होगा, फिल्म की शूटिंग पूरी हो जाएगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, **सुनील कुमार** द्वारा वी-22 खजूर वाली गली नम्बर-2 अरविंद नगर, घोंडा दिल्ली-110053 से प्रकाशित एवं कारे प्रिंटिंग प्रेस 574ए विजय पार्क गली नम्बर-2 मौजपुर दिल्ली-110053 से मुद्रित।
किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **सम्पादक : सुनील कुमार** RNI NO.- DELHIN/2007/22401